भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन

जुलाई 2017

खंड 71 अंक 7

संपादन समिति
जनक राज
ब्रजमोहन मिश्रा
गौतम चैटर्जी
अमिताभ सरदार

संपादक
सुनील कुमार

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादन समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेख में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2017

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते कि स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया "भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन" खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से **http://www.bulletin.rbi.org.in** पर भी देखा जा सकता है।

विषयवस्तु

भाषण

बैंकर और एसएमई उधारकर्ता- नये मंत्र
एस. एस. मूंदड़ा 1

लेख

वर्ष 2015-16 के दौरान विदेशी प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों की वित्तीय स्थिति 9

भारत की अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी : 2016 21

वर्किंग पेपर और सामयिक कागज़ात की प्रेस प्रकाशनियां

भारत में कॉल मनी दर स्प्रेड क्या बताता है? 27

बासल फ्रेमवर्क में क्रेडिट जोखिम के लिए पूंजी गणना के मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत जोखिम भार - भारत में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के डिफ़ॉल्ट अनुभव का विश्लेषण 29

वर्तमान सांख्यिकी **31**

हाल के प्रकाशन **68**

भाषण

बैंकर और एसएमई उधारकर्ता- नये मंत्र
एस. एस. मूंदड़ा

बैंकर और एसएमई उधारकर्ता- नये मंत्र*

एस. एस. मूंदड़ा

मंच पर आसीन महानुभावों; बैंकिंग बिरादारी के सहकर्मियों एसोचेम (ASSOCHAM) के सदस्यों; प्रिन्ट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों,देवियों और सज्जनों, सबसे पहले तो मैं एसोचेम को इस प्रयास के लिए बधाई देना चाहूँगा कि वे बैंकरों और उधारकर्ताओं को एक मंच पर साथ लाए ताकि वे सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सकें। समय के साथ-साथ प्रत्येक क्षेत्र में नई प्रवृत्तियाँ सामने आ रही हैं और ऐसे मुकाम पर एमएसएमई के लिए '10 नए मंत्र' बहुत ही सटीक है।

2. देश के आर्थिक और समाजिक विकास में एमएसएमई की भूमिका पर बहुत जोर देना कठीन नहीं है। देश की जीडीपी के लगभग एक तिहाई हिस्से में देश के 5 करोड़ से भी ज्यादा एमएसएमई का योगदान रहता है। आशा की जाती है कि सन 2020 तक भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा-जनसंख्या कार्य के लिए तैयार हो जाएगी। हालांकि इस शिखर सम्मेलन की विषयवस्तु के बारे में खास तौर पर बोलने से पहले मैं वह बड़ी तस्वीर पहले पेश करना चाहता हूँ कि एमएसएमई क्षेत्र को हमारे समर्थन की जरूरत क्यों है।

3. प्रथम और सबसे बड़ा कारण तो यह है कि बड़ी विनिर्माता कम्पनियाँ अपने परिचालनों और प्रक्रिया प्रवाह में ऑटोमेशन को लगातार बढ़ाती जा रही हैं, जिससे इन कम्पनियों में नौकरियों की तादात कम होने वाली है। विश्व बैंक के आंकड़ों पर आधारित एक शोध में यह अनुमान लगाया गया है कि स्वचालीकरण के कारण भारत में नौकरियों के खतरे में पड़ने का अनुपात लगभग 69 प्रतिशत हो सकता है। यह संख्या बहुत बड़ी है। क्योंकि एमएसएमई में यह क्षमता है कि अतिथि सत्कार, पोशाकों की सिलाई, खाद्य-प्रोसेसिंग और ऐसे ही कई खेमे बहुतायत से रोजगारों का सृजन कर सकते हैं। ऐसे में नीति निर्माताओं और ऋणदाताओं को उन पर फोकस करने का वक्त है। इसी संदर्भ में इस बात की भी जरूरत है कि रोजगार के बारे में हम अपनी मान्यताओं में भी बदलाव लाएँ। सिर्फ औपचारिक क्षेत्र में सृजित कामकाज ही रोजगार नहीं कहलाता है। यदि उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया जाता है तो वह भी रोजगार सृजन के समकक्ष ही है। इसलिए सरकारी नीति का फोकस इस पर होना चाहिए कि कितने कामकाज़ का सृजन हुआ ना कि इस पर कि औपचारिक क्षेत्र में कितने रोजगारों का सृजन हुआ।

4. एमएसएमई क्षेत्र को कर्ज देने में बैंकरों के लिए उत्साह बढ़ाने वाली बात संभवतया यह हो सकती है कि बड़े उद्योग-घरानों से अपेक्षाकृत कम प्रतिलाभ मिल रहा है। इसके अलावा एक और प्रेरक तत्व नवीनतम विनियामक दिशानिर्देशों से निकलता है जो किसी एक ही उधारकर्ता अथवा एक ही कारोबारी घराने के उधारकर्ताओं के प्रति बैंक के जोखिम को कम करते हुए बड़े कर्जदारों को बाध्य करती हैं कि निधियों की अपनी जरूरतों को वे बैंकों से पूरा करने की बजाय बाजार से उधार लेकर पूरा करें। ऐसी परिस्थितियों में बैंकों के लिए सही कारोबारी समझ तो यह होगी कि संभावित संवृद्धि क्षेत्र के तौर पर वे एमएसएमई क्षेत्र का रुख करें।

5. इसलिए विनिर्माण/सेवा क्षेत्र में अनुकूल परितंत्र की सहायता से एमएसएमई से उद्यमशीलता की अभिलाषा को पूरा करने के पथ का निर्माण कर सकते हैं और इस प्रक्रिया में ये रोजगार का उल्लेखनीय स्तर पाने लायक बन जाएँगे। इस पिरामिड के सबसे निचले स्तर पर मौजूद इन 5 करोड़ इकाइयों को उचित ब्याज दर पर समय रहते पर्याप्त वित्त प्रदान करना एक अप्राप्य लक्ष्य बना हुआ है। यह प्रशंसा योग्य है कि द्विअंकीय संवृद्धि दर हासिल करने के लिए इस देश की आकांक्षा को देखते हुए यह बात अहम है कि एमएसएमई क्षेत्र की ताकत का भरपूर उपयोग किया जाए।

6. इस शिखर सम्मेलन के विषय पर आने से पहले मैं संक्षेप में कुछ उन प्रमुख तत्थों को बताना चाहता हूँ जिनके कारण इस सेक्टर की संस्थागत क्रेडिट तक सीमित पहुँच है।

* श्री एस. एस. मूंदड़ा, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 16 जून 2017 को नई दिल्ली में एसोचेम द्वारा आयोजित तृतीय बैंकर्स उधारकर्ता कारोबारी के शीर्ष सम्मेलन में दिया गया भाषण।

इनमें शामिल हैं- छोटे टिकट आकार वाले कर्ज जो इन खातों को परिचालन की दृष्टि से कम लाभदेय बनाते है, इन उद्यमों के कामकाज के बारे में जानकारी की कमी, और छोटे उद्यमों के मालिकों के पास वित्तीय जानकारी नहीं होना। सामयिक और लोचशील संस्थागत-क्रेडिट नहीं मिल पाने के कारण बहुत से एमएसएमई अस्थायी आघातों को झेलने में विफल हो जाते है और नतीजतन उन्हें धन्धा बन्द करना पड़ जाता है। इन बातों की पृष्ठभूमि में मेरा अभिप्राय बैंकरों और उधारकर्ताओं को कुछ मंत्र बताने का है, जिनका अनुकरण करके उदीयमान परिवेश में एमएसएमई क्षेत्र में प्राण फूंके जा सकते है। मैं कुछ नीतिगत उपायों का भी उल्लेख करूंगा जो रिज़र्व बैंक और भारत सरकार ने इस क्षेत्र के लिए किए है, और कुछ उपाय जो अभी तैयार किए जा रहे हैं।

बैंकर्स के लिए मंत्र

7. मेरे विचार से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उधारकर्ताओं के लिए हमदर्दी पैदा करना और उनकी वित्तीय तथा अन्य संबंधित जरूरतों को समझना बैंकर्स के लिए पहला और सर्वप्रधान मंत्र होना चाहिए। यदि शीर्ष प्रबंधन इस क्षेत्र के सामर्थ्य के बारे में यकीन करे और प्रबल वाणिज्यिक कारणों से सूक्ष्म और लघु उद्यमों को प्राथमिकता प्रदान करे तो इसे आसानी से हासिल भी किया जा सकता है। इस प्रकार के उद्यमियों के प्रति कारोबारी मनोभाव विकसित करने के लिए प्रशिक्षण को माध्यम बना कर संकेन्द्रित क्षमता निर्माण अपेक्षित होगा।

क) एमएसएमई के जीवनचक्र संबंधी जरूरतों को अहमियत देना

बड़े उद्यमों/ उद्योग घरानों की तुलना में सूक्ष्म और लघु इकाइयों के सामने वित्तीय कठिनाइयाँ अधिक होती हैं। एमएसएमई के परिचालन जीवन-चक्र के दौरान कई बार, अहम मौकों पर समय से मदद नहीं मिलने के कारण इनमें रुग्णता आ जाती है। सामयिक वित्तीय कठिनाइयों के अवसरों पर जीवनक्षम एमएसएमई को निरन्तर मदद देने में बैंकों को संवेदनशील होने की जरूरत है। इस दिशा में रिज़र्व बैंक ने बैकों को पहले ही सूचित किया है कि वे एमएसएमई क्षेत्र को ऋण देने की अपनी नीतियों की समीक्षा करें और स्टैन्डबाइ क्रेडिट सुविधा, अतिरिक्त कार्यशील पूँजी सीमाएँ मंजूर करने के प्रावधान शामिल करें तथा नियमित कार्यशील पूँजी सीमाओं के मध्यम अवधि समीक्षा और क्रेडिट -निर्णयों हेतु समयबद्धता निर्धारित करें। लेकिन इन सभी प्रयासों की सफलता का महत्वपूर्ण अंश है इनको कार्यरूप देना। बैंकों के लिए जरूरी होगा कि कार्यक्षेत्र स्तर के कार्यकर्ताओं को निगरानी की सुदृढ़ व्यवस्था से लैस करें ताकि नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित हो सके। मेरा मानना है कि एमएसएमई की प्रगति के लिए यह महत्वपूर्ण है।

ख) गलती कर रहे एमएसएमई को समर्थन

हमें यह मानना होगा कि विफलता तो उद्यमिता का एक अविच्छिन्न भाग है। यह दुर्भाग्य की बात है कि हमारी व्यवस्था में उद्यमों की विफलता को बिना कोई धब्बा लगाए सहजतापूर्वक नहीं लिया जाता है। जीवनचक्र को लेकर एमएसएमई फर्मों को समर्थन देना महत्वपूर्ण तो है ही, यह भी अहम है कि इन फर्मों को मुसीबत के समय बैंकों से मदद मिले। भारत सरकार द्वारा इस बारे में समर्थक व्यवस्था पहले ही तैयार की जा चुकी है और अस्थायी लाचारी में पड़ी एमएसएमई के पुन: उत्थान और पुनर्वासन के बारे में रूपरेखा बताते हुए आवश्यक दिशानिर्देश रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए जा चुके हैं। इस व्यवस्था के तहत समस्या के समाधान हेतु इसे समयबद्ध कार्यक्रम सहित एक समिति को प्रस्तुत किया जाता है। मुझे बताया गया है कि सरकारी क्षेत्र, निजी क्षेत्र के सभी बैंकों और 4 विदेशी बैंकों ने आंतरिक नीति बनाई है। जुलाई-सितम्बर 2016 की अवधि में 31 दिसम्बर 2016 तक 1770 समितियों का गठन हुआ और इन

समितियों को 41417 मामले भिजवाए गए। मेरे विचार से इन संख्याओं और किए गए समाधानों की संख्या बढ़नी चाहिए। अस्थायी तौर पर संकटग्रस्त एमएसएमई फर्मों की मदद अत्यधिक महत्वपूर्ण है और इसलिए मैं अपने बैंक सहकर्मियों से अनुरोध करता हूँ कि इस प्रयास का समर्थन यथेष्ट रूप से करें।

ग) औद्योगिक समूहों पर फोकस

परीक्षण केन्द्र, सुविधाएँ, सड़क, सुरक्षा, कामगारों को प्रशिक्षण और विपणन सहायता जैसी सुविधाओं के लिए साझा अभिगम प्रदान करके एसएमई समूहों द्वारा प्रौद्योगिकी को अंगीकार करने, दक्षता बढ़ाने और संवृद्धि की दृष्टि से उल्लेखनीय लाभ प्रदान किए जाते हैं। एमएसएमई क्षेत्र की जो फर्में पहले अपने छोटे आकार के कारण बड़े पैमाने पर उत्पादन की किफायत विशेषज्ञता और नई पद्धतियों को हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करती थीं, अब वे औद्योगिक समूहों के प्रादुर्भाव का लाभ उठा रही हैं। विभिन्न प्रादेशिक संस्थानों ने छोटी फर्मों को बढ़ावा देने के लिए समूह-आधारित परियोजनाओं को हाथ में लिया है और यहीं पर बैंकों के लिए भी अवसर मौजूद हैं। रिज़र्व बैंक ने सभी बैंकों को पहले ही सूचित कर दिया है कि एमएसई समूहों में ज्यादा से ज्यादा ऐसी शाखाएँ खोलें जो एमएसई पर फोकस रखें, और जो एमएसई के लिए परामर्श केन्द्रों का भी कार्य करें। इन समूहों में लघु और मध्यम उद्योग एसोसिएशनों को साथ समन्वय करना बैंकों और छोटी फर्मों दोनों के लिए आपस में लाभदायक सिद्ध हो सकता है।

उधारकर्ताओं के लिए मंत्र

8 क) सूचना में बेमेलपन को दूर करना

एक बात जो एमएसएमई उद्यमियों को बहुत गंभीरता से कुप्रभावित करती है, वह है बैंकिंग उत्पादों और व्यवहारों के लिए बड़े पैमाने पर उदासीनता और आर्थिक परिवेश के उद्-विकास की जानकारी का अभाव होना। ऐसी परिस्थितियों में उधारकर्ताओं के लिए पहला मंत्र है बदल रही आर्थिक ऊर्जा और अपने कारोबार पर इस के प्रभाव के बारे में जागरुकता पैदा करना। उधारकर्ताओं को यह प्रयास अवश्य करना चाहिए कि नवीनतम विनियामक दिशानिर्देशों, बैंक द्वारा और साथ-ही-साथ सरकार द्वारा प्रस्तावित स्कीमों के बारे में जानकारी रखें। इस संदर्भ में मुझे पक्का पता नहीं है कि कितने एमएसएमई को यह ज्ञात होगा कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों के प्रति बैंक की वचनबद्धता हेतु बीसीएसबीआई संहिता विद्यमान है। हम कई बार देखते हैं कि बहुत से लघु उद्यमी अपने उद्यम में नई-नई और शानदार उत्पादन तकनीकों का प्रयोग करते हैं, लेकिन इस बारे में मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि उनमें से कितनों ने बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के बारे में सुना है, जहाँ वे अपनी तकनीक को दर्ज करा सकते हैं। यह भी हास्यास्पद है कि ऐसा देश जहाँ नौकरी का सृजन सर्वोच्च प्राथमिकता है, वहाँ पेशेवर प्रशिक्षण देना, सामाजिक संवेदना के कारण उपेक्षित क्षेत्र ही रहा है। मेरा पक्का विश्वास है कि पेशेवर प्रशिक्षण देकर उद्यमशीलता की दक्षता का विकास करने से बेरोजगारी की समस्या काफी हद तक हल हो जाएगी और एसोचैम जैसे निकायों को उल्लेखनीय भूमिका निभाते हुए उक्त सभी क्षेत्रों में नए उद्यमियों की क्षमता का निर्माण और मार्गदर्शन करना होगा।

ख) डिजिटल का फायदा उठाना

फिनटेक क्रांति पूरे संसार को प्रभावित और विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपरिमित अवसरों का सृजन कर रही है। इसने एमएसएमई क्षेत्र में बैंकों के लिए भी नए अवसरों का मार्ग खोल दिया है।अपने ग्राहकों के

लिए खरीददारी को सुलभ बनाने के लिए एसएमई द्वारा ई-बीजक या मोबाइल भुगतान तरीकों को समाविष्ट किया जाता है, ऐसे में बैंकों द्वारा इन एसएमई का समर्थन किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी की सहायता से एमएसएमई को कर्ज देने के दृष्टिकोण में आदर्श बदलाव आ सकते हैं। फिनटेक सहभागियों के साथ समन्वय करके बैंकों द्वारा उधार देने का काम सीधे ही या इन फिनटेक कम्पनियों के माध्यम से किया जा सकता है। दूसरी ओर अपने कारोबार को बढ़ाने, परिचालन संबंधी दक्षता हासिल करके अपनी लागत को कम करने के लिए एमएसएमई भी प्रौद्योगिकी को अपना सकते हैं। बड़े एमएसएमई को तथ्यात्मक विश्लेषकों से मदद मिल सकती है जिससे वे ग्राहकों के व्यवहार को बेहतर तरीके से समझते हुए अपने उत्पादों, प्रक्रियाओं और सेवाओं की संगति बिठा सकते हैं। इस बारे में मुझे उद्योग संगठनों की भूमिका भी दिखाई दे रही है क्योंकि वे ऐसी अवसंरचना का सृजन करने में मदद कर सकते हैं जो संसाधन-विहीन एमएसएमई द्वारा साझा प्रयोग की जा सके इससे वे अपनी लागतों में कटौती कर सकेंगे।

पारंपारिक ढंग से किए जाने वाले कारोबारों को ई-कामर्स ने बदल डाला है। ई-कामर्स में ऐसी क्षमता है कि यह फर्म के स्तर पर उत्पादकता लाभ को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकता है क्योंकि इसमें वितरण, विक्रय, बिक्री-बाद की सेवा और माल-सूची प्रबंधन जैसी सामान्य प्रक्रियाओं का ऑटोमेशन हो जाता हैं। ई-कामर्स ने ऐसे प्रतिष्ठानों को अपना सामान बेचने के लिए वस्तुतः पूरे विश्व को खोल दिया है। इसलिए बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से स्पर्धा करने की बजाय एमएसएमई दूर दराज के बाजारों या विश्वव्यापी मूल्य-शृंखलाओं तक पहुँचने के लिए ई-कॉमर्स द्वारा प्रदत्त अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।

ग) वित्त के वैकल्पिक स्रोतों का उपभोग

विकास के लिए एमएसएमई के समक्ष हमेशा संस्थागत वित्त की कमी एक बाधा रही है। हालांकि, हाल ही में वित्त के कुछ वैकल्पिक स्त्रोत बाज़ार में बैंक क्रेडिट के अनुपूरक के रूप में मौजूद हैं। वैकल्पिक वित्त के जो समान्य रूप हैं उनमें क्राउड-फन्डिंग, इनवाइस ट्रेडिंग, पीयर-टू-पीयर या बाज़ार से उधार, एन्जेल निवेशक आदि शामिल है। इसी प्रकार एनएसई में भी 25 करोड़ रुपये तक या इससे कम चुकता पूँजी वाले प्रतिष्ठानों के लिए एसएमई प्लेटफॉर्म है। यह प्लेटफॉर्म नए शुरुआती स्तर वाले उद्यमों और छोटी कम्पनियों को अनुमति देता है कि अपने विकास क्रम में अति आवश्यक पूँजी जुटाने की सुविधा देता है। वैकल्पिक वित्त में फीस और उपलब्धता की अधिक पारदर्शिता के साथ-साथ भुगतान की दृष्टि से भी लोचशिलता रहती है। वैकल्पिक वित्त में कारोबारों को जमानत के तौर पर अलग-अलग परिसम्पत्तियों के प्रयोग की अनुमति होती है। सेवा उद्योगों के लिए यह खासतौर पर सहज होता है, क्योंकि वे अपने अदत्त बिलों के बदले मे भी कर्ज़ की जमानत दे सकते हैं, सम्पत्ति अथवा शेयर के रूप में मूर्त परिसम्पत्तियों की जरूरत नहीं पड़ती है। हालांकि वित्त के इन वैकल्पिक स्रोतों की उपलब्धता के बारे में जानकारी का प्रसार एक चुनौती है, और उद्योग संगठनों को इसका निदान करना ही होगा।

घ) क्रेडिट रेटिंग हसिल करना

क्रेडिट रेटिंग किसी एमएसएमई यूनिट को अधिक कुशलता से वित्तीय सेवाएँ प्राप्त करने लायक बना सकती है, क्योंकि इससे पारदर्शिता आती है, उधार देने के निर्णयों में निहित अनिश्चितता की दूर करने में मदद मिलती है और इससे समय और लेनदेन की लागत में कम आती है। एमएसएमई अपनी साख को बढ़ाने के लिए रेटिंग का प्रयोग अन्य पक्षों

के साथ भी कर सकते हैं, जो प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों के रूप में हो सकते हैं। इस संदर्भ में समुचित प्रलेखन बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसी से जुड़ा एक पक्ष यह भी है कि ऋणदाताओं को यह ध्यान रखना जरूरी है कि एमएसएमई एक बड़ी दुनिया है जिसमें कई लाख सूक्ष्म उद्यमी हैं जिनके पास लेखा-जोखा रखने की विशिष्ट व्यवस्था नहीं है। लिहाजा, उनके ऋण प्रस्तावों का मूल्यांकन करने में मानक अनुपात विश्लेषण अप्रभावी तरीका होता है। ऐसे मामलों मे बैंकों के लिए जरूरी होगा कि क्रेडिट स्कोरिंग मॉडल के तहत गैर-पारम्परिक मैट्रिक्स जैसे कि उपभोक्ता बिल भुगतानों, धनप्रेषण इतिहास आदि. का प्रयोग करते हुए उनकी ऋण-विश्वसनीयता का आकलन करें। मैं यह जोड़ना चाहूँगा कि रेटिंग की गुणवत्ता बढ़ाने में इंड-एएस को अपनाना अहम भूमिका निभाएगा, क्योंकि बेहतर प्रकटीकरण से रेटेड कम्पनियों के बारे में जानकारी की उपलब्धता बढ़ेगी

हाल ही के नीतिगत उपाय/कार्य प्रगति पर

9. एमएसएमई क्षेत्र को मदद देने में विनियामकों और नीति-निर्माताओं पर एक-समान जिम्मेदारी है। हालांकि यह उल्लेख करना समीचीन है कि विनियामक अथवा नीति निर्माता तो कर्ता कम और सक्षमकर्ता के तौर पर बेहतर होते हैं। चाहे यह इस क्षेत्र को वित्त प्रवाह हेतु मार्ग का सृजन हो, कारोबार करने के लिए सहज परिवेश का सृजन हो या संकटग्रस्त फर्मों को मदद हो - भारत सरकार और रिज़र्व बैंक दोनों ही एमएसएमई क्षेत्र की जरूरतों को लेकर बहुत सजग है।

(क) वित्त प्रवाह जो सहज करना

i) व्यापार मे प्राप्य राशियाँ और बट्टा प्रणाली (ट्रेड्स)

एमएसएमई अपनी प्राप्य राशियों को नकद कर सकें -इस हेतु इलेक्ट्रॉनिक रुप से बिलों को स्वीकार करने और निपटाने के लिए एक्सचेंज का काम करने के लिए ट्रेडस प्लेटफार्म तैयार करने के लिए रिज़र्व बैंक के प्रयास में व्यावहारिक उपयोगिता है। इस प्रणाली में कोशिश की जाएगी कि व्यापारिक घरानों,और सरकारी विभागों तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों सहित अन्य खरीददारों से जो व्यापारिक राशियाँ प्राप्य हैं उनके लिए बहुविध वित्तपोषकों के जरिये वित्तपोषण की सुविधा दी जाए। लाइसेन्स शुदा तीन प्रतिष्ठानों में से दो ने परिचालन शुरु कर दिया है।

यह अहम होगा कि आरंभ में कारोबारी घरानों और सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के लिए और बाद में सरकारी विभागों के लिए ट्रेड्स का प्रयोग अनिवार्य कर दिया जाए। मैं एसोचैम से और एमएसएमई मंत्रालय से अनुरोध करता हूँ कि इस पहलू की परीक्षा सक्रिय तौर पर करें क्योंकि ट्रेड्स प्रयास की सफलता इस क्षेत्र के लिए काफी प्रभावी होगी।

ii) नई संस्थाएँ/नई प्रक्रियाएँ

रिज़र्व बैंक ने दो नए सर्वगत बैकों के अलावा उन सभी दस लघु वित्त बैंकों को बैंकिंग लाइसेन्स दे दिए हैं, जिन्हें रिज़र्व बैंक से सैद्धान्तिक अनुमोदन मिल चुका था। इनमें से सात बैंकों ने परिचालन आरंभ कर दिया है,और अगले कुछ महीनों में शेष तीन भी परिचालन शुरू कर देंगे। इन बैंकों की लाइसेन्सिंग शर्त में यह निहित है कि लघु कारोबारी यूनिटों,लघु और सीमान्त किसानों, सूक्ष्म और लघु उद्योगों तथा असंगठित क्षेत्र के प्रतिष्ठानों सहित असेवित और अल्प सेवित खंड़ों में ऋण देने पर फोकस करें। इन लघु वित्त बैंकों से अपेक्षित होगा कि रिज़र्व बैंक द्वारा प्राथमिकता

क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किए जाने के पात्र क्षेत्रों को अपने ऋणों का 75 प्रतिशत प्रदान करें, जिसमें न्यूनतम 50 प्रतिशत ऋण पोर्टफोलियो 25 लाख रुपये तक के अग्रिमों का होना चाहिए। हमारा विश्वास हैं कि MFI/ एनबीएफसी के तौर पर अपने पूर्व अनुभव के आधार पर ये नए बैंक इस एमएसएमई क्षेत्र की सेवा स्थितप्रज्ञ होकर करेंगे।

अभिगम बढ़ाने के उपायों के अलावा यह भी जरूरी है कि वितरण के नए तरीकों पर भी ध्यान दिया जाए। दूरस्थ इलाकों में एमएसएमई तक पहुँचना हमेशा से ही जटिल समस्या रहा है,क्योंकि सारे देश में बैंकों की शाखाएं कम हैं। इस समस्या का एक संभव समाधान यह है कि एक तरफ तो बैंकों और दूसरी तरफ NBFC, एमएफआई के प्रयासों में बदलाव किया जाए, क्योंकि स्थानीय हालात,कारोबार की व्यवहार्यता,लोगों की ऋणपात्रता,उनकी चुकौती क्षमता आदि के बारे में बेहतर जानकारी NBFC,MFJ के पास है। फिलहाल हम रिज़र्व बैंक में बैंकों और NBFC/MFI द्वारा जोखिम सहभागिता करते हुए ऋणों के सह-प्रवर्तन हेतु विधान पर चर्चा चल रही है, जिसमें कम लागत वाले क्रेडिट के रूप में उद्यमियों को लाभ देते हुए इन दोनों प्रतिष्ठानों की अनूठी ताकत का फायदा/लिया जाएगा।

ख) कारोबारी परिवेश में सहजता बढ़ाना

(i) सिडबी अपने स्टैन्ड-अप मित्र के आईटी विन्यास का लाभ लेते हुए उद्यमी मित्र पोर्टल स्थापित किया है, जिसका लक्ष्य है एमएसएमई की वित्तीय और गैर-वित्तीय सेवा-आवश्यकताओं तक अभिगम सहज करने की बात को मन में बिठाया जाए। यह पोर्टल एक आभासी बाजार के तौर पर प्रयास करेगा कि न केवल क्रेडिट वितरण हेतु बल्कि हाथ-थमाकर समर्थन करके, आवेदनों की ट्रैकिंग करके और हिस्सेदारों (यथा बैंको,सेवा प्रदाताओं,आवेदकों) के साथ बहुविध चर्चा करते हुए " आदि से अंत " तक समाधान प्रदान किया जाए। मैं समझता हूँ कि अभी इस पोर्टल पर उतने नियमित ग्राहक नहीं आ रहे हैं जितनी अपेक्षा थी। इसलिए बैंकों से तथा साथ ही साथ उद्योग संघटनों से अनुरोध है कि उधारकर्ताओं इस सुविधा की जानकारी फैलायें।

(ii) चल आस्तियों की रजिस्ट्री

भूमि अथवा भवन जैसी स्थायी आस्तियों के विपरीत चल-आस्तियों का हिस्सा निजी फर्मों के पूँजी भंडार में काफी रहता है और सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों के मामले में खास तौर पर बहुत बड़ा हिस्सा रहता है। इसलिए चल आस्तियाँ ही जमानत का प्रमुख प्रकार होती हैं जिन्हें कोई फर्म बैंक से वित्त प्राप्त करने के लिए गिरवी रख सकती है। भारत सरकार और रिज़र्व बैंक के साथ सक्रिय समन्वय करते हुए सरसाई ने चल परिस्पतियों की रजिस्ट्री स्थापित की है, जब यह रजिस्टरी पूरी तरह से तैयार हो जाएगी तो इस क्षेत्र को उधार देने में कई गुना प्रभाव डालेगी। मैं सभी हिस्सेदारों से फिर अनुरोध करूंगा कि इस प्लेटफार्म का भरपूर उपयोग करें।

(iii) क्रेडिट परामर्शदाता

अधिकांश एमएसएमई ऐसे उद्यम है जिनका क्रेडिट इतिहास कमजोर है और वित्तीय विवरणी बनाने की दक्षता भी अपर्याप्त है। इस कमजोरी को दूर करने के लिए रिज़र्व बैंक ने ऐसी स्कीम लागू करने के प्रयास किए हैं कि

एमएसएमई उद्यमियों को प्रमाणित क्रेडिट परामर्शदाता की सेवाओं का सेट मुहैया कराया जाए। सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के लिए ये परामर्शदाता सुविधा प्रदाता सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करेंगे, ताकि वे अधिक सहजता और सुगमता से औपचारिक वित्तीय प्रणाली तक आसानी से पहुंच सकें। इस प्रयोजन से सिडबी की मदद ली गई है और मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस बारे में परिचालनगत दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया जा चुका है और आने वाले दिनों में यह स्कीम सामने आने को तैयार होगी।

(iv) क्षमता निर्माण

जैसा कि मैं पहले बता चुका हूँ, बैंकों की क्षमता का निर्माण बहुत अहम है क्योंकि इससे उन्हें अपेक्षित दक्षता-समूह के साथ-साथ ग्राहकों की जरूरतों की समझ हासिल होती है। इस क्षेत्र में अंतराल को महसूस करते हुए रिज़र्व बैंक ने कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे के साथ समन्वय करते हुए एमएसएमई क्षेत्र के वित्तपोषण हेतु बैंकर्स में क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय मिशन (नैम्सकैब) की शुरुआत अगस्त 2015 में की । इस मिशन में वाणिज्य बैंकों के एमएसएमई प्रभाग के प्रभारियों, वाणिज्य बैंक की प्रशिक्षण संस्थापनाओं में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और एमएसएमई हेतु विशिष्ट शाखाओं के प्रभारियों के प्रशिक्षण हेतु संरचनाबद्ध प्रशिक्षण प्रयास निहित हैं। आपको यह बताते हुए मुझे खुशी है कि मार्च 2017 के अंत तक इस कार्यक्रम के तहत 5605 बैंकरों को प्रशिक्षित किया जा चुका था। फिलहाल हम बैंकरों के परिचालनगत और व्यवहारगत पथ पर नैमकैब्स के प्रयासों के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं।

ग) एमएसएमई क्षेत्र में दबाव का समाधान दिवाला कानून

जैसा कि मैंने पहले भी बताया है भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विधान के आधार पर रिज़र्व बैंक ने "एमएसएमई के पुनरुत्थान और पुनर्वासन" हेतु दिशानिर्देश मार्च 2016 में जारी किए हैं। भारत सरकार ने इसके बाद दबाव ग्रस्त आस्तियों के निपटारे में शीघ्रता लाने और कारोबार की ऋण-शोधन प्रक्रिया को सहज बनाने के लिए दिवाला और ऋण-शोधन अक्षमता संहिता 2016 का भी अनुमोदन कर दिया है। इस संहिता में फास्ट ट्रैक ऋण-शोधन अक्षमता निपटान प्रक्रिया का भी प्रावधान हैं जो स्टार्ट-अप और एमएसएमई के लिए सक्षमकारी होगा ताकि वे निपटान प्रक्रिया को 90 दिन के भीतर (उचित मामलों में इसे 45 दिन आगे बढ़ाया जा सकेगा) पूरा किया जाए।

निष्कर्ष

10. अंत में एमएसएमई और बैंकों के लिए इन संदेशों के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहूँगा कि

- एमएसएमई को असंबद्ध कार्य-परिवर्तन या शीघ्र विस्तार के लालच में बिल्कुल भी नहीं पड़ना चाहिए। बल्कि उन्हें पूँजी बचाते हुए अपने तुलनपत्र को मजबूत बनाने पर ध्यान देना चाहिए।
- फर्मों के लिए जरूरी है उनका उद्यम जिन समस्याओं का सामना कर रहा है, उसके बारे में अपने बैंकरों को साफ-साफ बताएँ। बैंकों को चाहिए कि वे फर्म के सामने आ रही समस्याओं के बारे में व्यावहारिक और संवेदनशील रहें और हर संभव सहायता देने को तैयार रहें। ध्यान रहे कि बैंकरों और कर्जदारों के बीच सहजीवी सम्बन्ध होता है और दोनों में से कोई भी अलग रहते हुए समृद्ध नहीं हो सकता।

- अधिकांश एमएसएमई व्यक्तिगत रूप से संचालित उद्यम होते हैं, जिनके पास उत्तराधिकारी की योजना नहीं होती। उद्यमी प्रतिष्ठान बने रहने के प्रयोजन से यह जरूरी है कि लघु से लेकर मध्यम आकार तक की फर्में अपना उत्तराधिकारी निर्धारित करके भावी योजना तैयार करें।

11. और अंत में यह कि देश में रोजगार और आर्थिक संवृद्धि के प्राइम मूवर के रूप में एमएसएमई के रणनीतिगत महत्व पर अधिक जोर देना लाजिमी है। एमएसएमई के लिए कारोबार हितैषी परिवेश तैयार करने में प्रोद्योगिकी और नई प्रथाओं द्वारा अहम भूमिका निभाई जाती रहेगी। सभी हिस्सेदार- चाहे वे बैंक हों, एमएसएमई फर्म हों या फिर नीति निर्माता सभी को अपने-अपने कार्य क्षेत्र में प्रयास अवश्य करने होंगे ताकि एमएसएमई क्षेत्र द्वारा प्रदत्त अवसरों को लपका जा सके। बैंकों और कर्जदारों के बीच स्वस्थ और आपस में लाभकारी संबंध के लिए दोनों पक्षों के लिए एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझाना और सराहना अनिवार्य होगा। अंतिम रेखा यही है कि दोनों पक्षों के बीच विद्यमान सूचना असंतुलन को दूर किए जाए और इसे संभव बनाने के लिए एसोचैम जैसे उद्योग संगठनों को जी जान लगानी होगी। मैं एक बार फिर एसोचैम के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने मुझे विचार व्यक्त करने हेतु बुलाया। मेरी इस शीर्ष बैठक की सफलता हेतु शुभकामनाएँ ।

लेख

वर्ष 2015-16 के दौरान विदेशी प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों की वित्तीय स्थिति

भारत की अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी : 2016

*वर्ष 2015-16 के दौरान विदेशी प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों की वित्तीय स्थिति**

वर्ष 2015-16 के दौरान गैर सरकारी गैर वित्तीय विदेशी प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों (एफडीडी) का कार्यनिष्पादन खराब रहा। बिक्री में आयी तेजी, सकल वर्धित मूल्य और परिचालन लागत में तीव्र गिरावट और इक्विटी पर काफी कम प्रतिलाभ के चलते ऐसा हुआ। आयात में भारी कमी हुई जिसके कारण विदेशी मुद्रा में निवल आय धनात्मक रही। इन कंपनियों ने उगाहे गए धन का इस्तेमाल प्रमुख रूप से स्थिर पूंजी निर्माण में किया।

इस आलेख में वर्ष 2015-16 के दौरान गैर सरकारी गैर वित्तीय विदेशी प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों (एफडीडी) के वित्तीय कार्यनिष्पादन का विश्लेषण किया गया है जो कि ऐसी 6,433 एफडीआई कंपनियों के लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा विवरणों पर आधारित है, जिन्होंने 31 मार्च 2016 को अपनी लेखाबंदी की है। इनमें से 593 पब्लिक लिमिटेड कंपनियां थीं और 5840 निजी क्षेत्र की। कंपनी की कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सिन)में उपलब्ध गतिविधि संबंधी सूचना के आधार पर इन कंपनियों को विभिन्न औद्योगिक समूहों में वर्गीकृत किया गया था। एफडीआई मुख्य रूप से 4070 कंपनियों को प्राप्त हुआ था जिनमें से 1292 कंपनियां कम्प्यूटर और उससे जुड़ा कारोबार करने वाली थीं। विनिर्माण क्षेत्र की बात करें तो अधिकांश एफडीआई मशीनरी और मशीनी उपकरणों में किया गया। वर्ष 2015-16 के लिए एफडीआई कंपनियों के आंकड़े अप्रैल 2017 में भारतीएय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में प्रस्तुत किए गए थे जिसके साथ व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ भी थीं।

इस लेख को सात भागों में विभाजित किया गया है। भाग-1 में बिक्री और उत्पादन (सकल वर्धित मूल्य - जीवीए) के आधार पर एफडीआई कंपनियों के कार्यनिष्पादन का निर्धारण किया गया है। भाग-2 में इन कंपनियों के आयात और निर्यात का ब्योरा दिया गया है। लाभ अर्जन क्षमता और प्रतिलाभों का उल्लेख भाग-3 में किया गया है। भाग-4 में पूंजी संरचना और कर्ज चुकौती क्षमता का विश्लेषण किया गया है जबकि एफडीआई कंपनियों की वित्तीय संरचना में आस्तियों के संघटन की चर्चा भाग-5 में की गयी है। भाग-6 में विभिन्न स्रोतों से उगाहे गए धन और भिन्न-भिन्न प्रकार की आस्तियों में उसके उपयोग का उल्लेख किया गया है। भाग-7 में निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं।

1. आय एवं व्यय

1.1 गैर एफडीआई कंपनियों में रहे बिक्री पैटर्न के अनुरूप ही वर्ष 2015-16 में एफडीआई कंपनियों में भी बिक्री में गिरावट दर्ज की गयी परंतु औसतन यह पहले वाली की तुलना में बेहतर रही (चार्ट 1ए और विवरण 1)।

1.2 बिक्री वृद्धि में मंदी विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की सभी कंपनियों में देखी गयी। विनिर्माण क्षेत्र की बात करें तो मोटर वाहन और अन्य यातायात उपकरणों एवं इलेक्ट्रिकल मशीनरी तथा उपकरणों को छोड़कर सभी उद्योग समूहों में बिक्री की रफ्तार मंद पड़ गयी।

1.3 व्यय पर नज़र डालें तो परिचालनात्मक खर्चे धीरे-धीरे कम हुए क्योंकि कच्चे माल की कीमतें कम हुईं तथा पावर और ईंधन के दाम घट गए। अनुसंधान और विकास, जो कि किसी भी व्यवसाय को बनाए रखने में अति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर हुए खर्च में बढ़ोत्तरी हुई जिसका परिणाम यह हुआ कि एफडीआई कंपनियों द्वारा अदा की जाने वाली रॉयल्टी में भी थोड़ी वृद्धि दर्ज की गयी (चार्ट 1बी और विवरण 1)।

1.4 सकल वर्धित मूल्य (जीवीए) के आधार पर परिगणित उत्पादन में कमी आयी जो कि बिक्री में आयी मंदी का सूचक

---

* भारतीय रिज़र्व बैंक के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के कंपनी वित्त प्रभाग द्वारा तैयार किया गया। पिछला लेख आरबीआई बुलेटिन के जून 2016 अंक में प्रकाशित हुआ था।

[1] अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के भुगतान शेष और अंतर्राष्ट्रीय निवेश स्थिति मैनुअल, छठा संस्करण (बीपीएम 6) के अनुसार 'विदेशी प्रत्यक्ष निवेश सीमा-पार निवेश की ही एक श्रेणी है जिसमें किसी एक अर्थव्यवस्था के निवासी द्वारा किसी अन्य अर्थव्यवस्था के निवासी किसी उद्यम के प्रबंधन पर नियंत्रण या पर्याप्त प्रभाव रखा जाता है।' बीएमपी 6 में कहा गया है कि 'सीधे प्रत्यक्ष निवेश संबंध तब बनते हैं जब कोई प्रत्यक्ष निवेशकर्ता ऐसी इक्विटी का स्वामी होता है जो उसे उक्त प्रत्यक्ष निवेश उद्यम में 10% या उससे अधिक का मताधिकार प्रदान करती हो।'

[2] भारतीय प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों पर भारतीय रिज़र्व बैंक की गणना, 2015-16 में रिपोर्ट किए गए आकड़ों के अनुसार, इन एनजीएनएफ एफडीआई कंपनियों की चुकता पूंजी (पीयूसी) गैर वित्तीय एफडीआई कंपनियों के कुल पीयूसी का 40.4% थी।

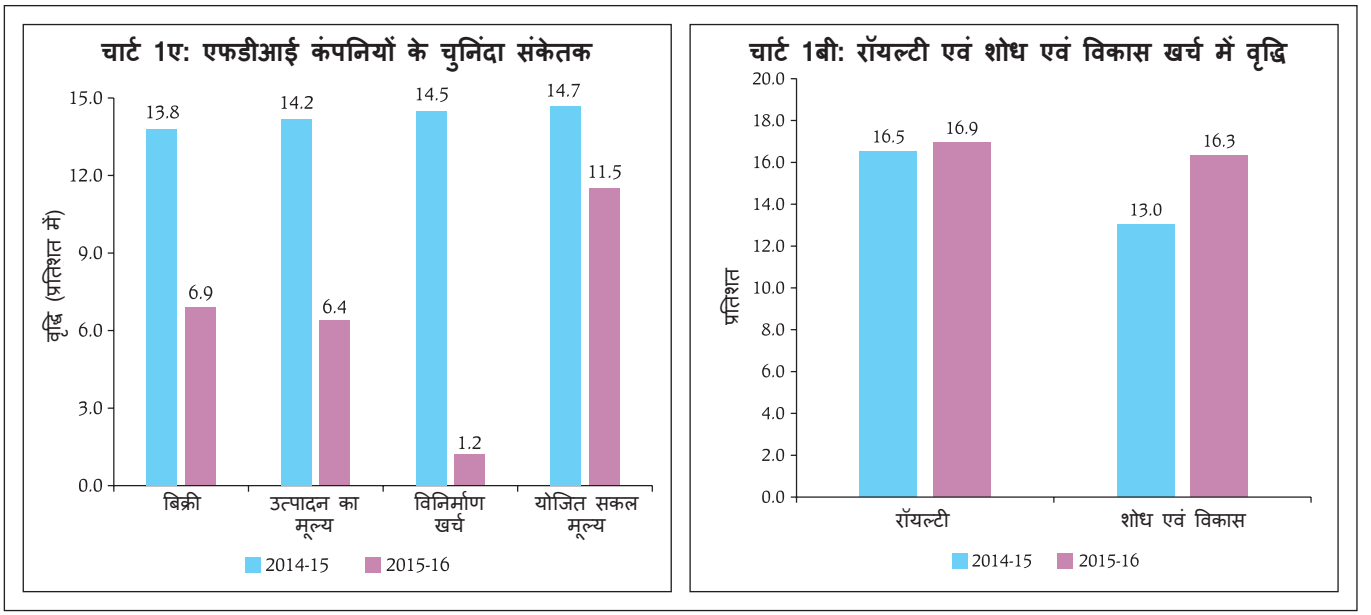

है और यह प्रवृत्ति गैर एफडीआई कंपनियों में भी देखी गयी। एफडीआई कंपनियों के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में जीएवी की वृद्धि में मंदी आयी हालांकि समग्र स्तर पर तथा क्षेत्रवार स्तर पर भी वे गैर एफडीआई कंपनियों से आगे थीं (विवरण 1)।

2. विदेशी मुद्राओं में आय और व्यय

2.1 बिक्री में निर्यात के अंश के रूप में परिगणित निर्यात तीव्रता में वर्ष 2013-14 से वर्ष 2015-16 तक की तीन वर्ष की अवधि के दौरान क्रमश: मंदी आयी। परिणाम यह हुआ कि विदेशी मुद्रा में कुल आय में होने वाली वृद्धि कमजोर पड़ गयी। हालांकि, आयातों में भारी कमी आने से निवल रूप से विदेशी मुद्रा की आवक हुई। विनिर्माण क्षेत्र की गैर एफडीआई कंपनियों की स्थिति इसके बिलकुल विपरीत रही जिनमें वर्ष 2015-16 में निर्यात में कमी आयी जबकि आयातों में वृद्धि हुई (चार्ट 2ए, चार्ट 2बी और विवरण 1)।

2.2 विनिर्माण क्षेत्र में व्यवसायरत एफडीआई कंपनियों के निर्यात संविभाग के कार्यनिष्पादन में हुए सुधार अधिकांशत: रसायन और रासायनिक उत्पाद तथा मोटर वाहन एवं अन्य यातायात उपकरण बनाने वाली इकाइयों के कारण था। सेवा

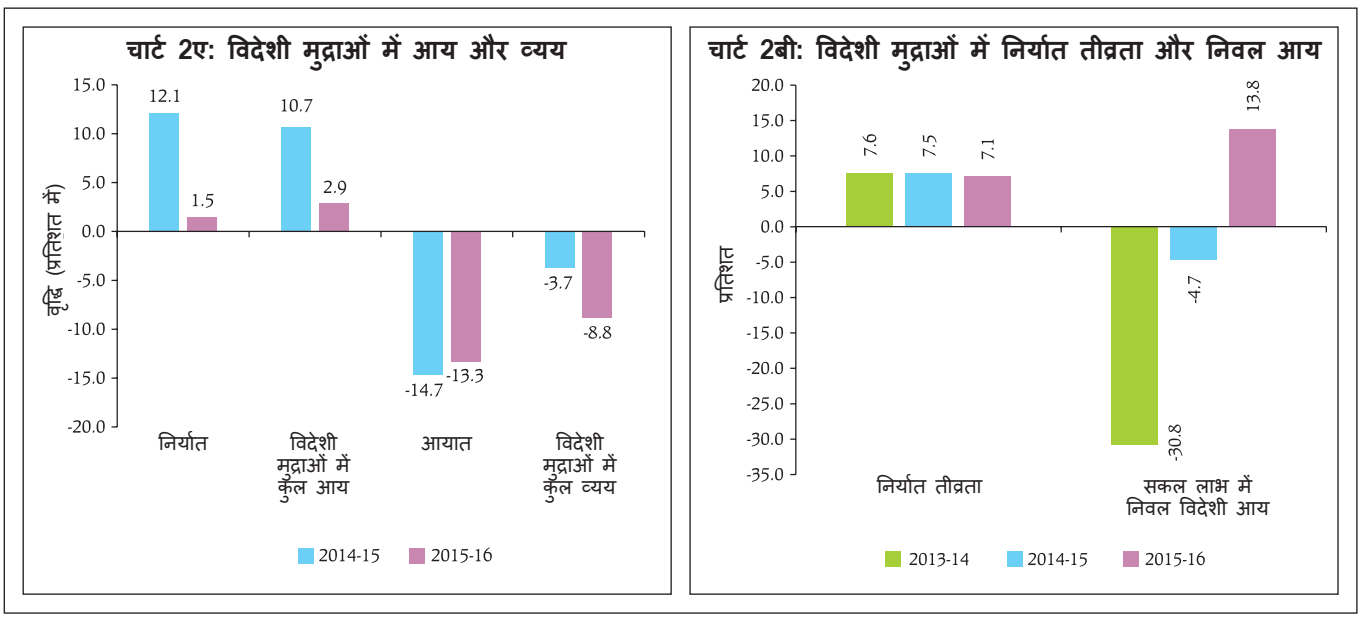

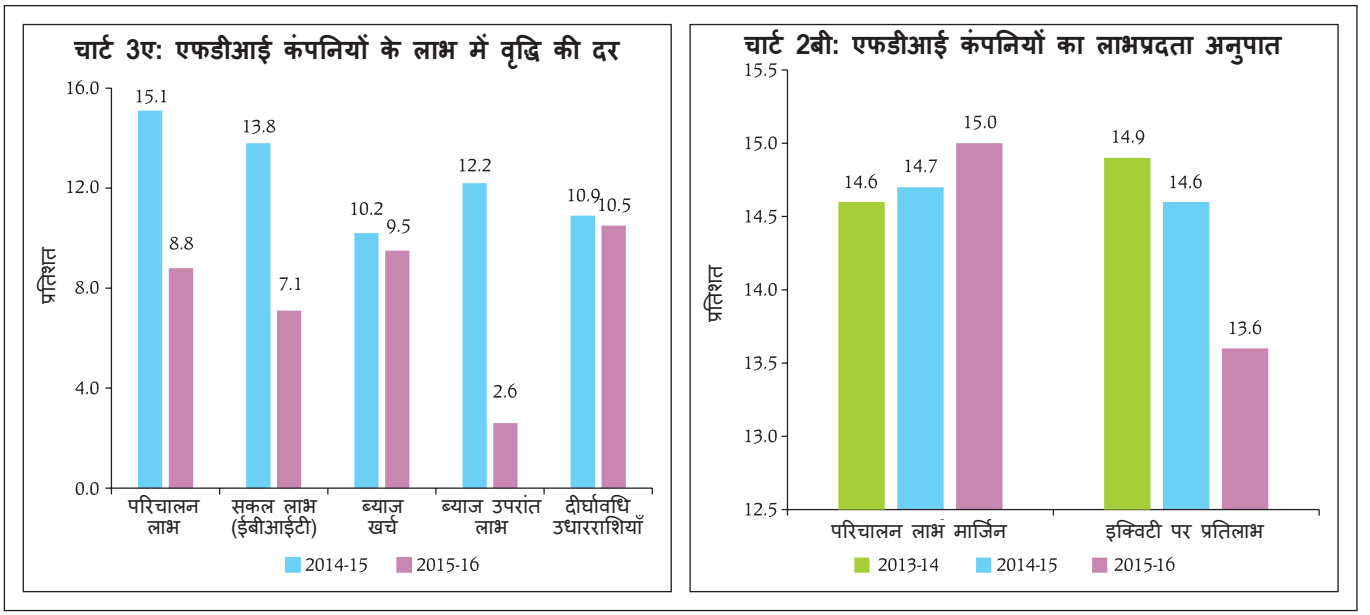

क्षेत्र में निर्यात तीव्रता और निर्यात वृद्धि में नरमी आयी और ऐसा मुख्यत: उन सभी एफडीआई और गैर एफडीआई कंपनियों के थोक और खुदरा व्यापार संबंधी सेवाओं के मामले में हुआ (विवरण 1)।

3. लाभप्रदता

3.1 परिचालनगत लाभ और सकल लाभ की वृद्धि में कमी आयी और ब्याज पर व्यय लगातार अधिक रहा जिससे कर-उपरांत लाभ (पीएटी) में वृद्धि में काफी कमी आयी। वर्ष 2015-16 में गैर-एफडीआई कंपनियों के लाभप्रदता मानदण्डों में भी उल्लेखनीय कमी आयी (चार्ट 3ए और विवरण 1)।

3.2 वर्ष 2015-16 के दौरान एफडीआई कंपनियों का परिचालनात्मक लाभ मार्जिन स्थिर बना रहा, परंतु वर्ष 2013-14 से लेकर 2015-16 तक तीन वर्षों की अवधि के दौरान उनके इक्विटी पर रिटर्न (आरओई), जो कि पीएटी और निवल साख का अनुपात होता है, में कमी आयी। अगर खाद्य उत्पादों और पेय पदार्थ तथा मशीनरी और मशीनी उपकरणों से जुड़े उद्योग समूहों को छोड़ दें तो विनिर्माण क्षेत्र के अधिकांश उद्योग समूहों में परिचालनात्मक लागत में सुधार हुआ है। हालांकि, सेवा क्षेत्र के सभी प्रमुख उद्योग समूहों के परिचालनात्मक लाभप्रदता मार्जिन में गिरावट आयी है। इसी प्रकार गैर-एफडीआई कंपनियों के परिचालानात्मक लाभप्रदता मार्जिन में विनिर्माण क्षेत्र में तो आंशिक वृद्धि हुई है परंतु सेवा क्षेत्र में इसमें कमी आयी है (चार्ट 3बी, विवरण 1 और विवरण 2)।

4. पूंजी संरचना और ऋण चुकौती क्षमता

4.1 एफडीआई कंपनियों के तुलन-पत्र का आकार तो बढ़ा परंतु यह वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में कम रही। देयताओं में शामिल घटकों से यह स्पष्ट दिखा कि कुल देयता में शेयरधारकों की निधियों और दीर्घावधि उधारराशियों की हिस्सेदारी में वर्ष 2015-16 के दौरान थोड़ी वृद्धि हुई परंतु अल्पावधि उधारराशियों की हिस्सेदारी घटी (चार्ट 4, विवरण 2)।

4.2 एफडीआई कंपनियों का लीवरेज अनुपात (कुल उधारराशियों और इक्विटी का अनुपात) धीरे-धीरे घटा जिससे डीलिवरेजिंग का संकेत मिलता है। जहाँ सेवा क्षेत्र की प्रमुख रूप से यातायात, भंडारण और संचार से जुड़ी कंपनियों के लीवरेज अनुपात में थोड़ी कमी आयी, वहीं विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख रूप से खाद्य उत्पाद और पेय पदार्थों एवं रसायन तथा रासायनिक उत्पादों से जुड़ी कंपनियों के लीवरेज अनुपात में आंशिक वृद्धि हुई। एफडीआई कंपनियों से बिलकुल उलट गैर एफडीआई कंपनियों के लीवरेज अनुपात में समान अवधि में लगातार वृद्धि दर्ज की गयी। ब्याज व्याप्ति अनुपात (ब्याज और कर के पूर्व आय तथा ब्याज-खर्च का अनुपात) के आधार

चार्ट 4 : एफडीआई कंपनियों की देयता संरचना

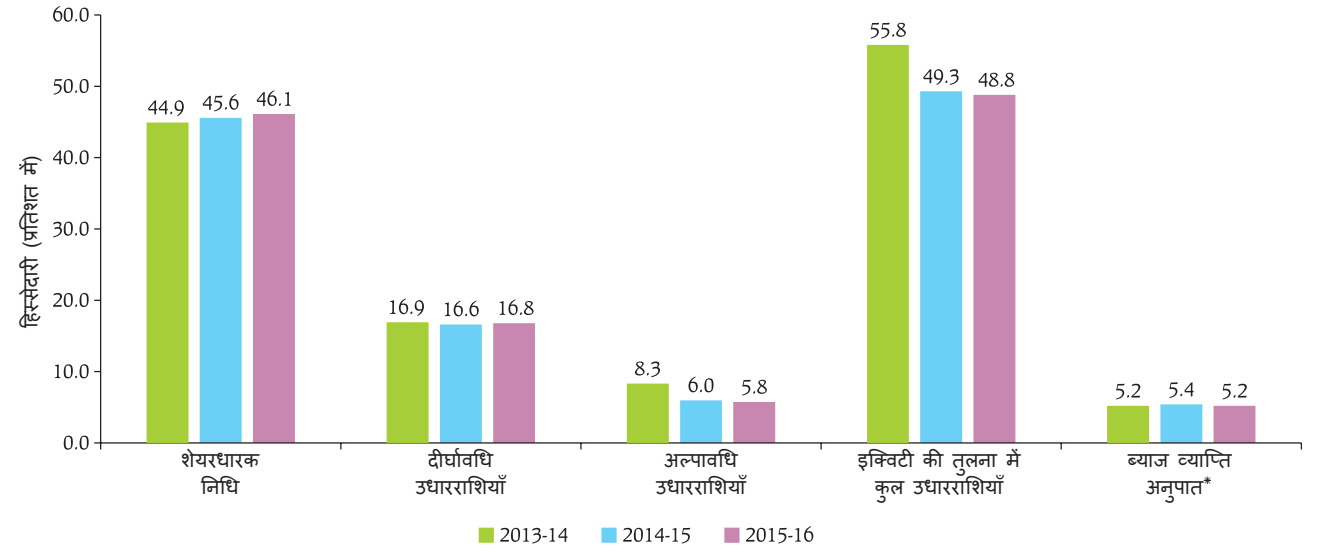

*वास्तविक अनुपात

पर आकलित एफडीआई कंपनियों की ऋण चुकौती क्षमता में वर्ष 2015-16 के दौरान कोई सुधार परिलक्षित नहीं हुआ। विनिर्माण क्षेत्र से संबंधित मुख्यतया मोटर वाहन और अन्य यातायात उपकरण बनाने वाली, सैण्ड रबर और रबर उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के मामले में इसमें थोड़ा सुधार हुआ। इसके विपरीत, सेवा क्षेत्र की कंपनियों की ऋण चुकौती क्षमता में कमी आयी(चार्ट 4, विवरण 2)।

5. आस्ति पैटर्न

5.1 एफडीआई कंपनियों की कुल आस्तियों में सकल स्थायी आस्तियों का हिस्सा वर्ष 2015-16 के दौरान बढ़ा हालांकि पिछले वर्ष में यह थोड़ा गिर गया था। इसके अलावा, दीर्घावधि निवेश की हिस्सेदारी भी बढ़ी। इसके विपरीत अल्पावधि निवेश की हिस्सेदारी गिरी और यही हाल इनवेंटरी की हिस्सेदारी का भी रहा (चार्ट 5, विवरण 3)।

चार्ट 5: कुल आस्तियों में चुनिंदा मदों की हिस्सेदारी

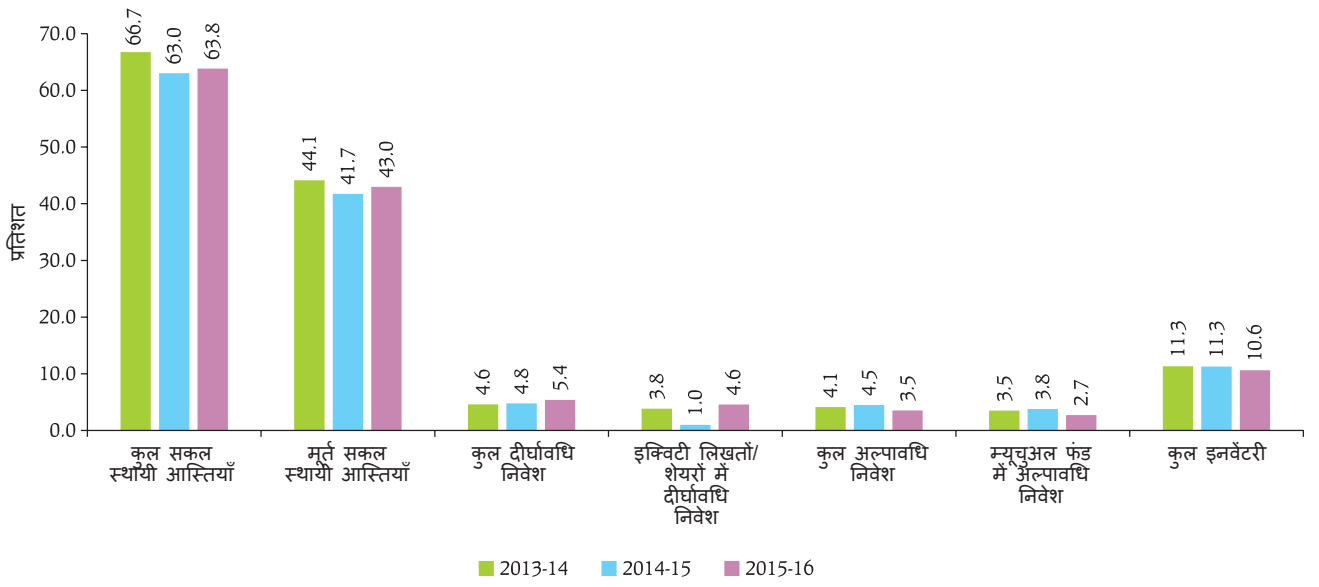

6. निधियों के स्रोत और उपयोग

6.1 एफडीआई कंपनियों द्वारा सृजित निधियों के स्रोतों की बात करें तो व्यापारिक देय राशियों में भारी कमी आने के साथ-साथ उधारराशियों और प्रावधानीकरण की उपचित राशि की हिस्सेदारी बढ़ी। दीर्घावधि निवेशों और चालू आस्तियों के नकदीकरण के कारण भी निधियों के स्रोत बढ़े। गैर एफडीआई कंपनियों के मामले में प्रावधान राशि का अपेक्षाकृत अधिक उपचय ही परिवर्तन के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार रहा (विवरण 4)।

6.2 एफडीआई कंपनियों ने सकल स्थिर पूंजी निर्माण में लगभग 37% नई निधियों का इस्तेमाल किया। निधियों के प्रयोग के अन्य प्रमुख क्षेत्र थे- दीर्घावधि निवेश तथा नकद एवं नकद समतुल्य। गैर एफडीआई कंपनियों ने भी 2015-16 के दौरान सकल स्थिर पूंजी निर्माण में लगभग एक तिहाई नई निधियों का इस्तेमाल किया परंतु लगभग 45% निधियों का उपयोग दीर्घावधि निवेशों में किया गया। (विवरण 4)

7. निष्कर्ष

यद्यपि बिक्री में वृद्धि, योजित सकल मूल्य (जीवीए) और लाभ की बात करें तो एफडीआई और गैर एफडीआई दोनों प्रकार की कंपनियों का कारोबार अपेक्षाकृत खराब रहा परंतु 2015-16 के दौरान कुछ चुनिंदा एफडीआई कंपनियों के कारोबार में सुधार हुआ। कच्चे माल की लागत में कमी आने के कारण एफडीआई कंपनियों का परिचालनात्मक लाभ मार्जिन बना रहा। उन्होंने 2013-16 के दौरान अपनी पूंजी संरचना में लाभप्रदता की स्थिति को समाप्त करने के उपाय किए। इसके बावजूद ब्याज व्याप्ति अनुपात के रूप में मापित ऋण चुकौती क्षमता में सुधार नहीं हुआ। एफडीआई और गैर एफडीआई दोनों प्रकार की कंपनियों द्वारा पूंजी सृजन के लिए प्रयुक्त निधियों की हिस्सेदारी में भारी वृद्धि हुई।

विवरण 1 : एफडीआई और गैर एफडीआई कंपनियों की चुनिंदा मदों की वृद्धि दरें

(प्रतिशत)

वर्ष	कंप. की सं.	बिक्री		परिचालन व्यय		परिचालन लाभ		कर उपरांत लाभ	
		2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
एफडीआई कंपनियाँ									
कुल योग (सभी कंपनियाँ)	***6,433***	**13.8**	**6.9**	**14.0**	**6.0**	**13.8**	**7.1**	**12.2**	**2.6**
एफडीआई में हिस्सेदारी के आधार पर									
10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत	*394*	10.8	2.4	10.4	0.7	14.8	1.6	27.9	-10.8
25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत	*728*	-0.3	3.5	-2.9	2.6	2.7	12.8	-19.3	23.0
50 प्रतिशत से अधिक	*5,311*	19.0	9.3	19.9	8.5	20.9	11.4	21.3	2.0
उद्योगवार									
विनिर्माण	***1,820***	**9.0**	**5.0**	**7.1**	**3.0**	**21.1**	**15.0**	**36.5**	**-2.1**
खाद्य उत्पाद और पेय	*101*	14.3	4.2	12.6	5.6	30.1	-1.1	34.3	-24.9
रसायन और रासायनिक उत्पाद	*283*	7.0	3.8	5.3	2.2	18.0	18.2	8.4	67.4
रबर और प्लास्टिक उत्पाद	*88*	19.1	6.4	19.4	3.3	2.1	64.4	-109.0	#
मोटर वाहन और यातायात संबंधी अन्य उपकरण	*88*	9.1	12.1	7.3	9.7	34.0	27.4	55.0	11.0
मशीनरी और मशीनी उपकरण	*425*	16.3	14.0	13.8	12.1	41.6	12.8	77.5	1.0
विद्युत मशीनरी और उपकरण	*162*	13.7	14.2	9.9	15.2	45.3	17.7	140.3	47.3
सेवाएं	***4,070***	**22.0**	**11.4**	**25.6**	**11.7**	**13.5**	**7.0**	**9.7**	**9.1**
थोक और खुदरा व्यापार	*433*	61.3	4.1	79.3	3.5	-122.2	#	#	#
कम्प्यूटर और संबंधित गतिविधियाँ	*1,292*	18.8	18.3	21.1	20.9	12.5	6.4	8.2	2.9
यातायात, भण्डारण और संचार	*183*	13.9	12.4	14.8	16.1	8.4	-8.2	1.0	-21.9
गैर एफडीआई कंपनियाँ									
कुल योग (सभी कंपनियाँ)	***3,04,978***	**8.5**	**4.2**	**8.3**	**3.6**	**14.1**	**4.8**	**19.5**	**1.9**
उद्योगवार									
विनिर्माण	***78,337***	**7.1**	**2.3**	**7.1**	**1.7**	**9.1**	**4.4**	**18.6**	**0.3**
खाद्य उत्पाद और पेय	*7,630*	6.4	5.9	6.6	5.5	3.2	9.5	-3.9	9.3
रसायन और रासायनिक उत्पाद	*11,647*	9.8	5.6	10.1	5.0	5.0	10.8	20.2	2.7
रबर और प्लास्टिक उत्पाद	*4,637*	8.1	6.2	7.1	5.8	10.5	12.2	1.9	10.4
मोटर वाहन और यातायात संबंधी अन्य उपकरण	*1,507*	12.0	14.2	11.5	14.3	23.0	16.1	47.4	19.9
मशीनरी और मशीनी उपकरण	*8,366*	7.8	4.9	8.0	4.5	11.6	1.3	37.1	0.6
विद्युत मशीनरी और उपकरण	*3,926*	8.4	7.6	7.3	7.7	14.7	12.1	26.9	18.9
सेवाएं	***1,75,926***	**10.6**	**6.3**	**10.0**	**5.9**	**18.0**	**5.3**	**19.9**	**7.2**
थोक और खुदरा व्यापार	*50,361*	13.1	5.2	12.7	4.8	26.5	4.4	30.5	8.5
कम्प्यूटर और संबंधित गतिविधियाँ	*18,040*	14.2	10.8	12.6	11.6	19.0	8.0	18.0	13.5
यातायात, भण्डारण और संचार	*8,352*	12.3	5.4	12.6	6.0	14.6	5.1	41.9	0.4

भाजक नकारात्मक, शून्य या नगण्य है.

विवरण 1 : एफडीआई और गैर एफडीआई कंपनियों की चुनिंदा मदों की वृद्धि दरें *(समाप्त)*

(प्रतिशत)

	एफडीआई कंपनियाँ							
	जीवीए		कुल उधारराशियां		निर्यात		आयात	
वर्ष	**2014-15**	**2015-16**	**2014-15**	**2015-16**	**2014-15**	**2015-16**	**2014-15**	**2015-16**
कुल योग (सभी कंपनियाँ)	**14.7**	**11.5**	**1.0**	**9.2**	**12.1**	**1.5**	**-14.7**	**-13.3**
एफडीआई - हिस्सेदारी								
10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत	11.9	6.1	2.3	26.8	38.8	-20.1	#	-16.7
25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत	5.7	13.1	-0.2	-6.8	-23.0	6.0	-86.3	50.2
50 प्रतिशत से अधिक	18.5	13.7	0.7	3.0	14.7	7.5	10.4	-17.6
उद्योगवार								
विनिर्माण	**19.1**	**13.4**	**-5.5**	**10.5**	**-2.4**	**22.3**	**-31.6**	**-7.3**
खाद्य उत्पाद और पेय	26.0	1.0	-23.2	22.0	-55.0	-59.3	-63.4	-46.3
रसायन और रासायनिक उत्पाद	15.8	15.5	17.4	11.7	-8.4	15.2	-1.6	-9.7
रबर और प्लास्टिक उत्पाद	14.7	33.0	3.0	-14.0	-48.7	-14.9	-14.8	-0.8
मोटर वाहन और यातायात संबंधी अन्य उपकरण	29.5	21.0	-21.3	-15.0	-50.8	75.0	-12.3	11.7
मशीनरी और मशीनी उपकरण	30.3	13.6	-0.7	-4.0	10.2	9.4	68.8	-36.5
विद्युत मशीनरी और उपकरण	28.8	13.1	-1.4	-32.0	10.1	-27.4	-16.0	-5.2
सेवाएं	**13.9**	**13.0**	**6.6**	**8.4**	**43.5**	**-24.1**	**69.9**	**-23.3**
थोक और खुदरा व्यापार	0.3	27.5	13.6	32.2	#	-88.6	135.4	-49.7
कम्प्यूटर और संबंधित गतिविधियाँ	14.1	13.4	14.9	23.0	-6.4	28.3	204.1	-59.3
यातायात, भण्डारण और संचार	16.4	10.1	9.9	4.0	-24.7	88.4	120.3	158.5
	गैर एफडीआई कंपनियाँ							
कुल योग (सभी कंपनियाँ)	**12.5**	**8.9**	**9.5**	**8.1**	**5.8**	**1.9**	**7.0**	**-2.7**
उद्योगवार								
विनिर्माण	**9.6**	**7.4**	**5.1**	**5.7**	**5.8**	**-2.3**	**0.4**	**1.7**
खाद्य उत्पाद और पेय	6.1	12.0	3.3	10.0	-7.8	11.1	9.9	-8.5
रसायन और रासायनिक उत्पाद	7.4	11.8	3.5	10.6	-10.8	-6.7	-16.2	18.1
रबर और प्लास्टिक उत्पाद	11.0	14.5	6.5	5.0	6.1	1.2	7.9	9.5
मोटर वाहन और यातायात संबंधी अन्य उपकरण	18.0	15.2	-1.8	5.9	54.0	15.2	22.5	-18.2
मशीनरी और मशीनी उपकरण	9.1	4.4	9.4	7.1	12.2	-5.2	14.5	-10.7
विद्युत मशीनरी और उपकरण	12.5	13.2	6.5	3.1	0.8	-14.5	4.6	-6.5
सेवाएं	**14.2**	**10.6**	**11.2**	**7.9**	**7.1**	**3.7**	**23.4**	**-6.4**
थोक और खुदरा व्यापार	15.2	11.0	5.3	9.9	-4.7	-6.9	59.5	-14.4
कम्प्यूटर और संबंधित गतिविधियाँ	16.3	13.4	34.6	0.4	104.3	-21.0	-27.2	-29.9
यातायात, भण्डारण और संचार	14.3	9.3	2.4	9.4	195.7	-49.4	15.2	-3.3

भाजक नकारात्मक, शून्य या नगण्य है.

विवरण 2 : एफडीआई और गैर एफडीआई कंपनियों की चुनिंदा मापदण्डों के अनुपात

(प्रतिशत)

	बिक्री की तुलना में परिचालन लाभ			इक्विटी पर प्रतिलाभ		
वर्ष	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
एफडीआई कंपनियाँ						
कुल योग (सभी कंपनियाँ)	**14.6**	**14.7**	**15.0**	**14.9**	**14.6**	**13.6**
एफडीआई में हिस्सेदारी के आधार पर						
10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत	18.7	19.4	19.2	14.0	15.3	12.9
25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत	18.8	19.4	21.1	16.9	12.7	14.0
50 प्रतिशत से अधिक	11.8	12.0	12.2	14.5	15.1	13.7
उद्योगवार						
विनिर्माण	**12.0**	**13.3**	**14.5**	**12.5**	**14.9**	**13.4**
खाद्य उत्पाद और पेय	8.8	10.1	9.6	36.6	42.3	30.3
रसायन और रासायनिक उत्पाद	10.9	12.0	13.6	10.4	9.4	14.3
रबर और प्लास्टिक उत्पाद	5.7	4.9	7.6	3.1	-0.2	-0.3
मोटर वाहन और यातायात संबंधी अन्य उपकरण	8.5	10.5	11.9	9.6	13.1	12.8
मशीनरी और मशीनी उपकरण	12.1	14.8	14.6	12.9	20.3	18.4
विद्युत मशीनरी और उपकरण	8.4	10.7	11.0	4.8	10.4	14.2
सेवाएं	**16.4**	**15.2**	**14.6**	**17.5**	**16.4**	**15.7**
थोक और खुदरा व्यापार	1.6	-0.2	-0.7	-2.1	-8.6	-8.4
कम्प्यूटर और संबंधित गतिविधियाँ	21.7	20.6	18.5	30.0	30.3	26.0
यातायात, भण्डारण और संचार	16.5	15.7	12.8	20.9	19.8	13.9
गैर एफडीआई कंपनियाँ						
कुल योग (सभी कंपनियाँ)	**9.5**	**10.0**	**10.0**	**9.7**	**10.8**	**10.4**
उद्योगवार						
विनिर्माण	**8.2**	**8.3**	**8.5**	**11.6**	**12.8**	**12.0**
खाद्य उत्पाद और पेय	6.0	5.8	6.0	11.1	9.8	9.9
रसायन और रासायनिक उत्पाद	10.9	10.4	10.9	13.2	14.6	13.7
रबर और प्लास्टिक उत्पाद	8.9	9.1	9.6	18.1	16.5	16.5
मोटर वाहन और यातायात संबंधी अन्य उपकरण	6.1	6.7	6.8	12.2	16.1	17.3
मशीनरी और मशीनी उपकरण	12.3	12.7	12.3	15.4	19.4	18.0
विद्युत मशीनरी और उपकरण	8.4	8.9	9.3	12.4	14.3	15.9
सेवाएं	**10.5**	**11.2**	**11.1**	**10.4**	**11.7**	**11.9**
थोक और खुदरा व्यापार	3.7	4.1	4.1	3.1	4.0	4.1
कम्प्यूटर और संबंधित गतिविधियाँ	19.2	20.0	19.5	31.3	33.1	34.2
यातायात, भण्डारण और संचार	11.1	11.3	11.3	12.4	16.3	15.3

विवरण 2 : एफडीआई और गैर एफडीआई कंपनियों की चुनिंदा मापदण्डों के अनुपात *(समाप्त)*

(प्रतिशत)

	इक्विटी की तुलना में कुल उधारराशियां			बिक्री की निर्यात तीव्रता			ब्याज कवरेज अनुपात*		
वर्ष	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
एफडीआई कंपनियाँ									
कुल योग (सभी कंपनियाँ)	**55.8**	**49.3**	**48.8**	**7.6**	**7.5**	**7.1**	**5.2**	**5.4**	**5.2**
एफडीआई में हिस्सेदारी के आधार पर									
10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत	79.6	69.6	83.6	5.5	6.9	5.4	3.9	4.1	3.7
25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत	57.8	53.8	45.1	7.8	6.0	6.1	5.7	4.9	5.2
50 प्रतिशत से अधिक	43.7	37.8	34.8	8.4	8.0	7.9	6.0	6.8	6.8
उद्योगवार									
विनिर्माण	**68.7**	**56.7**	**57.6**	**8.4**	**7.6**	**8.8**	**4.0**	**4.7**	**5.0**
खाद्य उत्पाद और पेय	78.6	52.0	60.4	4.6	1.8	0.7	6.6	8.3	7.1
रसायन और रासायनिक उत्पाद	39.8	38.7	39.4	15.1	12.9	14.3	4.9	6.0	7.4
रबर और प्लास्टिक उत्पाद	57.2	51.6	39.6	16.7	7.2	5.7	2.7	1.4	2.8
मोटर वाहन और यातायात संबंधी अन्य उपकरण	26.8	18.6	13.9	1.5	0.7	1.0	5.9	7.5	10.9
मशीनरी और मशीनी उपकरण	39.3	34.5	29.8	15.7	14.8	14.2	6.5	9.7	9.3
विद्युत मशीनरी और उपकरण	72.8	65.3	41.0	16.7	16.2	10.3	1.7	2.8	4.2
सेवाएं	**38.3**	**34.7**	**33.2**	**6.6**	**7.7**	**5.3**	**7.6**	**7.6**	**7.2**
थोक और खुदरा व्यापार	50.4	31.9	41.0	6.0	17.2	1.9	0.7	-1.2	-0.8
कम्प्यूटर और संबंधित गतिविधियाँ	14.2	15.2	15.6	4.2	3.3	3.6	32.3	31.9	27.2
यातायात, भण्डारण और संचार	79.9	82.4	76.7	0.7	0.5	0.8	3.6	3.7	3.2
गैर एफडीआई कंपनियाँ									
कुल योग (सभी कंपनियाँ)	**87.9**	**89.9**	**91.8**	**6.5**	**6.4**	**6.2**	**2.6**	**2.7**	**2.8**
उद्योगवार									
विनिर्माण	**95.2**	**92.8**	**91.9**	**7.7**	**7.7**	**7.3**	**2.5**	**2.5**	**2.6**
खाद्य उत्पाद और पेय	116.4	110.5	112.6	6.4	5.5	5.8	2.2	2.1	2.3
रसायन और रासायनिक उत्पाद	69.0	65.7	66.3	14.9	12.1	10.7	3.3	3.4	3.8
रबर और प्लास्टिक उत्पाद	102.6	97.9	93.2	7.2	7.0	6.7	2.9	2.9	3.1
मोटर वाहन और यातायात संबंधी अन्य उपकरण	80.1	70.3	66.7	2.3	3.2	3.2	2.3	2.9	3.7
मशीनरी और मशीनी उपकरण	60.8	61.5	60.7	10.7	11.2	10.1	4.1	4.6	4.6
विद्युत मशीनरी और उपकरण	83.9	81.6	78.4	5.1	4.8	3.8	3.0	3.2	3.4
सेवाएं	**67.3**	**70.5**	**71.8**	**5.0**	**4.8**	**4.7**	**3.4**	**3.7**	**3.7**
थोक और खुदरा व्यापार	46.8	48.1	50.7	6.2	5.2	4.6	2.1	2.2	2.3
कम्प्यूटर और संबंधित गतिविधियाँ	38.1	45.9	41.9	3.6	6.5	4.6	12.4	13.6	15.2
यातायात, भण्डारण और संचार	115.9	110.2	112.6	0.4	1.0	0.5	2.6	3.0	2.8

* वास्तविक

विवरण 3 : एफडीआई और गैर एफडीआई कंपनियों की देयताओं और आस्तियों का संघटन

(प्रतिशत)

वर्ष	एफडीआई कंपनियाँ			गैर एफडीआई कंपनियाँ		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
पूंजी और देयताएं						
क. शेयरधारकों की पूंजी	**44.9**	**45.6**	**46.1**	**37.9**	**37.6**	**37.1**
जिनमें से, (i) शेयर पूंजी	11.7	12.1	12.3	9.1	9.4	9.3
(ii) आरक्षित निधि एवं अधिशेष	33.2	33.5	33.8	28.8	28.2	27.8
जिनमें से, आरक्षित निधि	16.9	17.9	18.2	15.4	15.2	15.0
ख. दीर्घावधि देयताएं	**19.2**	**19.0**	**19.5**	**22.4**	**23.0**	**23.3**
जिनमें से, दीर्घावधि उधारराशियां	16.9	16.6	16.8	19.7	20.1	20.5
जिनमें से, सावधि ऋण	9.5	8.3	7.2	10.4	10.5	10.2
जिनमें से, बैंकों से प्राप्त सावधि ऋण	9.5	8.3	7.2	10.4	10.5	10.2
ग. अल्पावधि देयताएं	**35.6**	**35.1**	**34.4**	**39.3**	**39.2**	**39.4**
जिनमें से, (i) अल्पावधि उधारराशियां	8.3	6.0	5.8	14.0	13.8	13.8
जिनमें से, मांग पर चुकौती योग्य ऋण	4.1	3.6	3.6	5.8	6.3	6.4
जिनमें से, बैंकों से प्राप्त	4.1	3.6	3.6	5.8	6.3	6.4
(ii) व्यापारिक देयराशियां	12.9	13.7	12.9	11.7	11.7	11.5
आस्तियाँ						
घ. दीर्घावधि आस्तियाँ	**53.5**	**52.4**	**54.0**	**50.7**	**49.9**	**49.7**
जिनमें से, (i) सकल स्थायी आस्तियाँ	66.7	63.0	63.8	41.8	39.3	42.9
जिनमें से, मूर्त आस्तियाँ	44.1	41.7	43.0	31.4	29.7	32.5
(ii) दीर्घावधि निवेश	4.6	4.8	5.4	12.1	11.7	11.4
जिनमें से, इक्विटी लिखत/शेयर	3.8	1.0	4.6	9.0	1.3	8.2
(iii) दीर्घावधि ऋण और अग्रिम	6.4	6.4	6.1	6.7	6.2	5.9
ङ. अल्पावधि देयताएं	**46.5**	**47.6**	**46.0**	**49.3**	**50.1**	**50.3**
जिनमें से, (i) अल्पावधि निवेश	4.1	4.5	3.5	2.7	2.7	2.6
(ii) इनवेंटरी	11.3	11.3	10.6	16.1	16.4	16.3
(iii) संभावी व्यापारिक प्राप्तियाँ	13.1	13.4	13.3	14.2	14.3	14.4
(iv) अल्पावधि ऋण और अग्रिम	5.9	5.6	5.5	8.6	8.9	8.9
(v) नकदी और नकदीतुल्य	3.8	7.5	10.7	3.5	4.6	4.7

विवरण 4 : चुनिंदा एफडीआई और गैर एफडीआई कंपनियों की निधियों के स्रोतों और उपयोगों का संघटन*

(प्रतिशत)

वर्ष	एफडीआई कंपनियाँ		गैर एफडीआई कंपनियाँ	
	2014-15	**2015-16**	**2014-15**	**2015-16**
निधियों के स्रोत				
देयताओं में वृद्धि				
1. चुकता पूंजी	9.1	7.4	5.2	3.2
2. आरक्षित निधि एवं अधिशेष	6.7	8.1	4.0	3.5
3. प्रावधानीकरण	6.5	12.1	0.9	20.3
4. शेयर पूंजी और प्रीमियम	14.3	10.7	4.7	4.5
5. दीर्घावधि उधारराशियां	9.8	12.2	11.1	9.1
6. अल्पावधि उधारराशियां	1.0	2.2	11.9	5.1
7. व्यापारिक देयराशियां	11.8	2.2	5.0	3.2
8. अन्य देयताएं	13.2	9.1	7.2	7.2
9. देयताओं में कुल वृद्धि	**72.4**	**64.1**	**50.0**	**56.3**
आस्तियों में कमी				
10. सकल आस्तियाँ	3.0	-	3.4	-
(i) मूर्त आस्तियाँ	-	-	2.3	-
जिसमें से, संयंत्र एवं मशीनरी	-	-	1.5	-
(ii) पूंजीगत कार्य-प्रगति	3.0	-	-	-
(iii) अमूर्त आस्तियाँ	-	-	1.1	-
11. दीर्घावधि निवेश	13.9	17.8	43.1	43.7
जिसमें से, (i) इक्विटी लिखत / शेयर	12.6	-	36.6	-
(ii) अन्य	-	17.8	-	43.7
12. अल्पावधि निवेश	-	3.5	-	-
13. कच्चे माल, घटकों आदि की इनवेन्टरी	0.3	-	-	-
14. अन्य अल्पावधि आस्तियाँ	10.4	14.6	3.4	-
15. आस्तियों में कुल कमी	**27.6**	**35.9**	**50.0**	**43.7**
16. निधि के कुल स्रोत	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

* निधियों के स्रोतों और उनके उपयोग के विश्लेषण को समझने के लिए निधियों के स्रोतों को या तो देयताओं में वृद्धि के रूप में या आस्तियों में कमी के रूप में दर्शाया गया था, जबकि निधियों के इस्तेमाल को या तो आस्तियों में वृद्धि अथवा देयताओं में कमी के रूप में दर्शाया गया था।

- शून्य या नगण्य

विवरण 4 : चुनिंदा एफडीआई और गैर एफडीआई कंपनियों की निधियों के स्रोतों और उपयोगों का संघटन* *(समाप्त)*

(प्रतिशत)

निधियों के उपयोग				
आस्तियों में वृद्धि				
17. दीर्घावधि आस्तियाँ	46.1	63.6	55.7	80.3
जिनमें से, (i) सकल स्थायी आस्तियाँ	23.4	36.9	7.7	33.7
जिनमें से, मूर्त आस्तियाँ	13.8	28.4	6.5	26.0
जिनमें से, संयंत्र एवं मशीनरी	6.7	16.3	-	13.4
(ii) दीर्घावधि निवेश	17.5	23.8	46.5	45.8
(iii) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	3.9	1.7	0.1	0.4
18. अल्पावधि आस्तियाँ	44.1	32.3	27.6	19.6
जिनमें से, (i) वर्तमान निवेश	4.3	-	1.1	0.5
(ii) इनवेंटरी	6.8	1.8	8.2	5.2
(iii) प्राप्य व्यापारिक राशियाँ	9.6	5.9	6.2	6.0
(iv) अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम	2.2	1.7	4.9	3.4
(v) नकदी एवं नकदी तुल्य	21.2	22.9	7.2	2.2
19. आस्तियों में कुल वृद्धि	**90.3**	**95.9**	**83.4**	**99.9**
देयताओं में कमी				
20. ऐसे शेयरों के आवेदन की राशि जिनका आबंटन अभी नहीं हुआ है	0.1	1.0	0.9	-
21. मूल्यह्रास	-	-	8.0	-
22. दीर्घावधि उधारराशियाँ	1.3	2.7	0.5	-
जिनमें से, (i) बैंकों से लिए गए सावधि ऋण	0.7	2.3	-	-
(ii) जमाराशियाँ	-	-	0.3	-
(iii) संबंधित पक्षों से ऋण एवं अग्रिम	-	-	0.2	-
23. अल्पावधि उधारराशियाँ	8.2	0.4	7.2	-
जिनमें से, (i) जमाराशियाँ	-	0.3	-	-
(ii) अन्य ऋण एवं अग्रिम	8.0	-	7.2	-
24. देयताओं में कुल कमी	**9.7**	**4.1**	16.6	0.1
25. निधियों का कुल प्रयोग	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

* निधियों के स्रोतों और उनके उपयोग के विश्लेषण को समझने के लिए निधियों के स्रोतों को या तो देयताओं में वृद्धि के रूप में या आस्तियों में कमी के रूप में दर्शाया गया था, जबकि निधियों के इस्तेमाल को या तो आस्तियों में वृद्धि अथवा देयताओं में कमी के रूप में दर्शाया गया था।

-शून्य या नगण्य

*भारत की अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी : 2016**

इस लेख में निम्नलिखित के संबंध में तिमाही परिवर्तनों को दर्शाया गया है (क) अंतरराष्ट्रीय देयताएं/देश से संबंधित दावे/लिखत एवं मुद्रा के अनुसार ग्राहक का क्षेत्र/रिपोर्टिंग बैंक को निगमित करने वाले देश; और (ख) वर्ष 2016[1] के दौरान उधारकर्ता के देश/क्षेत्र एवं अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार समेकित अंतरराष्ट्रीय दावे। तुलन-पत्र की मदों तथा तुलन-पत्र से इतर मदों से व्युत्पन्न दावों को भी दर्शाया गया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बीआई-एस) की वैश्विक रिपोर्टिंग प्रणालीके रूप में अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सांख्यिकी (आईबीएस) का संकलन करता है, जिसमें वैश्विक वित्तीय अंतर-संबद्धता का अध्ययन करने के लिए बैंकिंग प्रणाली की अंतरराष्ट्रीय आस्तियों और देयताओं को एकत्र किया जाता है।

आबीएस का संकलन स्थानिक बैंकिंग सांख्यिकी (एसबी-एस) और समेकित बैंकिंग साख्यिकी (सीबीएस) के तहत किया जाता है। एलबीएस में सन्निकट उधारकर्ता, मुद्रा, क्षेत्र, लिखत/घटकों के प्रकार और रिपोर्टिंग बैंक की राष्ट्रीयता के अनुसार अंतरराष्ट्रीय देयताओं और दावों को कवर किया जाता है। सीबीएस में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय बैंकों (जिनके मुख्या-लय बीआईएस रिपोर्टिंग करने वाले देशों में स्थित हों) के समेकित अंतरराष्ट्रीय वैश्विक दावों, जिसमें बैंकों के विदेशी सहयोगियों के दावों को शामिल किया जाता है किंतु अंत: समूह अवस्थिति को शामिल नहीं किया जाता, से संबंधित जानकारी एकत्र की जाती है। इनमें व्युत्पन्नियों, प्रतिभूतियों एवं ऋण वचनबद्धताओं पर किए गए एक्सपोजर सहित ऋण जोखिम के आसन्न प्रतिपक्षी से अंतिम जोखिम वाले देश (जहां पर किसी दावे का प्रतिभूतिकर्ता निवास करता है) में अंतरित किए जाने के विवरण होते हैं।

इन आंकड़ों को बीआईएस (वेब-लिंक www.bis.org/statistics/about_banking_stats.htm?m=6%7C31) के माध्यम से जारी किया जाता है और इनकी 2016 से संबंधित मुख्य विशेषताओं को यहां प्रस्तुत किया गया है। विस्तृत आंकड़े रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर 30 जून 2017 को जारी किए गए थे।

समग्र अंतरराष्ट्रीय देयताएं और दावे

भारत स्थित बैंकों की अंतरराष्ट्रीय देयताएं उनके अंतर-राष्ट्रीय दावों की तुलना में बहुत अधिक रहीं और 2016 के दौरान दावा/देयता अनुपात 47.0-54.1 के दायरे में रहा (चार्ट 1)। 2016 की पहली तिमाही के दौरान, देयताओं और

चार्ट 1 : भारत स्थित बैंकों की अंतरराष्ट्रीय देयताएं और दावे

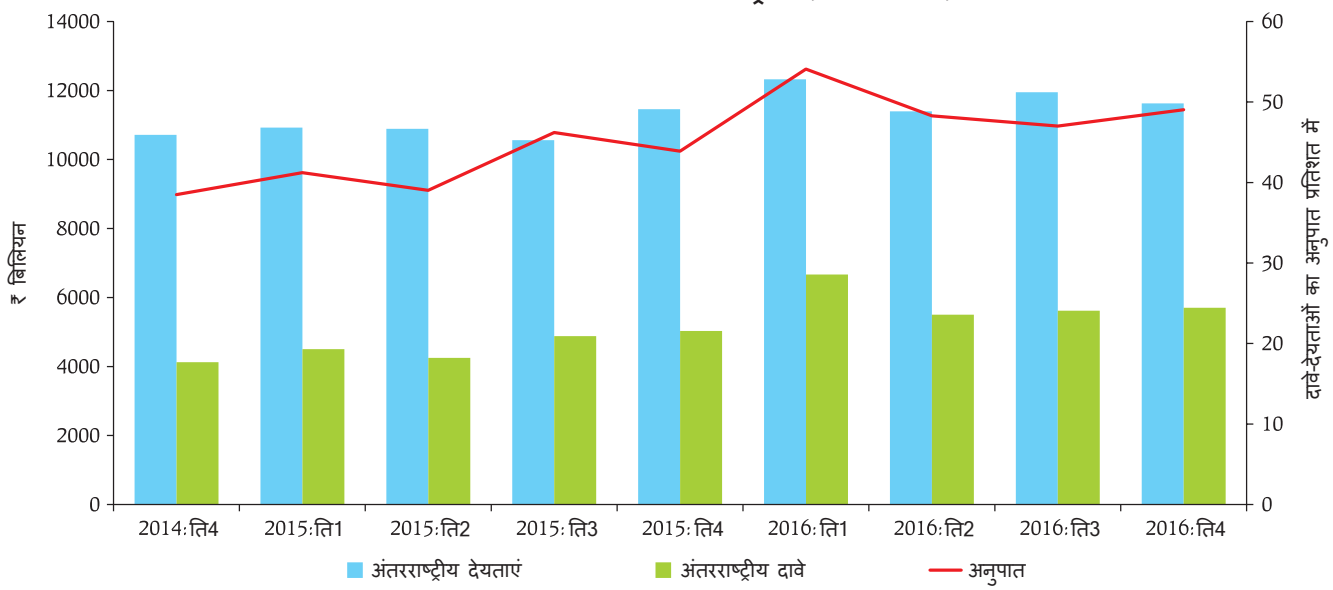

* यह लेख भारतीय रिज़र्व बैंक, सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के बैंकिंग सांख्यिकी प्रभाग में में तैयार किया गया।

[1] इस शृंखला का पिछला लेख भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के जुलाई 2016 अंक में प्रकाशित किया गया था। आईबीएस की संकल्पनाओं और कार्यप्रणाली के लिए बुलेटिन के सितंबर 2012 अंक में प्रकाशित लेख का संदर्भ लिया जा सकता है।

चार्ट 2 : अंतरराष्ट्रीय देयताओं और दावों का संघटन - दिसंबर 2016

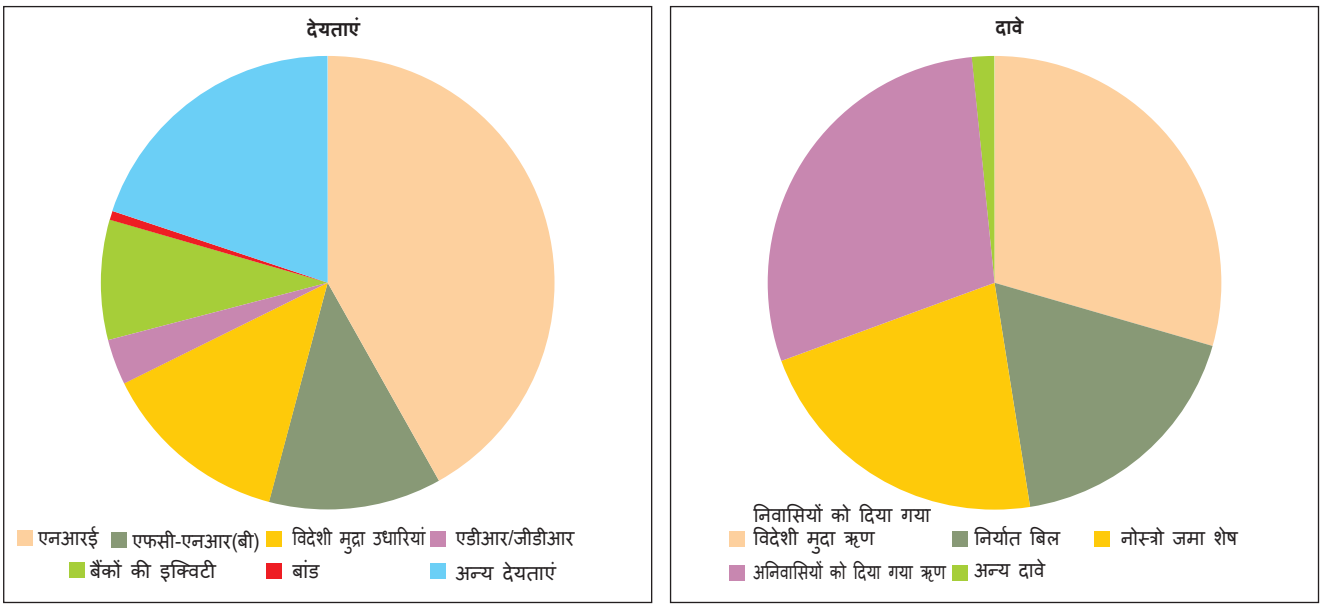

टिप्पणियां : 1. अन्य देयताओं में निम्नलिखित शामिल हैं - निवासी विदेशी मुद्रा (आरएफसी) खातों में जमाराशि, विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाले विदेशी मुद्रा (ईईएफसी) खातों में जमाराशि, अन्य विदेशी मुद्रा जमाराशियां (अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा जमाराशियों सहित), वोस्त्रो जमा शेष एवं विनिमय गृहों में जमा शेष तथा मीयादी जमाराशियां, अनिवासी साधारण (एनआरओ) रुपया खाते, दूतावास खाते, विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) खाते, ईएससीआरओडब्लू खातों में जमाराशि, अस्थायी दर वाले नोट (एफआरएन), अंतरराष्ट्रीय कर्ज प्रतिभूतियों तथा पूंजी के स्वयं के अन्य निर्गम/भारत स्थित विदेशी बैंकों की प्रेषण योग्य लाभ तथा अवर्गीकृत अंतरराष्ट्रीय देयताएं।
2. अन्य दावों में निम्नलिखित शामिल हैं - स्वाधिकृत विदेशी मुद्रा/टीटी इत्यादि, विदेशी इक्विटी में निवेश, भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं को की जाने वाली पूंजी और प्राप्य लाभ तथा अन्य अवर्गीकृत अंतरराष्ट्रीय दावे।

आस्तियों - दोनों में बहुत तेजी देखी गई, जबकि देयताओं में ₹866 बिलियन (12.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की वृद्धि हुई। इस वृद्धि के मुख्य कारण अनिवासियों द्वारा जमा राशियों में वृद्धि होने, नोस्त्रो जमा शेष में वृद्धि होने तथा व्यापारिक ऋणों के कारण दावों में ₹1,636 बिलियन (24.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की और अधिक वृद्धि होना रहे। इसके पश्चात, अंतरराष्ट्रीय स्थिति में पुनर्समायोजन हुआ और दिसंबर 2016 तक भारत स्थित बैंकों की अंतरराष्ट्रीय देयताएं ₹11,627 बिलियन (171.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गईं, जबकि उनके अंतरराष्ट्रीय दावे ₹5,704 बिलियन (84 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के स्तर पर रहे।

भारत के बैंकों की प्रमुख देयताएं अनिवासी बाह्य रुपया (एनआरई) जमाराशियों, विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक [एफसीए-नआरबी(बी)] जमाराशियों एवं विदेशी मुद्रा उधारियां बनी रहीं जबकि 2016 के अंत की स्थिति के अनुसार, निवासियों और अनिवासियों को दिए गए मुद्रा ऋण, नोस्त्रो जमा शेष तथा निर्यात बिल सभी मिलाकर उनके दावों के 98 प्रतिशत से अधिक रहे (चार्ट 2)।

अंतरराष्ट्रीय देयताओं के लगभग 78 प्रतिशत तथा 71 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय दावों का संबंध गैर-बैंकों से रहा (चार्ट 3)।

मुद्रा संघटकों के अनुसार देखा जाए तो, रुपया में मूल्य-वर्गित बैंकों की अनिवासी जमाराशियों एवं इक्विटी/बॉन्डों का प्रभाव रुपया की देयताओं में देखा गया जो 2016 के अंत की स्थिति के अनुसार 63 प्रतिशत हिस्से को दर्शाती हैं, इसके बाद अमेरिकी डॉलर (30 प्रतिशत) में देयताओं का स्थान आता है।

चार्ट 3 : बैंकों की देयताओं/दावों का संघटन : दिसंबर 2016

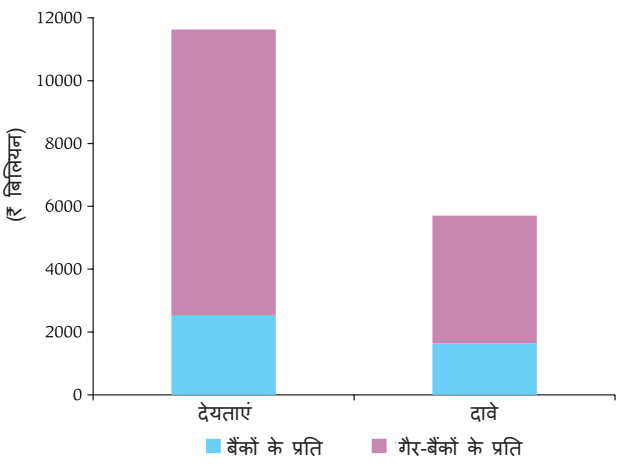

चार्ट 4 : बैंकों की देयताओं/दावों की मुद्रा का संघटन : दिसंबर 2016

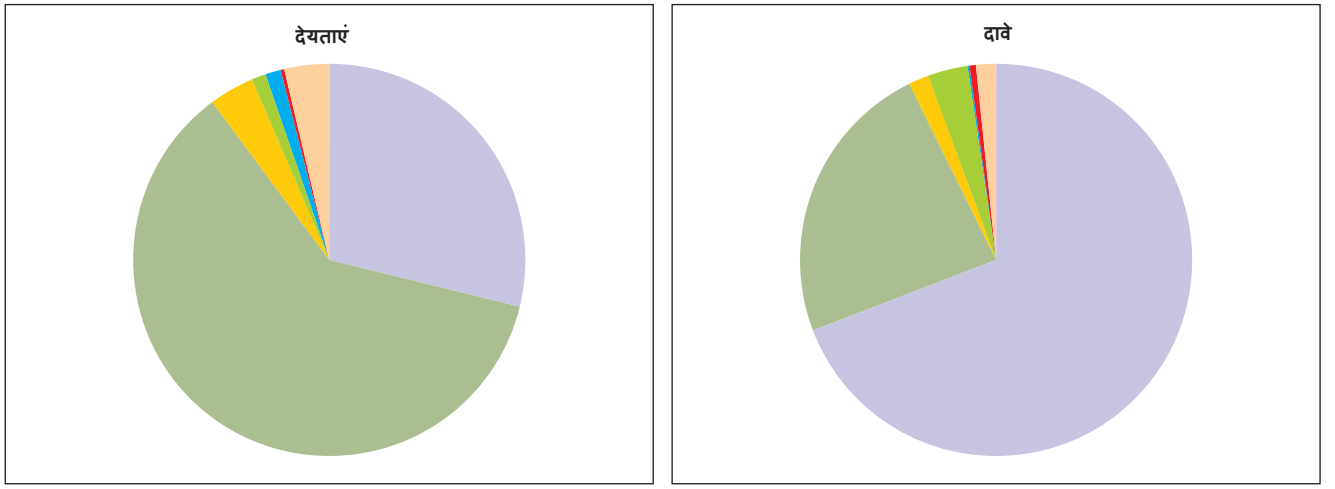

अधिकांश दावे अमेरिकी डॉलर में मूल्य वर्गित रहे, इसके बाद रुपया में मूल्य वर्गित दावों का स्थान रहा (चार्ट 4)।

सितंबर-नवंबर 2013 के दौरान प्रारंभ की गई रिज़र्व बैंक की स्वैप विंडो ने 3-5 वर्ष परिपक्वता अवधि वाले एफसीए-नआर(बी) के बड़े अंतर्वाहों को आकर्षित किया। इन जमाराशियों का बहुत बड़ा हिस्सा तीन-वर्ष की परिपक्वता अवधि वाला था और इनका मोचन 2016 की चौथी तिमाही के दौरान किया गया (चार्ट 5)।

हालांकि, एफसीएनआर(बी) जमाराशियों के मोचन से बैंकों की अंतरराष्ट्रीय देयताओं में कोई कमी नहीं आई। एफसीएनआर(बी) जमा राशियों में हुई ₹1,212 बिलियन की कमी हुई किंतु एनआरई जमाराशियों (₹574 बिलियन), विदेशी मुद्रा उधारियों (₹287 बिलियन) एवं एनआरओ जमाराशियों (₹60 बिलियन) में हुई वृद्धि उसकी तुलना में अधिक रही। हालांकि, मोचन के कारण एफसीएनआर(बी) जमाराशियों के मुद्रा संघटन में बड़े परिवर्तन आए, जिसके तहत अमेरिकी डॉलर

चार्ट 5 : एफसीएनआर (बी) जमाराशियों में परिवर्तन : 2013-14

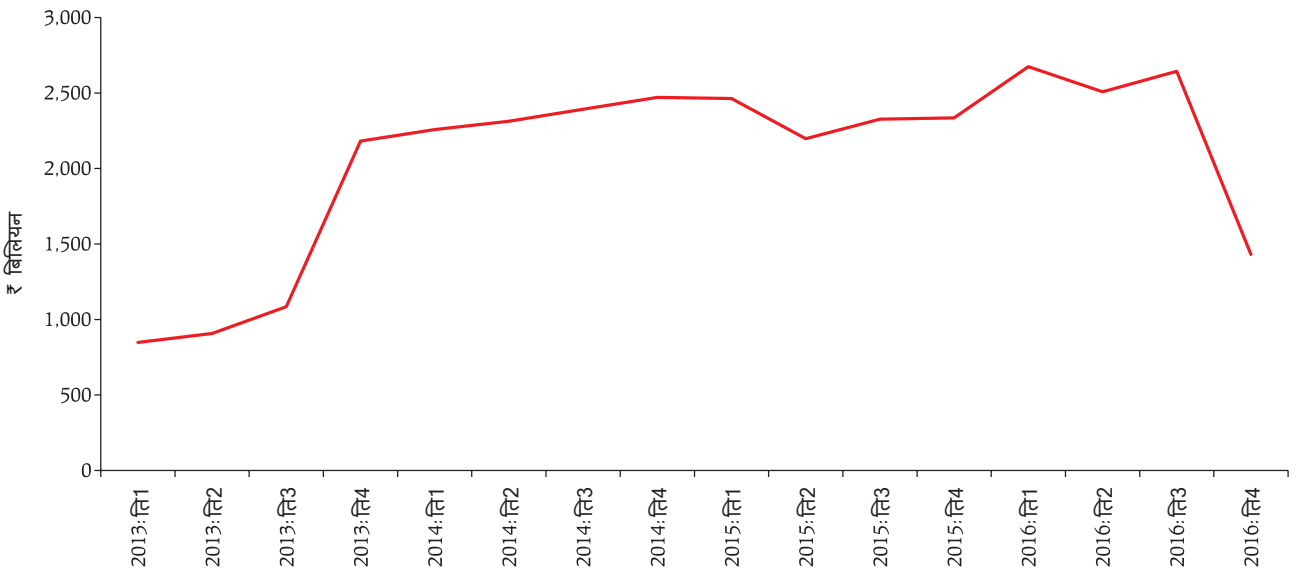

चार्ट 6 : एफसीएनआर (बी) जमाराशियों का मुद्रा-संघटन - सितंबर 2016 एवं दिसंबर 2016

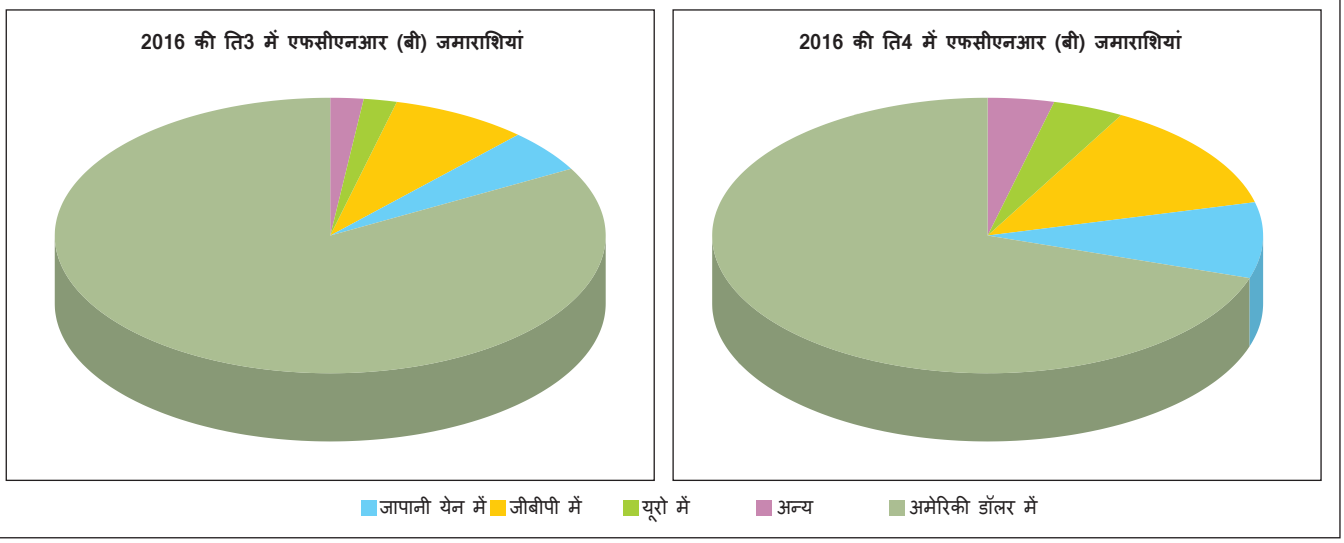

का हिस्सा 83 प्रतिशत से घटकर 70 प्रतिशत रह गया (चार्ट 6)।

बैंकों की अंतरराष्ट्रीय देयताएं व्यापक रूप से अमेरिका स्थित संस्थाओं के प्रति थीं, इसके बाद यूएई और यूके का स्थान रहा, जबकि बैंकों के अंतरराष्ट्रीय दावे भारतीय संस्थाओं (मुख्यत: निवासियों को दिए गए विदेशी मुद्रा ऋण के कारण) पर रहे, इसके बाद अमेरिका का स्थान रहा (चार्ट 7)। बैंकों को समाहित करने वाले देशों की अवसंरचना के विश्लेषण से पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय देयताओं और अंतरराष्ट्रीय दावों में भारतीय बैंकों की हिस्सेदारी क्रमश: 79.8 प्रतिशत और 78.4 प्रतिशत रही।

बैंकों के समेकित अंतरराष्ट्रीय दावों में अल्पावधि दावों का हिस्सा, जैसा कि सीबीएस में पता चलता है, 2016 के अंत की स्थिति के अनुसार घटकर 59.7 प्रतिशत रह गया जो एक वर्ष पहले 74.3 प्रतिशत था (वेब-डाटा रिलीज का विवरण VII)।

सकल वैश्विक सीमा-पार कुल राशियों में भारत की आई-बीएस का थोड़ा बहुत योगदान (बीआईएस एलबीएस आंकड़ों के अनुसार एक प्रतिशत से भी कम) होने के बावजूद भारत के अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग एक्सपोजर का वैश्विक सीमा-पार देयताओं/बैंकों के दावों (चार्ट 8ए एवं 8बी) पर कोई महत्वपूर्ण असर नहीं है। वैश्विक हलचल के निर्धारक मुख्य रूप से अमेरिका, यूके,

चार्ट 7 : देयताओं/दावों का देशवार-संघटन - दिसंबर 2016

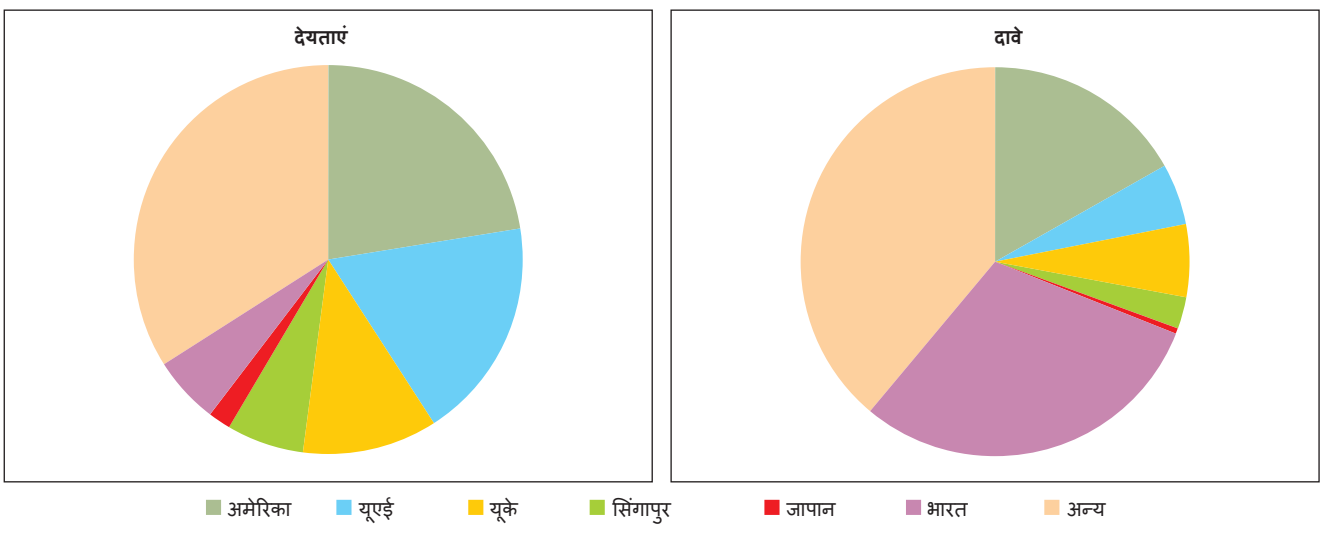

चार्ट 8ए : आईबीएस रिपोर्ट करने वाले सभी देशों की सीमापार देयताएं और दावे

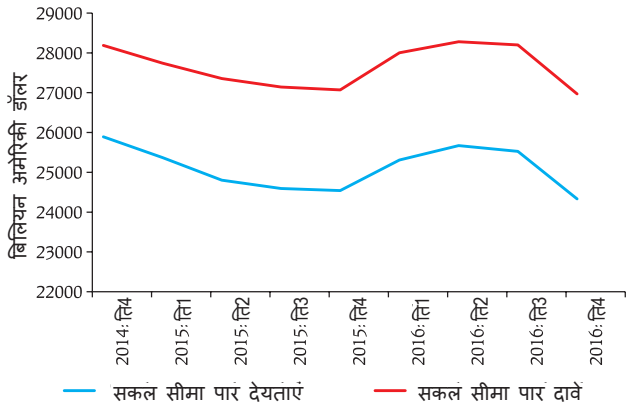

चार्ट 8बी : भारत के आईबीएस

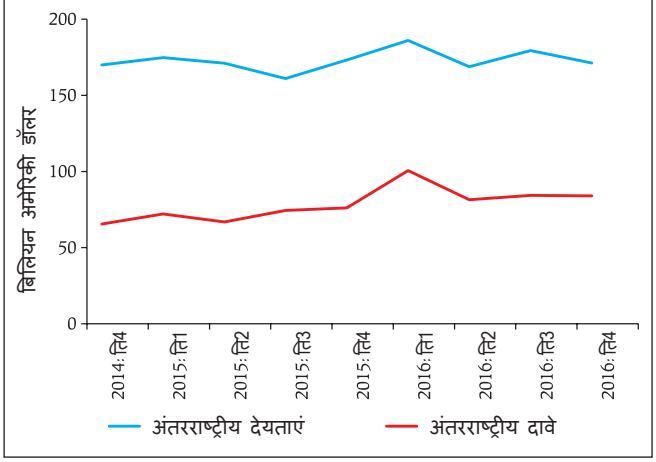

टिप्पणी : एलबीएस के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय देयताओं/दावें से के अंतर्गत सभी सीमा पार देयताओं/दावें के साथ ही निवासियों को दिए गए विदेशी मुद्रा एक्सपोजर एवं अवितरित विदेशी मुद्रा एक्सपोजर आते हैं।
स्रोत : http://www.bis.org/statistics/bankstats.htm?m=6%7C31%7C69

फ्रांस, जर्मनी एवं जापान जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं रहीं, जो वैश्विक सीमा-पार एक्सपोजर के आधे से अधिक हिस्से को निर्मित करती हैं।

बाह्य कर्ज *बनाम* भारत की आईबीएस

आईबीएस के देयता पक्ष का देश की बाह्य कर्ज सांख्यिकी से संबंध है - एलबीएस के अंतर्गत आने वाले बैंकों की कर्ज देयताएं (निवासियों को दिए गए कर्ज से इतर) बाह्य कर्ज से निर्मित होती हैं किंतु उनकी इक्विटी देयताएं और निवासियों के प्रति देयताएं, यदि कोई हों, इसमें शामिल नहीं की जातीं (अनुबंध)। 2016 के दौरान देश के बाह्य कर्ज में भारत स्थित बैंकों की कुल अंतरराष्ट्रीय देयताओं का अनुपात 35.1 से 38.3 के बीच रहा (चार्ट 9)।

चार्ट 9 : भारत स्थित बैंकों की अंतरराष्ट्रीय देयताएं और भारत का बाहरी कर्ज

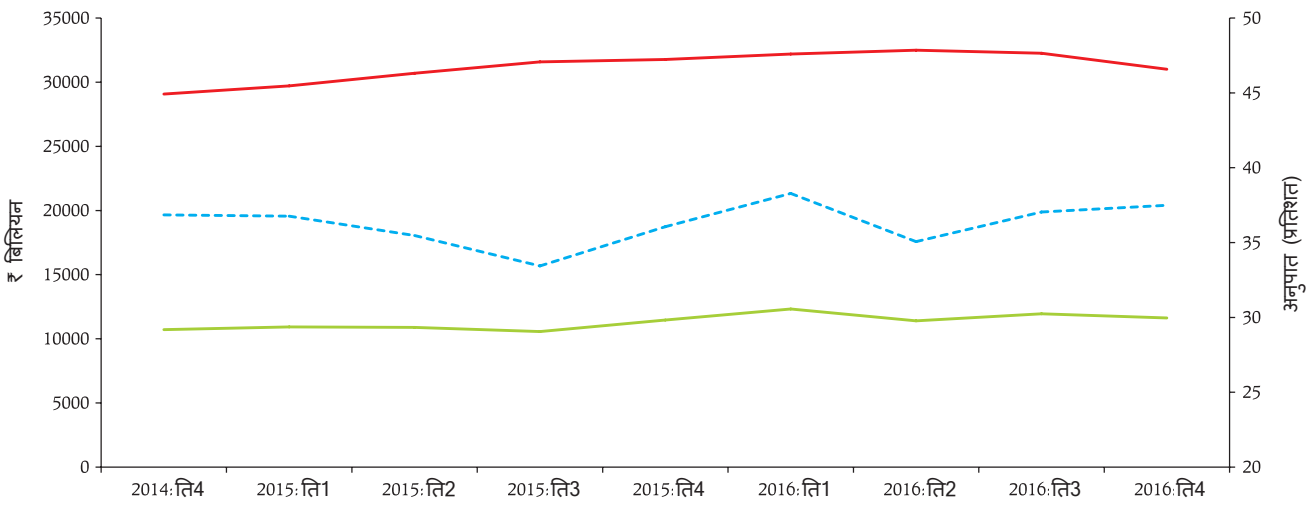

स्रोत : भारत का बाहरी कर्ज, वित्त मंत्रालय, आर्थिक मामलों का विभाग (www.finmin.nic.in)

अनुबंध

सारणी : बीआईएस की परिभाषा के अनुसार आईबीएस में अंतरराष्ट्रीय देयताओं की मदें

श्रेणी	**आईबीएस की अंतरराष्ट्रीय देयता की मदें**	
I. बाह्य कर्ज सांख्यिकी के अंतर्गत **शामिल** मदें	1. विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक [एफसीएनआर(बी)] योजनाएं	
	2. अनिवासी बाह्य (एनआरई) रुपया खाता	
	3. एडीआर, जीडीआर, बांड इत्यादि के अलावा विदेशी मुद्रा उधारियां (अंतर-बैंक उधारियों एवं सिर्फ बैंकों की बाह्य वाणिज्यिक उधारियों सहित)	
	4. बॉन्ड	
	5. परिवर्तनशीद दरों वाले नोट (एफआरएन)	
	6. विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के खाते	
	7. अंतरराष्ट्रीय कर्ज प्रतिभूतियों के अन्य स्वाधिकृत निर्गम	
	8. अनिवासी साधारण (एनआरओ) रुपया जमाराशियां	
II. बाह्य कर्ज सांख्यिकी के अंतर्गत **शामिल नहीं** की गई मदें	1. दूतावास खाते	
	2. ईएससीआरओ खाते	
III. पारिभाषिक पहलू के कारण बाह्य कर्ज सांख्यिकी के अंतर्गत **शामिल नहीं** की गई मदें	1. अमेरिकी निक्षेप रसीदें (एडीआर) एवं वैश्विक निक्षेप रसीदें (जीडीआर)	गैर-कर्ज देयताएं
	2. अनिवासी भारतीयों द्वारा धारित बैंकों की इक्विटी	
	3. विदेशी बैंकों/भारत स्थित शाखाओं की पूंजी तथा प्रक्रियागत कुछ अन्य मदें	
	4. विदेशीमुद्रा अर्जक विदेशी मुद्रा (एफईएफसी) खाते	निवासियों की दी गईं विदेशी मुद्रा देयताएं
	5. निवासी विदेशी मुद्रा (आरएफसी) जमाराशियां	
	6. अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा जमाराशियां एवं निवासियों की अन्य विदेशी मुद्रा जमाराशियां	
	7. अनिवासी बैंकों के वोस्त्रो खातों में जमा शेष एवं विनिमय गृह (मीयादी जमाराशियों सहित)	

वर्किंग पेपर और सामयिक कागज़ात की प्रेस प्रकाशनियां

भारत में कॉल मनी दर स्प्रेड क्या बताता है?

बासल फ्रेमवर्क में क्रेडिट जोखिम के लिए पूंजी गणना के मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत जोखिम भार - भारत में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के डिफ़ॉल्ट अनुभव का विश्लेषण

*भारत में कॉल मनी दर स्प्रेड क्या बताता है?**

सुनील कुमार
आनंद प्रकाश और
कृष्ण एम कुशावाहा

भारतीय रिजर्व बैंक ने 10 अप्रैल 2017 को भारतीय रिजर्व बैंक वर्किंग पेपर श्रृंखला के तहत* सुनील कुमार, आनंद प्रकाश और कृष्ण एम कुशावाहा द्वारा लिखित "भारत में कॉल मनी दर स्प्रेड क्या बताता है?" नामक वर्किंग पेपर प्रकाशित किया।

नए तरलता प्रबंधन ढांचे के तहत जुलाई 2013 से दिसंबर 2016 तक ओवरनाईट अंतर बैंक दर के विभिन्न चालकों पर अध्ययन केंद्रित है। दैनिक आंकड़ों पर न्यूवे-वेस्ट अनुमानक और विभिन्न जीएआरसीएच मॉडल के साथ ओएलएस लागू करते हुए अध्ययन बताता है कि तरलता की स्थिति अर्थात घाटे, वितरण और अनिश्चितता कॉल मनी दर स्प्रेड पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। हालांकि, सितंबर 2014 में सही ताल-मेल के साथ तरलता प्रबंधन परिचालनों की शुरूआत के बाद तरलता अनिश्चितता के प्रभाव में सुधारात्मक बदलाव आया है। अन्य कारक, जैसे, तिमाही-समाप्ति फेनॉमिनन और तरलता प्रबंधन ढांचे में संरचनात्मक परिवर्तन भी कॉल मनी दर स्प्रेड को प्रभावित करते हैं।

बासल फ्रेमवर्क में क्रेडिट जोखिम के लिए पूंजी गणना के मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत जोखिम भार - भारत में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के डिफ़ॉल्ट अनुभव का विश्लेषण

अजय कुमार चौधरी, बी नेताजी और अनिर्बान बसु

भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 अप्रैल 2017 को भारतीय रिज़र्व बैंक वर्किंग पेपर श्रृंखला के तहत अजय कुमार चौधरी, बी नेताजी और अनिर्बान बसु द्वारा लिखित "बासल फ्रेमवर्क में क्रेडिट जोखिम के लिए पूंजी गणना के मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत जोखिम भार - भारत में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के डिफ़ॉल्ट अनुभव का विश्लेषण" नामक वर्किंग पेपर प्रकाशित किया।

भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक वर्तमान में नियामक पूंजी आवश्यकता की गणना के लिए बासल ढांचे के तहत क्रेडिट जोखिम के लिए पूंजी गणना के मानकीकृत दृष्टिकोण का पालन करते हैं। इस दृष्टिकोण के तहत, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं क्योंकि बैंकों के क्रेडिट जोखिम के लिए विनियामक पूंजी की आवश्यकता इन एजेंसियों द्वारा निर्धारित क्रेडिट रेटिंग और बासल ढांचे में निर्धारित जोखिम भार के आधार पर निर्धारित होती है। पेपर द्वारा यह पता लगाने का प्रयास किया गया है कि क्या भारतीय बैंकों की क्रेडिट जोखिम नियामक पूंजी भारतीय रेटिंग एजेंसियों द्वारा निर्धारित रेटिंग से जुड़े डिफ़ॉल्ट अनुभव के अनुरूप है। पेपर, आम उधारकर्ताओं को दी गई रेटिंग के संदर्भ में, और रेटेड उधारकर्ताओं द्वारा डिफॉल्ट के लिए, लिए गए समय के अनुसार रिजर्व बैंक द्वारा मान्यता प्राप्त रेटिंग एजेंसियों के संबंधित मूल्यांकन मानकों की तुलना भी करता है।

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	33
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	34
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	35
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डालर का क्रय/विक्रय	36
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	37
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	37
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	38
7	मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) के स्रोत	39
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	40
9	चलनिधि समुच्चय	40
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	41
11	आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत	41
12	वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण	42
13	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश	42
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक	43
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन	44
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन	45
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	46
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2012=100)	47
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	47
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	47
21	थोक मूल्य सूचकांक	48
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)	51
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	51
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	52
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	52
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	53
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	54
28	वाणिज्यिक पत्र	54
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	54
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	55

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	56
32	विदेशी मुद्रा भंडार	56
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	56
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	57
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	57
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक	58
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	58
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमरीकी डॉलर)	59
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	60
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	61
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹)	62
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	63
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	64
	प्रासंगिक श्रृंखला	
44	लघु बचत	
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	

टिप्पणियां : .. = उपलब्ध नहीं।
– = शून्य/नगण्य
प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1 : चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2016-17	2015-16		2016-17	
		ति3	ति4	ति3	ति4
	1	2	3	4	5
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.6	7.3	8.7	6.7	5.6
1.1.1 कृषि	4.9	-2.1	1.5	6.9	5.2
1.1.2 उद्योग	7.0	12.0	11.9	7.2	5.5
1.1.3 सेवाएं	6.7	9.0	9.4	6.4	5.7
1.1क अंतिम खपत व्यय	10.5	5.8	10.6	12.5	10.2
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	2.4	7.0	3.9	1.7	-2.1
	2016-17	**2016**		**2017**	
		अप्रै.	**मई**	**अप्रै.**	**मई**
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	5.0	6.5	8.0	3.1	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	11.3	8.7	8.9	10.9	10.9
2.1.2 ऋण	4.5	8.7	9.4	4.8	5.1
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	5.2	8.9	9.6	5.6	5.9
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	17.4	4.6	4.7	18.2	18.1
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	-12.9	13.7	12.5	-10.6	-8.7
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	10.6	10.8	9.9	7.1	7.0
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	20.50	21.25	21.25	20.50	20.50
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.3	4.8	4.7	4.8	4.7
3.4 ऋण-जमा अनुपात	72.9	75.9	76.0	71.8	72.0
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	41.4	-8.7	-12.4	134.1	119.3
3.6 निवेश-जमा अनुपात	28.2	28.3	28.7	30.1	30.6
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	28.4	33.9	57.1	-78.4	-95.5
4 ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	6.25	6.50	6.50	6.25	6.25
4.2 रिवर्स रिपो दर	5.75	6.00	6.00	6.00	6.00
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.75	7.00	7.00	6.50	6.50
4.4 बैंक दर	6.75	7.00	7.00	6.50	6.50
4.5 आधार दर	9.25/9.60	9.30/9.70	9.30/9.70	9.10/9.60	9.10/9.60
4.6 एमसीएलआर	7.75/8.20	8.90/9.15	8.90/9.15	7.8/8.2	7.8/8.1
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.50/7.00	7.0/8.0	7.0/7.5	6.5/7.0	6.3/6.9
4.8 बचत जमा दर	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.97	6.49	6.42	6.00	6.04
4.10 91-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	5.82	6.81	6.85	6.19	6.31
4.11 182-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.05	6.91	6.95	6.31	6.39
4.12 364-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.14	6.91	6.96	6.45	6.47
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय	7.08	7.44	7.48	7.20	6.69
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिआ					
5.1 भा.रु.-अमरीकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	64.84	66.52	67.06	64.22	64.59
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	69.25	75.73	75.09	69.88	72.33
5.3 फारवर्ड प्रीमिआ अमरीकी डालर 1-माह (%)	5.09	7.22	6.35	5.61	4.92
3-माह (%)	4.97	6.80	6.44	5.23	4.83
6-माह (%)	4.90	6.57	6.32	5.15	4.71
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.5	5.5	5.8	3.0	2.2
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.1	5.9	6.6	2.2	1.1
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	1.7	-1.1	-0.9	3.9	2.2
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	3.4	3.8	4.4	1.8	-1.8
6.3.2 ईंधन और पावर	-0.3	-14.2	-14.9	18.5	11.7
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	1.3	-0.8	-0.6	2.7	2.6
7 विदेशी व्यापार (%परिवर्तन)					
7.1 आयात	0.5	-23.0	-13.4	47.7	33.1
7.2 निर्यात	5.3	-5.6	-1.6	17.9	8.3

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2 : भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(बिलियन ₹)।

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति#						
	2016-17	2016	2017				
		जून	मई 26	जून 2	जून 19	जून 16	जून 23
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	13,101.81	17,105.03	14,627.57	14,699.32	14,929.16	15,036.09	15,074.43
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.12	0.17	0.18	0.17	0.14	0.14	0.13
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	**13,101.93**	**17,105.20**	**14,627.75**	**14,699.49**	**14,929.30**	**15,036.23**	**15,074.56**
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	675.08	715.90	687.79	679.70	679.70	679.70	679.70
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	12,422.35	16,376.69	13,933.04	14,013.02	14,243.02	14,350.13	14,388.64
1.2.3 रुपया सिक्का	4.50	2.15	6.93	6.76	6.58	6.39	6.21
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	–	10.46	–	–	–	–	–
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियां	10,389.43	5,246.34	9,312.46	9,900.51	9,082.69	8,713.73	8,835.90
2.1.1.1 केंद्र सरकार	50.00	1.00	1.00	1.01	1.01	1.01	1.01
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	–	–	946.73	946.73	946.73	946.73	946.73
2.1.1.3 राज्य सरकारें	0.42	0.42	0.42	0.42	0.43	0.42	7.57
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	5,087.73	3,940.21	4,329.50	4,383.23	4,424.95	4,396.62	4,295.11
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	55.13	34.20	38.26	37.94	38.90	37.82	37.13
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	18.92	13.58	16.91	17.22	17.76	17.54	16.93
2.1.1.7 अन्य बैंक	279.49	212.30	253.53	250.23	249.62	249.19	250.13
2.1.1.8 अन्य	4,897.74	1,044.62	3,726.10	4,263.73	3,403.29	3,064.40	3,281.29
2.1.2 अन्य देयताएं	8,411.18	10,178.54	8,565.84	8,578.69	8,507.82	8,680.75	8,651.26
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	**18,800.61**	**15,424.88**	**17,878.30**	**18,479.20**	**17,590.51**	**17,394.48**	**17,487.16**
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	0.12	0.17	0.18	0.17	0.16	0.14	0.13
2.2.2 विदेश में रखे शेष	10,263.49	6,645.90	9,200.77	9,235.98	8,947.09	9,010.07	8,990.28
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	–	–	348.55	880.31	246.62	–	105.36
2.2.3.2 राज्य सरकारें	12.62	10.60	10.16	2.15	35.11	15.03	19.30
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	218.10	827.43	22.85	18.25	17.70	19.25	15.40
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	–	–	0.35	–	–	–	–
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.6 नाबार्ड	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.7 एक्जिम बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.8 अन्य	39.91	52.26	33.41	37.65	36.95	37.90	36.25
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	–	–	–	–	–	–	–
2.2.5 निवेश	7,528.11	7,020.48	7,482.73	7,528.32	7,528.99	7,529.66	7,530.33
2.2.6 अन्य आस्तियां	738.26	868.04	779.30	776.37	777.89	782.43	790.11
2.2.6.1 सोना	613.19	650.27	624.73	617.39	617.39	617.39	617.39

* डाटा अनंतिम है।
# अगस्त 2017 में बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में भा.रि.बैं. की तुलनपत्र के भाग के रूप में शुक्रवार, 30 जून 2017 के आंकड़े प्रकाशित किए जायेंगे।

सं. 3 : भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	सीमांत स्थायी सुविधा	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर				विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
मई 1, 2017	–	67.58	–	–	17.50	–	–	–	–	–50.08
मई 2, 2017	14.05	150.50	1.50	448.87	20.65	–	250.00	–	–	–813.17
मई 3, 2017	9.05	206.81	–	808.84	–	–	–	–	–	–1,006.60
मई 4, 2017	14.05	199.08	–	785.77	–	–	–	–	–	–970.80
मई 5, 2017	9.30	207.16	–	342.12	0.95	–	–	–	–	–539.03
मई 6, 2017	–	30.97	–	–	26.65	–	–	–	–	–4.32
मई 8, 2017	158.76	72.31	–	–	28.10	–	250.00	–	–	–135.45
मई 9, 2017	56.84	97.71	8.00	521.89	–	–	–	–	–	–554.76
मई 10, 2017	–	85.92	–	–	–	–	–	–	–	–85.92
मई 11, 2017	14.30	370.24	–	799.61	4.00	–	–	–	–	–1,151.55
मई 12, 2017	24.85	238.31	8.75	210.09	1.05	–	–	–	–	–413.75
मई 15, 2017	125.36	81.29	–	127.30	0.25	–	–	–	–	–82.98
मई 16, 2017	25.23	90.66	12.00	233.28	3.25	–	–	–	–	–283.46
मई 17, 2017	23.37	140.99	–	399.87	–	2.45	–	–	–	–515.04
मई 18, 2017	23.27	132.66	–	684.60	10.50	–2.71	–	–	–	–786.20
मई 19, 2017	22.30	242.33	–	445.04	5.75	4.33	–	–	–	–654.99
मई 20, 2017	–	65.17	–	–	–	–	–	–	–	–65.17
मई 22, 2017	21.45	118.56	–	175.28	–	–1.70	–	–	–	–274.09
मई 23, 2017	23.00	54.80	4.00	532.28	–	2.15	–	–	–	–557.93
मई 24, 2017	30.01	54.64	–	139.47	–	1.70	–	–	–	–162.40
मई 25, 2017	23.45	244.19	–	657.91	–	–	–	–	–	–878.65
मई 26, 2017	16.21	466.66	5.75	380.90	0.40	–	–	–	–	–825.20
मई 29, 2017	17.47	67.08	–	340.16	1.80	–	–	–	–	–387.97
मई 30, 2017	17.47	176.57	2.50	350.25	–	–	–	–	–	–506.85
मई 31, 2017	20.00	163.81	–	395.26	–	–	–	–	–	–539.07

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डालर का क्रय-विक्रय

i) ओटीसी सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2016-17	2016	2017	
		मई	अप्रै.	मई
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डालर) (1.1-1.2)	12,351.00	554.00	566.00	5,006.00
1.1 क्रय (+)	71,764.00	4,369.00	1,751.00	7,020.00
1.2 विक्रय (-)	59,413.00	3,815.00	1,185.00	2,014.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	822.16	37.20	38.07	328.87
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमरीकी डालर)	12,351.00	1,893.00	566.00	5,572.00
(बिलियन ₹)	822.17	125.56	38.07	366.94
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	10,835.00	–5,748.00	13,553.00	13,601.00

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2016-17	2016	2017	
		मई	अप्रै.	मई
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	10,456.00	790.00	0.00	0.00
1.2 विक्रय (-)	10,456.00	790.00	0.00	0.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	0.00	0.00	0.00	0.00

सं. 4ए भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	31 मई 2017 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	2,410	1,680	730
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	3,578	3,270	308
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	14,780	84	14,696
4. 1 वर्ष से अधिक	0	2,133	-2,133
कुल (1+2+3+4)	**20,768**	**7,167**	**13,601**

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2016-17	2016	2017					
		जून 24	जन. 20	फर. 17	मार्च 31	अप्रै. 28	मई 26	जून 23
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	19.3	0.7	–	–	19.3	2.9	0.4	2.5
2 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
3.2 बकाया	14.8	22.1	12.3	10.6	14.8	11.6	17.8	16.7
4 अन्य								
4.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	34.1	22.8	12.3	10.6	34.1	14.5	18.2	19.2

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2016-17	2016	2017		
		मई 27	अप्रै. 28	मई 12	मई 26
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	12,637.1	16,603.3	13,523.7	14,035.3	14,128.6
1.1 संचलन में नोट	13,101.8	17,110.8	14,069.5	14,491.8	14,627.6
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	243.4	216.3	243.4	243.4	243.4
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
1.4 बैंकों के पास नकदी	715.6	731.3	796.6	707.3	749.8
2 जनता की जमाराशियां	14,317.2	9,943.4	12,571.2	12,412.4	12,183.9
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	14,106.3	9,810.4	12,394.5	12,234.9	12,006.2
2.2 रिज़र्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	133.0	176.6	177.5	177.7
3 एम$_1$ (1 + 2)	**26,954.3**	**26,546.6**	**26,094.9**	**26,447.7**	**26,312.5**
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	910.4	667.9	910.4	910.4	910.4
5 एम$_2$ (3 + 4)	**27,864.7**	**27,214.6**	**27,005.3**	**27,358.1**	**27,223.0**
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	101,489.5	92,354.4	101,166.5	101,544.1	100,943.5
7 एम$_3$ (3 + 6)	**128,443.9**	**118,901.0**	**127,261.4**	**127,991.8**	**127,256.0**
8 कुल डाकघर जमाराशियां	2,551.8	2,152.2	2,551.8	2,551.8	2,551.8
9 एम$_4$ (7 + 8)	**130,995.6**	**121,053.2**	**129,813.2**	**130,543.6**	**129,807.8**

सं. 7: मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		मई 27	अप्रै. 28	मई 12	मई 26
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	**38,690.9**	**35,563.3**	**41,204.4**	**41,212.9**	**41,190.0**
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	6,208.1	6,301.3	7,196.3	6,651.8	6,867.0
1.1.1 सरकार पर दावे	7,512.0	6,756.3	7,670.8	7,600.0	7,815.2
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	7,499.4	6,750.7	7,662.6	7,594.7	7,805.0
1.1.1.2 राज्य सरकारें	12.6	5.6	8.3	5.2	10.2
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,303.9	455.0	474.5	948.2	948.2
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,303.5	454.5	474.1	947.7	947.7
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	32,482.8	29,262.0	34,008.0	34,561.1	34,323.0
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	**84,514.3**	**77,900.4**	**81,769.2**	**81,871.8**	**81,645.0**
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	72.9	75.8	53.7	56.5	66.4
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	84,441.4	77,824.6	81,715.5	81,815.3	81,578.6
2.2.1 वाणिज्य बैंकों द्वारा बैंक ऋण	78,815.3	72,264.4	76,113.2	76,194.6	75,984.8
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,548.9	5,510.7	5,518.1	5,536.8	5,511.0
2.2.3 वाणिज्य और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	77.2	49.4	84.2	83.8	82.8
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	**24,920.1**	**25,573.5**	**24,880.7**	**25,066.7**	**25,392.4**
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	23,972.1	24,071.0	23,932.7	24,118.7	24,444.5
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	23,974.1	24,073.1	23,934.6	24,120.6	24,446.3
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.0	2.1	1.9	1.9	1.9
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	948.0	1,502.5	948.0	948.0	948.0
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	**250.9**	**223.8**	**250.9**	**250.9**	**250.9**
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	**19,932.3**	**20,359.9**	**20,843.7**	**20,410.4**	**21,222.3**
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	8,333.5	9,797.3	8,228.9	8,236.8	8,460.2
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	11,598.9	10,562.5	12,614.9	12,173.5	12,762.1
$एम_3$ (1+2+3+4-5)	**128,443.9**	**118,901.0**	**127,261.4**	**127,991.8**	**127,256.0**

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		मई 27	अप्रै. 28	मई 12	मई 26
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम1 (1.1 + 1.2.1+1.3)	26,954.4	26,546.6	26,094.9	26,447.7	26,312.5
एन एम2 (एन एम1 + 1.2.2.1)	72,005.3	66,729.0	71,007.5	71,516.8	71,110.8
एन एम3 (एन एम2 + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4- 2.5)	130,222.1	118,790.1	128,885.6	129,553.8	128,889.7
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	12,637.2	16,603.3	13,523.7	14,035.3	14,128.6
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	114,219.5	99,104.5	112,200.3	112,388.4	111,557.8
1.2.1 मांग जमाराशियां	14,106.3	9,810.4	12,394.5	12,234.9	12,006.2
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	100,113.2	89,294.2	99,805.8	100,153.6	99,551.6
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	45,050.9	40,182.4	44,912.6	45,069.1	44,798.2
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,570.6	2,261.6	1,779.8	1,755.6	1,557.0
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	55,062.2	49,111.8	54,893.2	55,084.5	54,753.4
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	133.0	176.6	177.5	177.7
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग /सावधि निधीयन	3,154.5	2,949.3	2,985.0	2,952.6	3,025.5
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	129,709.2	119,439.4	129,767.6	130,549.8	129,771.8
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	38,691.0	35,563.3	41,204.4	41,212.9	41,190.0
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	6,208.1	6,301.3	7,196.3	6,651.8	6,867.0
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	32,482.9	29,262.0	34,008.0	34,561.1	34,323.0
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	91,018.3	83,876.1	88,563.3	89,336.9	88,581.8
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	72.9	75.8	53.7	56.5	66.4
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	90,945.4	83,800.3	88,509.5	89,280.5	88,515.4
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	6,462.5	5,907.3	6,718.9	7,395.4	6,856.8
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	223.8	250.9	250.9	250.9
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,819.8	22,121.9	23,605.0	23,826.1	23,899.5
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,071.0	23,932.7	24,118.7	24,444.5
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	–152.3	–1,949.0	–327.8	–292.6	–545.0
2.4 पूंजी खाता	18,195.5	19,057.1	18,292.0	18,331.9	18,914.9
2.5 अन्य मदें (निवल)	5,362.3	3,937.9	6,445.8	6,741.0	6,117.6

सं. 9: चलनिधि समुच्चय

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2016-17	2016	2017		
		मई	मार्च	अप्रै.	मई
	1	2	3	4	5
1 एन एम$_3$	**130,222.1**	**118,790.1**	**130,222.1**	**128,885.6**	**128,889.7**
2 डाकघर जमाराशियां	2,551.8	2,152.2	2,551.8	2,551.8	2,551.8
3 एल$_1$ (1 + 2)	**132,773.9**	**120,942.3**	**132,773.9**	**131,437.4**	**131,441.5**
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
5 एल$_2$ (3 + 4)	**132,803.2**	**120,971.6**	**132,803.2**	**131,466.7**	**131,470.8**
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	451.5	..	451.5	..	..
7 एल$_3$ (5 + 6)	**133,254.6**	..	**133,254.6**	..	..

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		मई 27	अप्रै. 28	मई 12	मई 26
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	13,352.7	17,334.6	14,320.4	14,742.6	14,878.4
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,441.3	4,097.2	4,793.6	4,626.5	4,638.2
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	5,087.7	3,839.5	4,482.1	4,319.9	4,329.5
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	133.0	176.6	177.5	177.7
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	19,004.8	21,564.8	19,290.6	19,546.6	19,694.4
2 स्रोत					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	3,115.3	7,067.4	3,335.9	3,413.9	3,459.3
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण	6,208.1	6,301.3	7,196.3	6,651.8	6,867.0
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+ 2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	6,195.9	6,296.2	7,188.5	6,647.0	6,857.3
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	–	–	157.4	139.2	348.6
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	–	–	–	–	–
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	7,494.9	6,748.3	7,497.4	7,448.2	7,449.5
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	7,494.9	6,737.8	7,497.4	7,448.2	7,449.5
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	4.5	2.5	7.7	7.4	6.9
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	1,303.5	454.5	474.1	947.7	947.7
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	12.2	5.1	7.8	4.8	9.7
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	-3,165.7	690.2	-3,914.2	-3,294.4	-3,474.1
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ऋण और अग्रिम	-3,165.7	690.2	-3,914.2	-3,294.8	-3,474.5
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	72.9	75.8	53.7	56.5	66.4
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	14.8	23.4	11.6	11.6	17.8
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	–	–	–	–	–
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	223.8	250.9	250.9	250.9
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,071.0	23,932.7	24,118.7	24,444.5
2.3.1 सोना	1,288.3	1,333.2	1,288.3	1,312.5	1,312.5
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	22,684.0	22,738.0	22,644.6	22,806.4	23,132.1
2.4 पूंजी खाता	7,512.8	8,869.2	7,378.5	7,407.7	7,583.7
2.5 अन्य मदें (निवल)	820.6	928.1	850.4	829.2	876.5

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
	2016-17	2016	2017				
		मई 27	अप्रै. 28	मई 5	मई 12	मई 19	मई 26
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	19,004.8	21,564.8	19,290.6	19,473.3	19,546.6	19,826.4	19,694.4
1 घटक							
1.1 संचलन में मुद्रा	13,352.7	17,334.6	14,320.4	14,555.2	14,742.6	14,819.3	14,878.4
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,441.3	4,097.2	4,793.6	4,740.2	4,626.5	4,824.5	4,638.2
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	133.0	176.6	177.9	177.5	182.6	177.7
2 स्रोत							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	6,208.1	6,301.3	7,196.3	7,255.3	6,651.8	6,874.1	6,867.0
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	-3,165.7	690.2	-3,914.2	-3,981.9	-3,294.4	-3,368.4	-3,474.1
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	72.9	75.8	53.7	54.0	56.5	71.1	66.4
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,071.0	23,932.7	24,148.0	24,118.7	24,621.4	24,444.5
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	223.8	250.9	250.9	250.9	250.9	250.9
2.6 भा.रि.बैं. की निवल ग़ैर मौद्रिक देयताएं	8,333.5	9,797.3	8,228.9	8,252.9	8,236.8	8,622.6	8,460.2

सं. 12: वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार/ माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		मई 27	अप्रै. 28	मई 12	मई 26
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	106,728.9	92,080.7	104,804.2	104,992.7	104,147.1
1.1.1 मांग जमाराशियां	12,953.3	8,755.8	11,261.0	11,103.5	10,873.4
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	93,775.6	83,324.9	93,543.2	93,889.2	93,273.6
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	42,199.0	37,496.2	42,094.4	42,250.1	41,973.1
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,570.6	2,261.6	1,779.8	1,755.6	1,557.0
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	51,576.6	45,828.7	51,448.8	51,639.1	51,300.5
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,154.5	2,949.3	2,985.0	2,952.6	3,025.5
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	115,665.6	105,474.9	114,777.7	116,071.3	115,093.2
2.1.1 सरकार को ऋण	30,422.4	27,305.6	31,940.6	32,482.3	32,242.7
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	85,243.2	78,169.4	82,837.1	83,589.1	82,850.5
2.1.2.1 बैंक ऋण	78,815.3	72,264.4	76,113.2	76,194.6	75,984.8
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	78,279.6	71,157.8	75,556.4	75,614.7	75,377.8
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	44.2	71.0	77.7	72.4	82.6
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	10.9	16.1	16.9	16.3	15.9
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	6,372.9	5,817.7	6,629.3	7,305.8	6,767.2
2.2 वाणिज्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	–152.3	–1,949.0	–327.8	–292.6	–545.0
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,983.5	2,133.7	1,715.6	1,814.9	1,583.1
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	1,376.3	3,060.2	1,360.7	1,390.6	1,391.8
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	759.5	1,022.5	682.7	717.0	736.2
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	8,871.2	3,788.1	9,093.2	8,223.6	8,453.8
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	5,087.7	3,839.5	4,482.1	4,319.9	4,329.5
2.3.2 उपलब्ध नकदी	617.7	638.8	696.9	609.0	649.8
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	–3,165.7	690.2	–3,914.2	–3,294.8	–3,474.5
2.4 पूंजी खाता	10,441.0	9,946.2	10,671.8	10,682.5	11,089.4
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	4,060.1	2,337.7	5,082.2	5,374.5	4,740.0
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	3,995.0	3,773.1	5,041.6	3,820.2	4,313.4
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	–108.8	–265.3	–194.1	–393.8	–361.3

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31, 2017 की स्थिति	2016	2017		
		मई 27	अप्रै. 28	मई 12	मई 26
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	30,309.6	27,321.7	31,830.8	32,498.7	32,258.6
2 वाणिज्यिक पत्र	1,159.6	864.5	1,117.3	1,613.6	1,148.2
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	91.9	78.0	95.4	91.2	92.0
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	567.3	446.0	591.2	588.2	586.9
3.3 अन्य	51.8	62.9	48.2	48.0	47.0
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,118.5	1,191.7	1,100.3	1,068.1	1,039.2
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	1,680.0	1,277.2	1,564.4	1,552.0	1,544.4
4.3 अन्य	810.9	678.0	755.7	805.3	778.4
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	134.0	691.4	642.1	706.1	691.0
5.2 वित्तीय संस्थाएं	844.3	627.4	827.4	833.2	840.0

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक			
	2016-17	2016	2017		2016-17	2016	2017	
		मई	अप्रै.	मई		मई	अप्रै.	मई
	1	2	3	4	5	6	7	8
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	221	218	215	215	150	148	144	144
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	**2,397.7**	**2,275.9**	**2,454.1**	**2,248.2**	**2,330.7**	**2,153.3**	**2,389.8**	**2,186.5**
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,765.5	1,536.8	1,726.8	1,660.0	1,698.6	1,470.3	1,664.0	1,599.9
1.2 बैंकों से उधार राशि	573.6	601.9	688.3	531.8	573.5	571.7	687.7	530.9
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	58.6	137.2	39.0	56.5	58.6	111.3	38.2	55.7
2 अन्य के प्रति देयताएं	**118,405.3**	**105,920.6**	**116,243.9**	**115,662.3**	**115,376.8**	**102,885.8**	**113,255.2**	**113,614.0**
2.1 कुल जमाराशियां	110,485.7	97,723.8	108,505.8	107,503.9	107,576.6	95,140.9	105,644.1	105,538.9
2.1.1 मांग	13,105.3	8,966.5	11,437.6	11,050.0	12,814.9	8,755.8	11,177.2	10,873.4
2.1.2 मीयादी	97,380.5	88,757.3	97,068.2	96,453.9	94,761.7	86,385.1	94,466.9	94,665.5
2.2 उधार	3,192.8	3,289.5	3,019.0	3,055.1	3,163.2	2,949.3	2,984.8	3,025.5
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	4,726.7	4,907.3	4,719.2	5,103.3	4,637.0	4,795.6	4,626.2	5,049.6
3 रिज़र्व बैंक से उधार	**218.1**	**957.4**	**18.3**	**23.2**	**218.1**	**957.4**	**18.3**	**22.9**
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अन्य	218.1	957.4	18.3	23.2	218.1	957.4	18.3	22.9
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,869.3	4,601.3	5,225.7	5,122.1	5,701.3	4,478.3	5,081.6	4,979.3
4.1 उपलब्ध नकदी	630.5	654.3	618.6	667.7	613.60	638.8	599.4	649.8
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,238.8	3,947.1	4,607.1	4,454.4	5,087.7	3,839.5	4,482.1	4,329.5
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	**2,934.7**	**2,985.1**	**2,965.1**	**2,809.1**	**2,437.5**	**2,489.6**	**2,499.3**	**2,630.3**
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	1,898.2	1,734.7	1,935.2	2,054.6	1,700.2	1,576.6	1,756.0	1,905.2
5.1.1 चालू खाते में	197.5	137.3	151.7	127.0	160.8	120.0	131.9	112.2
5.1.2 अन्य खातों में	1,700.7	1,597.4	1,783.5	1,927.6	1,539.5	1,456.5	1,624.1	1,792.9
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	296.9	463.7	372.3	155.2	77.0	257.8	170.7	147.9
5.3 बैंकों को अग्रिम	380.4	298.6	356.2	350.1	379.5	258.3	355.3	350.1
5.4 अन्य आस्तियां	359.1	488.1	301.3	249.2	280.7	397.0	217.4	227.2
6 निवेश	**31,161.1**	**28,290.6**	**32,691.5**	**32,863.4**	**30,309.6**	**27,321.7**	**31,830.8**	**32,258.6**
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	31,144.8	28,069.6	32,666.2	32,841.2	30,297.5	27,305.6	31,812.3	32,242.7
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	16.4	221.0	25.3	22.3	12.2	16.1	18.5	15.9
7 बैंक ऋण	**80,818.2**	**74,480.3**	**78,172.1**	**77,222.4**	**78,415.1**	**72,264.4**	**75,823.9**	**75,984.8**
7क खाद्यान्न ऋण	652.4	1,269.3	749.2	799.4	539.3	1,106.6	556.8	607.0
7.1 ऋण नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	78,491.4	72,321.2	76,069.5	75,140.1	76,149.7	70,161.1	73,783.6	73,976.3
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	263.0	287.3	233.6	236.1	245.4	267.6	216.6	208.8
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,402.8	1,279.7	1,289.9	1,287.9	1,365.9	1,250.0	1,251.2	1,247.4
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	248.6	208.3	212.2	196.2	246.4	207.2	210.1	194.5
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	412.4	383.8	366.9	362.1	407.6	378.5	362.5	357.8

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 31, 2017	2016	2017		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		मई 27	अप्रै. 28	मई 26	2017-18	2017
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	**71,347**	**66,457**	**68,981**	**68,776**	**-3.6**	**3.5**
1.1 खाद्यान्न ऋण	**400**	**892**	**492**	**533**	**33.2**	**-40.2**
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	**70,947**	**65,565**	**68,489**	**68,243**	**–3.8**	**4.1**
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	**9,924**	**8,992**	**9,700**	**9,657**	**–2.7**	**7.4**
1.2.2 उद्योग	**26,800**	**26,633**	**26,245**	**26,068**	**–2.7**	**-2.1**
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,697	3,602	3,618	3,605	–2.5	0.1
1.2.2.2 मझौले	1,048	1,088	991	983	–6.2	-9.6
1.2.2.3 बड़े	22,055	21,943	21,636	21,480	–2.6	-2.1
1.2.3 सेवाएं	**18,022**	**15,713**	**16,412**	**16,345**	**–9.3**	**4.0**
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	1,104	1,051	1,088	1,094	–1.0	4.0
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	179	189	175	172	–3.7	-8.7
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	375	373	360	361	–3.8	-3.3
1.2.3.4 नौवहन	84	101	75	75	–10.9	-25.7
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,377	1,133	1,343	1,296	–5.9	14.4
1.2.3.6 व्यापार	4,279	3,858	4,052	4,095	–4.3	6.1
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	1,932	1,705	1,777	1,806	–6.5	5.9
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,347	2,153	2,275	2,289	–2.5	6.3
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,856	1,825	1,821	1,781	–4.0	-2.4
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	3,910	3,484	3,493	3,415	–12.7	-2.0
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	4,859	3,699	4,003	4,057	–16.5	9.7
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	**16,200**	**14,227**	**16,132**	**16,173**	**–0.2**	**13.7**
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	208	186	210	172	–17.4	-7.8
1.2.4.2 आवास	8,601	7,663	8,578	8,588	–0.1	12.1
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	661	624	582	572	–13.5	-8.3
1.2.4.4 शेयरों और बांडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	48	57	51	51	6.9	-11.5
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	521	421	541	558	7.0	32.6
1.2.4.6 शिक्षा	701	679	700	697	–0.5	2.6
1.2.4.7 वाहन ऋण	1,705	1,546	1,732	1,731	1.5	11.9
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	3,755	3,050	3,737	3,804	1.3	24.7
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	**24,357**	**22,452**	**23,734**	**23,379**	**–4.0**	**4.1**
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	9,909	8,990	9,680	9,640	–2.7	7.2
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	9,020	8,480	8,749	8,728	–3.2	2.9
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,697	3,602	3,618	3,605	–2.5	0.1
1.2अ.2.2 सेवाएं	5,322	4,879	5,131	5,123	–3.7	5.0
1.2अ.3 आवास	3,683	3,474	3,623	3,526	–4.3	1.5
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	189	187	182	142	–24.6	-23.6
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	604	582	605	593	–1.9	1.8
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	6	6	6	3	–59.7	-55.0
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	5,546	4,886	5,291	5,153	–7.1	5.5
1.2अ.8 निर्यात ऋण	425	442	421	401	–5.7	-9.4

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 31, 2017	2016	2017		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		मई 27	अप्रै. 28	मई 26	2017-18	2017
	1	2	3	4	5	6
1 उद्योग	**26,800**	**26,633**	**26,245**	**26,068**	**–2.7**	**–2.1**
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	**345**	**341**	**353**	**322**	**–6.7**	**–5.6**
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	**1,455**	**1,468**	**1,429**	**1,424**	**–2.1**	**–3.0**
1.2.1 चीनी	327	388	320	310	–5.2	–20.1
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	184	196	185	180	–2.0	–8.1
1.2.3 चाय	35	32	35	37	3.8	14.6
1.2.4 अन्य	909	852	889	898	–1.3	5.3
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	**173**	**170**	**168**	**158**	**–8.5**	**–6.9**
1.4 वस्त्र	**1,963**	**2,034**	**1,952**	**1,930**	**–1.7**	**–5.1**
1.4.1 सूती वस्त्र	964	1,008	966	961	–0.3	–4.6
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	23	20	23	22	–2.9	13.4
1.4.3 मानव-निर्मित वस्त्र	204	206	200	211	3.7	2.4
1.4.4 अन्य वस्त्र	773	800	763	735	–4.8	–8.1
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	**107**	**104**	**103**	**105**	**–1.5**	**1.7**
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	**105**	**101**	**102**	**100**	**–4.5**	**–1.0**
1.7 काग़ज़ और काग़ज़ से बने उत्पाद	**326**	**341**	**323**	**320**	**–2.0**	**–6.4**
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	**596**	**526**	**555**	**534**	**–10.5**	**1.4**
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	**1,724**	**1,570**	**1,580**	**1,547**	**–10.3**	**–1.5**
1.9.1 उर्वरक	335	255	227	253	–24.3	–0.7
1.9.2 औषधि और दवाइयां	464	516	446	437	–5.6	–15.2
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	507	357	492	457	–9.8	28.0
1.9.4 अन्य	419	442	414	399	–4.8	–9.9
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	**392**	**369**	**375**	**379**	**–3.4**	**2.6**
1.11 कांच और कांच के सामान	**79**	**85**	**79**	**77**	**–3.0**	**–9.1**
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	**542**	**532**	**539**	**501**	**–7.6**	**–5.7**
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	**4,211**	**4,164**	**4,145**	**4,130**	**–1.9**	**–0.8**
1.13.1 लोहा और स्टील	3,192	3,126	3,189	3,183	–0.3	1.8
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	1,018	1,038	956	947	–6.9	–8.7
1.14 सभी अभियांत्रिकी	**1,496**	**1,535**	**1,448**	**1,445**	**–3.4**	**–5.9**
1.14.1 इलेक्ट्रानिक्स	336	377	326	316	–5.9	–16.1
1.14.2 अन्य	1,160	1,159	1,123	1,129	–2.7	–2.6
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	**736**	**686**	**718**	**716**	**–2.6**	**4.5**
1.16 रत्न और आभूषण	**690**	**693**	**704**	**698**	**1.1**	**0.7**
1.17 निर्माण	**822**	**766**	**811**	**833**	**1.3**	**8.8**
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	**9,064**	**9,273**	**8,992**	**8,898**	**–1.8**	**–4.0**
1.18.1 पावर	5,254	5,386	5,227	5,194	–1.1	–3.6
1.18.2 दूरसंचार	851	951	829	820	–3.6	–13.7
1.18.3 सड़क	1,800	1,827	1,774	1,723	–4.3	–5.7
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,160	1,109	1,162	1,161	0.1	4.7
1.19 अन्य उद्योग	**1,973**	**1,876**	**1,871**	**1,951**	**–1.1**	**4.0**

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति					
	2015-16	2016	2017			
		फर. 26	जन. 27	फर. 03	फर. 17	फर. 24
	1	2	3	4	5	6
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	32	32	30	31	30	30
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	**420.2**	**402.9**	**465.5**	**472.4**	**493.8**	**462.4**
2 मांग और मीयादी देयताएं						
2.1 मांग देयताएं	**152.3**	**151.5**	**152.5**	**157.5**	**147.2**	**145.7**
2.1.1 जमाराशियां						
2.1.1.1 अंतर-बैंक	34.2	29.7	37.2	37.9	35.7	33.8
2.1.1.2 अन्य	77.8	75.8	86.6	90.5	82.6	83.7
2.1.2 बैंकों से उधार	9.5	10.3	0.0	0.0	0.0	0.3
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	30.9	35.7	28.6	29.0	28.9	27.9
2.2 मीयादी देयताएं	**840.5**	**835.1**	**893.2**	**899.2**	**887.4**	**877.2**
2.2.1 जमाराशियां						
2.2.1.1 अंतर-बैंक	491.8	501.6	506.7	503.2	468.8	491.1
2.2.1.2 अन्य	342.4	327.2	378.9	382.0	411.2	378.8
2.2.2 बैंकों से उधार	0.0	0.0	0.0	0.3	0.0	0.0
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	6.3	6.3	7.6	13.8	7.4	7.3
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.4	0.0	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	435.4	445.1	466.4	455.7	482.1	517.2
4.1 मांग	164.0	156.4	156.0	152.5	166.8	171.7
4.2 मीयादी	271.5	288.6	310.4	303.2	315.3	345.6
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	**46.1**	**41.7**	**50.6**	**47.6**	**49.2**	**47.2**
5.1 उपलब्ध नकदी	2.4	2.2	4.9	4.2	3.6	3.2
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	43.8	39.5	45.7	43.3	45.6	44.0
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	**6.8**	**6.8**	**8.3**	**8.7**	**9.2**	**8.3**
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	**298.8**	**297.1**	**303.5**	**311.7**	**315.2**	**309.3**
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	**191.3**	**183.0**	**273.1**	**259.0**	**252.9**	**281.8**
9 बैंक ऋण (10.1+11)	**446.8**	**439.9**	**438.1**	**445.9**	**451.8**	**452.6**
10 अग्रिम						
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	**446.8**	**439.9**	**438.1**	**445.9**	**451.8**	**452.6**
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	727.9	737.0	732.1	737.7	746.2	749.5
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2016-17			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	मई 16	अप्रै. 17	मई 17	मई 16	अप्रै. 17	मई 17	मई 16	अप्रै. 17	मई 17
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	**135.3**	**134.9**	**135.2**	**133.6**	**133.5**	**133.8**	**134.6**	**133.4**	**133.6**	**134.0**	**133.5**	**133.7**
1.1 अनाज और उत्पाद	130.8	128.9	130.2	127.6	133.2	133.1	125.0	132.7	132.6	126.8	133.0	132.9
1.2 मांस और मछली	137.9	140.1	138.7	137.5	138.7	140.4	142.1	140.6	144.1	139.1	139.4	141.7
1.3 अंडा	128.9	130.7	129.6	124.4	127.1	126.8	127.0	124.5	125.6	125.4	126.1	126.3
1.4 दूध और उत्पाद	135.2	132.4	134.1	132.4	137.7	138.2	130.4	136.3	136.9	131.7	137.2	137.7
1.5 तेल और चर्बी	120.3	112.0	117.3	118.2	121.3	120.8	109.6	113.5	113.4	115.0	118.4	118.1
1.6 फल	138.1	132.8	135.6	138.1	141.8	140.2	133.5	137.7	135.3	136.0	139.9	137.9
1.7 सब्जी	139.2	144.8	141.1	141.8	121.5	123.7	151.4	127.1	129.2	145.1	123.4	125.6
1.8 दाल और उत्पाद	165.6	170.3	167.2	166.0	144.5	141.7	182.8	133.8	131.5	171.7	140.9	138.3
1.9 चीनी और उत्पाद	112.1	114.9	113.0	107.5	117.4	118.6	111.1	120.8	121.0	108.7	118.5	119.4
1.10 मसाले	135.1	143.8	138.0	132.2	134.1	134.0	141.5	141.3	139.9	135.3	136.5	136.0
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	128.1	122.4	125.7	126.1	130.0	130.2	121.5	123.8	123.8	124.2	127.4	127.5
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	141.7	139.2	140.5	138.3	145.5	145.8	136.3	142.6	142.9	137.4	144.2	144.5
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	**140.1**	**144.2**	**141.2**	**136.0**	**144.4**	**145.5**	**142.2**	**148.0**	**148.3**	**137.7**	**145.4**	**146.2**
3 कपड़ा और जूते	**137.9**	**127.8**	**133.9**	**134.8**	**141.6**	**141.8**	**126.2**	**130.0**	**130.2**	**131.4**	**137.0**	**137.2**
3.1 कपड़ा	138.6	128.9	134.8	135.4	142.4	142.6	127.2	131.2	131.5	132.2	138.0	138.2
3.2 जूते	133.7	121.7	128.7	131.1	136.8	137.3	120.7	123.0	123.2	126.8	131.1	131.4
4 आवास	--	**128.0**	**128.0**	--	--	--	**126.0**	**131.7**	**132.1**	**126.0**	**131.7**	**132.1**
5 ईंधन और लाइट	**130.1**	**116.4**	**124.9**	**127.4**	**135.0**	**135.0**	**115.0**	**121.4**	**120.1**	**122.7**	**129.8**	**129.4**
6 विविध	**125.0**	**120.6**	**122.9**	**122.5**	**127.5**	**127.9**	**118.7**	**122.5**	**122.6**	**120.7**	**125.1**	**125.3**
6.1 घरेलू सामान और सेवा	131.3	124.3	128.0	128.5	134.3	135.0	123.2	126.0	126.5	126.0	130.4	131.0
6.2 स्वास्थ्य	128.1	121.6	125.6	125.8	131.0	131.4	120.3	123.4	123.6	123.7	128.1	128.4
6.3 परिवहन और संचार	117.4	112.8	114.9	115.1	119.2	119.4	110.7	114.3	114.3	112.8	116.6	116.7
6.4 मनोरंजन	125.9	121.0	123.2	123.6	128.3	129.4	119.8	122.6	122.8	121.5	125.1	125.7
6.5 शिक्षा	132.3	131.1	131.6	129.1	135.7	136.2	128.0	133.6	133.8	128.5	134.5	134.8
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	121.7	120.3	121.1	119.7	123.7	123.9	118.5	122.2	122.0	119.2	123.1	123.1
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	**132.4**	**127.9**	**130.3**	**130.3**	**132.9**	**133.3**	**126.6**	**129.1**	**129.3**	**128.6**	**131.1**	**131.4**

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2016-17	2016	2017	
				मई	अप्रै.	मई
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	276	275	277	278
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	870	860	870	872
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	–	875	866	876	878

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2016-17	2016	2017	
		मई	अप्रै.	मई
	1	2	3	4
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	29,665	29,639	29,010	28,471
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	42,748	40,693	42,142	39,366

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड/बिजनेस लाइन/द इकोनॉमिक टाइम्स, मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			मई	मार्च	अप्रै. (अ)	मई (अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	**100.000**	**111.6**	**110.4**	**113.2**	**113.2**	**112.8**
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	**22.618**	**128.9**	**128.8**	**127.1**	**128.4**	**126.5**
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	**15.256**	**140.3**	**140.9**	**137.6**	**139.4**	**137.7**
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+ दाल)	3.462	152.0	147.0	146.8	146.6	144.8
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	138.7	144.6	128.0	131.0	129.0
1.1.1.3 दूध	4.440	134.3	132.1	136.5	137.4	138.0
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	133.0	137.8	134.2	141.1	136.4
1.1.1.5 मसाले	0.529	140.5	142.0	128.3	126.6	121.4
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	150.5	153.4	157.0	157.0	154.6
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	**4.119**	**122.2**	**120.9**	**121.9**	**121.2**	**119.8**
1.1.2.1 फाइबर	0.839	117.1	106.9	124.9	121.8	119.5
1.1.2.2 तिलहन	1.115	136.0	141.9	128.7	129.9	127.4
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	114.9	113.6	115.0	114.6	112.9
1.1.2.4 फूल	0.204	137.4	133.1	139.0	135.2	145.4
1.1.3 खनिज	**0.833**	**113.1**	**110.7**	**114.8**	**112.7**	**114.8**
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	98.4	96.2	101.3	98.7	101.3
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	164.4	161.6	162.1	161.7	162.1
1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस	**2.410**	**73.1**	**72.1**	**74.1**	**76.5**	**71.1**
1.2 ईंधन और बिजली	**13.152**	**86.3**	**81.3**	**93.6**	**92.8**	**90.8**
1.2.1 कोल	**2.138**	**109.0**	**106.3**	**116.3**	**116.3**	**116.6**
1.2.1.1 कोकिंग कोल	0.647	108.2	101.4	131.5	132.3	132.3
1.2.1.2 गैर-कोकिंग कोल	1.401	110.5	109.6	110.7	110.7	110.7
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	90.2	90.7	95.0	89.9	95.0
1.2.2 खनिज तेल	**7.950**	**73.3**	**66.5**	**83.9**	**80.8**	**79.3**
1.2.3 बिजली	**3.064**	**104.2**	**102.2**	**102.7**	**107.4**	**102.7**
1.3 विनिर्मित उत्पाद	**64.231**	**110.7**	**109.8**	**112.3**	**112.1**	**112.6**
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	**9.122**	**125.4**	**121.4**	**127.3**	**127.3**	**127.2**
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	137.1	134.5	136.3	136.3	134.7
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस,मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	127.7	128.2	127.6	127.8	129.3
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	120.2	120.5	119.3	119.2	120.1
1.3.1.4 सब्जियां और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	107.0	104.5	108.4	108.1	106.7
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	132.3	126.8	140.4	139.8	141.7
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	136.2	128.7	137.4	137.3	137.3
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	114.6	114.4	112.8	112.9	113.8
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	127.0	124.7	128.5	129.7	129.4
1.3.1.9 चीनी,गुड़ और शहद	1.163	124.8	118.1	133.4	132.9	133.5
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	125.5	124.3	123.3	122.6	125.7
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	137.1	127.3	132.1	141.4	133.3
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	125.9	129.4	117.6	122.0	120.4
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	124.5	124.1	117.4	119.3	115.7
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	126.3	129.3	125.5	126.2	126.3
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	143.2	141.7	142.2	142.2	142.3
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	165.4	164.8	158.2	157.5	158.0
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	**0.909**	**116.1**	**115.7**	**117.4**	**117.2**	**117.5**
1.3.2.1 शराब और स्पिरीट	0.408	113.3	111.1	114.7	114.4	114.5
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	114.2	113.5	115.6	115.6	116.8
1.3.2.3 शीतल पेय,मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	121.8	124.3	122.9	122.8	122.7
1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद	**0.514**	**141.6**	**140.4**	**142.2**	**145.7**	**142.9**
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	141.6	140.4	142.2	145.7	142.9
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	**4.881**	**111.2**	**110.0**	**112.9**	**113.3**	**113.6**
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	103.3	100.8	106.5	106.6	107.2
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	120.9	121.4	119.8	120.7	120.4
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	107.1	107.0	108.0	108.6	107.5
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र लेख	0.299	121.7	120.6	123.7	123.7	124.5
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी और नेटिंग	0.098	143.0	144.1	144.9	146.7	145.4
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	112.9	113.7	117.3	116.8	118.4
1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र	**0.814**	**131.0**	**129.3**	**133.1**	**134.1**	**133.5**
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर बुलन के तैयार वस्त्र	0.593	133.9	133.7	136.1	136.8	136.2
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉस्चिटेड वस्त्र	0.221	123.3	117.4	125.2	126.7	126.1

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक *(जारी)*
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			मई	मार्च	अप्रै. (अ)	मई (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद	**0.535**	**122.6**	**125.0**	**120.4**	**120.2**	**119.5**
1.3.6.1 चमड़ेकी टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	119.9	128.0	117.6	118.0	112.1
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	132.3	131.3	131.0	129.6	129.8
1.3.6.3 जूते-चप्पल	0.318	121.5	122.1	119.1	119.0	120.3
1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद	**0.772**	**129.8**	**129.5**	**130.0**	**131.3**	**130.6**
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	122.9	123.6	122.0	122.0	121.9
1.3.7.2 विनियर शीट,प्लायवुड का विनिर्माण,लॅमिन बोर्ड,पार्टिकल बोर्डऔर अन्य पॅनल बोर्ड	0.493	127.3	126.9	127.8	129.8	128.6
1.3.7.3 बिल्डरों की बढ़ईगीरी	0.036	153.8	145.8	159.5	160.5	160.5
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	140.3	141.7	138.7	138.4	138.9
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद	**1.113**	**113.6**	**112.7**	**115.7**	**115.6**	**116.4**
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	117.7	116.4	121.3	121.3	121.2
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	114.7	113.0	114.3	114.4	115.6
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	105.9	106.3	108.0	107.7	109.6
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	**0.676**	**141.1**	**140.0**	**143.5**	**142.7**	**141.7**
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	141.1	140.0	143.5	142.7	141.7
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण	**6.465**	**111.0**	**111.7**	**111.7**	**111.4**	**111.7**
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	104.7	104.1	107.1	106.3	107.2
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	118.7	121.1	116.8	116.8	117.1
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिथेंटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	113.7	115.4	114.3	113.4	113.4
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकेमिकल उत्पाद	0.454	116.8	118.8	117.2	115.7	117.2
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	108.5	108.1	110.3	111.0	110.6
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट,सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	113.7	113.3	114.5	114.5	115.4
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	106.5	106.6	107.8	107.6	107.6
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	94.1	93.0	97.6	97.7	95.7
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	**1.993**	**119.7**	**118.0**	**121.4**	**121.0**	**120.8**
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	119.7	118.0	121.4	121.0	120.8
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण	**2.299**	**107.5**	**106.6**	**108.8**	**108.7**	**108.6**
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब,रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	101.4	100.3	103.5	103.4	104.0
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	90.4	91.1	91.0	91.4	91.5
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	113.3	112.3	114.5	114.4	113.8
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	**3.202**	**109.8**	**110.2**	**109.3**	**109.3**	**111.4**
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	116.6	118.0	117.2	116.7	117.1
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	116.2	116.3	117.0	116.8	119.9
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	94.3	101.2	92.5	92.7	92.2
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	111.8	111.5	112.7	112.7	112.7
1.3.13.5 सीमेन्ट,चूना और प्लास्टर	1.645	110.6	110.1	109.3	109.5	113.1
1.3.13.6 कंक्रीट,सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	115.3	114.8	116.0	115.9	116.7
1.3.13.7 पत्थरों को काटना,आकार देना और संवारना	0.234	117.4	117.3	117.1	116.9	117.3
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	70.9	76.9	69.5	69.5	69.1
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	**9.646**	**91.1**	**90.2**	**95.6**	**94.9**	**96.8**
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	82.9	81.9	89.1	88.2	92.9
1.3.14.2 मेटेलिक आयरन	0.653	79.4	79.5	85.1	83.5	90.3
1.3.14.3 नरम इस्पात-अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	89.8	90.9	90.3	90.0	91.3
1.3.14.4 नरम इस्पात- लंबे उत्पाद	1.081	85.3	86.1	89.4	88.7	90.7
1.3.14.5 नरम इस्पात- चपटे उत्पाद	1.144	89.4	89.3	97.7	92.3	97.8
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	85.6	85.1	93.2	92.8	95.7
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	84.1	81.6	91.0	91.2	91.9
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	107.8	106.8	108.8	111.6	108.8
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	100.1	98.1	105.1	104.5	104.4
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	102.2	98.8	103.0	105.6	102.6
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	118.2	116.7	118.0	118.0	118.0
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	**3.155**	**105.1**	**104.2**	**108.5**	**106.9**	**108.1**
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	102.5	102.3	105.0	101.7	104.1
1.3.15.2 धातु से बने टैंक,जलाशय और डिब्बे	0.660	109.2	103.7	119.6	119.8	119.9
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरर्स को छोड़कर	0.145	108.5	107.0	105.5	105.5	107.7
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, रोल बनाना, स्टाम्प लगाना, पाउडर धातु विज्ञान	0.383	94.7	99.4	93.0	89.5	91.7
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	111.5	108.9	114.5	113.3	114.7
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	108.1	108.0	110.5	110.3	109.7
1.3.16 कंप्यूटर,इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	**2.009**	**108.3**	**107.2**	**108.0**	**108.5**	**109.1**
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	106.7	103.7	104.8	106.6	106.4
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	127.3	127.3	127.3	127.3	127.3

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक *(समाप्त)*
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			मई	मार्च	अप्रै. (अ)	मई (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	104.1	104.1	104.1	104.1	104.1
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स	0.641	100.0	99.8	99.8	99.8	101.9
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	103.1	101.5	103.7	103.7	103.7
1.3.16.6 हाथ घडी और दीवार घडी	0.076	137.9	126.8	140.6	142.0	141.8
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	104.3	105.0	102.8	102.8	105.1
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	96.6	98.2	96.3	99.1	99.7
1.3.17 इलेक्ट्रानिक उपकरण का विनिर्माण	**2.930**	**108.2**	**108.3**	**108.0**	**108.5**	**108.3**
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	105.0	105.1	104.7	104.7	104.2
1.3.17.2 बैटरी और एक्युम्युलेटर	0.236	120.4	121.7	121.1	122.1	122.6
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	118.8	120.0	116.2	116.2	116.3
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रानिक और बिज़ली के वायर और केबल	0.428	99.7	99.1	101.7	101.9	103.2
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	108.5	107.8	107.1	110.9	107.0
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	119.4	119.1	119.0	118.7	120.1
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	104.4	105.3	103.7	103.9	104.4
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	**4.789**	**107.9**	**107.7**	**108.3**	**108.4**	**108.3**
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन,एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	104.1	104.1	103.8	104.2	103.1
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	114.3	114.6	114.2	114.8	114.1
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	106.6	106.1	107.5	104.5	107.3
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	104.5	104.4	105.6	105.4	105.6
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर भट्टियां	0.008	77.8	83.7	74.9	74.9	74.9
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने -उतारने वाले उपकरण	0.285	103.2	102.1	104.9	105.4	104.5
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	124.9	123.1	126.1	125.6	125.1
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	112.3	112.3	111.5	112.9	112.4
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	100.1	101.6	99.9	101.2	100.2
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	79.6	82.4	77.5	77.5	76.6
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	116.9	114.0	122.9	123.9	124.3
1.3.18.13 कपड़ा,परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	116.2	117.4	116.9	115.9	117.4
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	115.8	114.7	117.1	117.5	117.1
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	73.7	75.7	72.6	71.7	71.2
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण	**4.969**	**110.4**	**110.4**	**110.7**	**110.6**	**111.3**
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	113.4	112.9	113.5	113.4	114.2
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	107.2	107.7	107.5	107.6	108.1
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	**1.648**	**107.7**	**104.7**	**109.9**	**108.1**	**109.0**
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली -वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.7	158.6	158.7	158.7	158.7
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टाक	0.110	100.6	95.6	103.5	103.8	102.3
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	102.8	99.6	105.1	102.8	104.0
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाडी	0.117	118.0	116.2	120.4	120.2	120.4
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	116.5	115.5	119.4	119.8	119.8
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	**0.727**	**114.1**	**114.4**	**116.5**	**117.3**	**114.2**
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	114.1	114.4	116.5	117.3	114.2
1.3.22 अन्य विनिर्माण	**1.064**	**119.7**	**126.4**	**114.9**	**115.1**	**114.6**
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	118.4	125.4	113.5	113.7	113.2
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	158.0	148.6	149.4	149.4	147.7
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	124.7	121.6	126.2	126.8	127.1
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	125.2	125.0	127.4	127.2	127.4
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	143.3	147.3	138.5	138.5	139.1
2 खाद्य सूचकांक	**24.378**	**134.7**	**133.6**	**133.7**	**134.9**	**133.8**

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 22: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)

उद्योग	भारांक	2015-16	2016-17	अप्रैल	
				2016	2017
	1	2	3	4	5
सामान्य सूचकांक	100.00	114.9	120.7	114.4	117.9
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण					
1.1 खनन और उत्खनन	14.37	97.3	102.6	95.9	99.9
1.2 विनिर्माण	77.63	116.2	121.9	114.9	117.9
1.3 बिजली	7.99	133.8	141.6	142.9	150.6
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण					
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	112.0	117.5	113.1	117.0
2.2 पूंजीगत माल	8.22	98.0	101.0	92.9	91.7
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	118.4	122.4	115.6	120.9
2.4 इनफ्रास्ट्रक्चर/निर्माण माल	12.34	120.3	124.9	119.6	126.5
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	120.3	126.9	125.9	118.3
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	117.6	127.9	113.8	123.3

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

सं. 23ः केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल-मई			
	2017-18 (बजट अनुमान)	2017-18 (वास्तविक)	2016-17 (वास्तविक)	बजट अनुमान का प्रतिशत	
				2017-18	2016-17
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्तियां	**15,157.7**	**830.1**	**656.9**	**5.5**	**4.8**
1.1 कर राजस्व (निवल)	12,270.1	676.7	496.9	5.5	4.7
1.2 करेतर राजस्व	2,887.6	153.4	160.0	5.3	5.0
2 पूंजीगत प्राप्तियां	**6,309.6**	**3,760.1**	**2,323.6**	**59.6**	**38.7**
2.1 ऋण की वसूली	119.3	4.0	3.9	3.3	3.7
2.2 अन्य प्राप्तियां	725.0	22.6	29.8	3.1	5.3
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	5,465.3	3,733.6	2,289.9	68.3	42.9
3 कुल प्राप्तियां (1+2)	**21,467.4**	**4,590.3**	**2,980.5**	**21.4**	**15.1**
4 राजस्व व्यय	18,369.3	4,064.9	2,648.2	22.1	15.3
4.1 ब्याज भुगतान	5,230.8	690.1	547.1	13.2	11.1
5 पूंजी व्यय	3,098.0	525.4	332.3	17.0	13.5
6 कुल व्यय (4+5)	**21,467.4**	**4,590.3**	**2,980.5**	**21.4**	**15.1**
7 राजस्व घाटा (4-1)	**3,211.6**	**3,234.8**	**1,991.2**	**100.7**	**56.2**
8 राजकोषीय घाटा {6-(1+2.1+2.2)}	**5,465.3**	**3,733.6**	**2,289.9**	**68.3**	**42.9**
9 सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	**234.5**	**3,043.5**	**1,742.7**	**1,297.6**	**422.6**

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2016	2017					
		मई 27	अप्रै. 21	अप्रै. 28	मई 5	मई 12	मई 19	मई 26
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	323.7	473.3	360.9	354.9	317.2	273.1	297.6	262.7
1.2 प्राथमिक व्यापारी	243.5	343.8	172.3	167.0	217.2	258.0	247.7	235.0
1.3 राज्य सरकारें	146.2	490.9	381.2	331.2	480.2	593.2	625.4	711.7
1.4 अन्य	343.4	420.3	434.8	460.5	468.0	499.2	506.3	572.6
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	216.2	241.1	313.1	303.2	330.3	334.9	351.0	363.4
2.2 प्राथमिक व्यापारी	316.5	346.9	204.1	181.6	196.8	165.4	162.4	152.5
2.3 राज्य सरकारें	193.6	55.7	220.9	220.9	220.9	220.9	218.8	218.8
2.4 अन्य	120.9	130.7	132.9	165.3	122.7	151.0	140.6	137.5
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	512.3	459.4	631.8	551.8	623.9	567.4	617.1	567.8
3.2 प्राथमिक व्यापारी	551.8	670.1	450.0	481.0	468.1	468.8	478.2	489.9
3.3 राज्य सरकारें	26.3	19.6	25.2	25.2	25.2	25.2	25.2	25.2
3.4 अन्य	326.4	390.5	304.8	353.9	294.7	351.1	293.0	329.5
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 प्राथमिक व्यापारी	–	–	–	–	–	–	–	–
4.3 राज्य सरकारें	1,560.6	1,040.1	1,373.3	1,520.5	1,532.7	1,322.4	1,282.6	1,308.5
4.4 अन्य	5.1	11.0	12.7	13.2	12.3	4.2	5.9	5.5
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#	3,320.8	4,042.3	3,632.1	3,596.5	3,765.1	3,908.3	3,963.2	4,066.5

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि बिलियन ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियां			कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
मई 3	80	66	535.08	171.62	40	80.00	171.62	251.62	98.47	6.2322
मई 9	80	55	319.36	123.00	36	80.00	123.00	203.00	98.46	6.2735
मई 17	80	69	1,201.97	35.60	51	80.00	35.60	115.60	98.46	6.2735
मई 24	80	66	749.78	101.60	45	80.00	101.60	181.60	98.46	6.2735
मई 31	80	58	826.38	20.05	44	80.00	20.05	100.05	98.45	6.3149
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
मई 3	60	80	249.43	12.52	48	60.00	12.52	72.52	96.91	6.3946
मई 17	60	80	336.92	0.45	47	60.00	0.45	60.45	96.89	6.4373
मई 31	60	68	318.40	30.00	12	60.00	30.00	90.00	96.91	6.3946
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
अप्रै. 12	60	88	227.52	–	53	60.00	–	60.00	94.16	6.2192
अप्रै. 26	60	92	276.33	–	41	60.00	–	60.00	93.96	6.4459
मई 9	60	68	249.80	–	28	60.00	–	60.00	93.93	6.4800
मई 24	60	72	292.57	–	22	60.00	–	60.00	93.94	6.4686

वित्तीय बाजार

सं. 26ः दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार		दरों का दायरा	भारित औसत दरें
		उधार लेना/उधार देना	उधार लेना/उधार देना
		1	2
मई	2, 2017	3.50-6.25	5.99
मई	3, 2017	3.50-6.25	5.99
मई	4, 2017	3.50-6.25	5.98
मई	5, 2017	3.50-6.25	5.98
मई	6, 2017	4.60-6.20	5.90
मई	8, 2017	3.50-6.40	6.08
मई	9, 2017	3.50-6.30	6.08
मई	11, 2017	3.50-6.25	6.01
मई	12, 2017	3.50-6.25	6.11
मई	15, 2017	3.50-6.40	6.05
मई	16, 2017	3.50-6.35	6.06
मई	17, 2017	3.50-6.30	6.04
मई	18, 2017	3.50-6.30	6.05
मई	19, 2017	3.50-6.30	6.04
मई	20, 2017	4.00-6.10	5.85
मई	22, 2017	3.50-6.30	6.06
मई	23, 2017	3.55-6.25	6.06
मई	24, 2017	3.55-6.30	6.07
मई	25, 2017	3.55-6.25	6.00
मई	26, 2017	3.55-6.25	6.02
मई	29, 2017	3.55-6.30	6.09
मई	30, 2017	3.55-6.25	6.02
मई	31, 2017	3.55-6.40	6.03
जून	1, 2017	4.55-6.25	6.04
जून	2, 2017	5.00-6.25	6.03
जून	3, 2017	4.50-6.25	5.67
जून	5, 2017	5.00-6.25	6.06
जून	6, 2017	5.00-6.35	6.10
जून	7, 2017	5.00-6.40	6.18
जून	8, 2017	5.00-6.30	6.13
जून	9, 2017	5.00-6.30	6.13
जून	12, 2017	5.00-6.25	6.04
जून	13, 2017	5.00-6.30	6.04
जून	14, 2017	5.00-6.40	6.13
जून	15, 2017	5.00-6.25	6.06

टिप्पणीः नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2016	2017			
	मई 27	अप्रै. 14	अप्रै. 28	मई 12	मई 26
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	2,305.0	1,830.9	1,723.1	1,734.1	1,539.4
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	93.2	302.7	48.9	89.9	132.2
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	7.12-7.66	6.00-6.72	6.10-6.72	6.40-6.95	6.38-6.99

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2016	2017			
	मई 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30	मई 15	मई 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	3,632.0	4,367.4	4,399.8	4,672.2	3,913.3
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	911.1	644.8	655.2	941.8	757.6
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.77-12.75	5.90-11.97	5.99-11.97	6.16-11.95	6.20-11.94

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2016	2017					
		मई 27	अप्रै. 21	अप्रै. 28	मई 5	मई 12	मई 19	मई 26
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	259.0	314.5	270.0	222.6	152.9	276.2	213.8	234.1
2 नोटिस मुद्रा	46.8	1.9	6.2	64.8	44.3	9.0	66.8	11.5
3 मीयादी मुद्रा	8.4	9.0	7.0	6.7	9.8	7.9	5.2	6.4
4 सीबीएलओ	1,700.2	1,470.3	2,064.6	2,194.9	1,737.8	1,498.5	2,151.8	1,642.3
5 बाजार रिपो	1,753.3	1,768.6	1,462.1	2,030.9	1,372.2	1,725.2	1,913.2	1,851.1
6 कार्पोरेट बांड में रिपो	2.5	0.9	2.5	4.5	3.8	4.0	3.1	2.8
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	58,309	54,793	64,279	50,294	55,733	61,671	53,597
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	1,249.1	659.8	698.1	714.3	632.7	659.5	1,092.3	923.1
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	50.7	39.7	42.1	47.8	41.0	27.5	40.2	42.3
10 खज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	45.1	28.2	26.9	24.2	23.2	39.2	51.3	33.1
10.2 182-दिवसीय	11.8	4.4	12.8	4.4	8.8	5.0	6.2	14.0
10.3 364-दिवसीय	18.5	13.1	4.0	8.6	2.8	7.8	4.3	10.0
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13.8	–	–	21.4	22.9	39.7	22.0	3.6
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	1388.8	745.2	784.0	820.8	731.4	778.7	1,216.4	1,026.1
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	–	31.8	7.3	2.5	0.1	0.3	0.0	0.0

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2016-17 *		2016-17 (अप्रै.-मई)		2017-18 (अप्रै.-मई)*		मई 2016		मई 2017*	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	**116**	**303.6**	**10**	**44.2**	**17**	**14.9**	**5**	**8.5**	**6**	**2.6**
1ए प्रीमियम	113	291.3	9	41.0	17	14.1	5	7.9	6	2.3
1.1 पब्लिक	105	280.7	9	43.4	15	11.2	4	7.7	6	2.6
1.1.1 प्रीमियम	102	270.4	8	40.3	15	10.7	4	7.2	6	2.3
1.2 राइट्स	11	22.9	1	0.8	2	3.7	1	0.8	–	–
1.2.1 प्रीमियम	11	20.9	1	0.7	2	3.4	1	0.7	–	–
2 अधिमान शेयर	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
2.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3 डिबेंचर	**16**	**295.6**	**4**	**19.0**	**1**	**19.7**	**2**	**12.3**	**–**	**–**
3.1 परिवर्तनीय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अपरिवर्तनीय	16	295.6	4	19.0	1	19.7	2	12.3	–	–
3.1.1 पब्लिक	16	295.6	4	19.0	1	19.7	2	12.3	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4 बांड	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**
4.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल (1+2+3+4)	**132**	**599.2**	**14**	**63.2**	**18**	**34.6**	**7**	**20.8**	**6**	**2.6**
5.1 पब्लिक	121	576.2	13	62.4	16	30.9	6	20.1	6	2.6
5.2 राइट्स	11	22.9	1	0.8	2	3.7	1	0.8	–	–

* आंकड़े अनंतिम है।
स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2016-17	2016	2017				
			मई	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.	मई
		1	2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	बिलियन ₹	18,541.0	1,483.4	1,517.2	1,713.3	1,919.9	1,589.1	1,547.1
	अमरीकी मिलियन डालर	276,547.0	22,170.6	22,285.6	25,543.5	29,144.5	24,635.2	24,014.6
1.1 तेल	बिलियन ₹	2,120.3	137.2	186.9	171.0	245.0	191.0	165.0
	अमरीकी मिलियन डालर	31,622.3	2,050.7	2,744.7	2,549.6	3,718.4	2,960.5	2,561.7
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	16,420.7	1,346.2	1,330.4	1,542.3	1,675.0	1,398.2	1,382.1
	अमरीकी मिलियन डालर	244,924.7	20,120.0	19,540.9	22,993.9	25,426.1	21,674.7	21,452.9
2 आयात	बिलियन ₹	25,668.2	1,903.1	2,173.4	2,229.0	2,613.3	2,458.6	2,438.9
	अमरीकी मिलियन डालर	382,740.9	28,443.5	31,924.3	33,231.4	39,668.9	38,113.6	37,856.3
2.1 तेल	बिलियन ₹	5,825.6	397.3	555.8	516.7	639.9	474.8	495.6
	अमरीकी मिलियन डालर	86,865.7	5,938.6	8,164.5	7,703.3	9,714.0	7,360.3	7,692.7
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	19,842.6	1,505.7	1,617.6	1,712.3	1,973.3	1,983.8	1,943.3
	अमरीकी मिलियन डालर	295,875.2	22,504.9	23,759.7	25,528.1	29,954.9	30,753.3	30,163.6
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	–7,127.2	–419.7	–656.2	–515.7	–693.3	–869.5	–891.8
	अमरीकी मिलियन डालर	–106,193.9	–6,272.9	–9,638.7	–7,687.9	–10,524.4	–13,478.4	–13,841.7
3.1 तेल	बिलियन ₹	–3,705.4	–260.1	–369.0	–345.7	–395.0	–283.8	–330.6
	अमरीकी मिलियन डालर	–55,243.4	–3,887.9	–5,419.9	–5,153.7	–5,995.6	–4,399.8	–5,131.0
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	–3,421.9	–159.6	–287.2	–170.0	–298.3	–585.6	–561.2
	अमरीकी मिलियन डालर	–50,950.6	–2,385.0	–4,218.8	–2,534.2	–4,528.8	–9,078.6	–8,710.7

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2016	2017					
		जून 24	मई 19	मई 26	जून 2	जून 9	जून 16	जून 23
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	**बिलियन ₹**	**24,375**	**24,630**	**24,453**	**24,553**	**24,494**	**24,664**	**24,683**
	अमरीकी मिलियन डालर	**360,798**	**379,311**	**378,764**	**381,168**	**381,156**	**381,955**	**382,532**
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	22,745	23,072	22,897	23,012	22,954	23,123	23,142
	अमरीकी मिलियन डालर	336,580	355,097	354,542	357,290	357,282	358,084	358,665
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,366	1,313	1,313	1,297	1,297	1,297	1,297
	अमरीकी मिलियन डालर	20,329	20,439	20,439	20,096	20,096	20,096	20,096
1.3 एसडीआर	बिलियन ₹	1,066	1,064	1,064	1,064	1,064	1,064	1,064
	अमरीकी मिलियन डालर	101	96	95	95	95	95	95
	बिलियन ₹	1,490	1,469	1,472	1,472	1,471	1,469	1,468
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	163	150	149	149	148	149	149
	अमरीकी मिलियन डालर	2,399	2,305	2,310	2,310	2,308	2,306	2,304

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(मिलियन अमरीकी डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2016-17	2016	2017		2016-17	2017-18
		मई	अप्रै.	मई	अप्रै.-मई	अप्रै.-मई
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	**116,867**	**126,748**	**117,217**	**117,343**	**709**	**114**
1.1 एफसीएनआर (बी)	21,002	45,295	21,054	21,212	–21	210
1.2 एनआर (ई) आरए	83,213	71,425	83,654	83,592	737	64
1.3 एनआरओ	12,652	10,028	12,509	12,540	–7	–160

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2016-17	2016-17	2017-18	2016	2017	
		अप्रै.-मई	अप्रै.-मई	मई	अप्रै.	मई
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	**35,612**	**2,622**	**5,209**	**1,365**	**1,804**	**3,405**
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1. 1.1.2)	**42,215**	**4,215**	**7,401**	**1,419**	**3,348**	**4,053**
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	**60,220**	**8,117**	**10,022**	**3,369**	**4,659**	**5,364**
1.1.1.1.1ईक्विटी	44,701	5,534	7,478	2,078	3,323	4,155
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	5,900	582	145	129	36	109
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	30,417	2,185	5,889	1,031	2,521	3,368
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7,161	2,578	1,254	823	671	583
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	1,223	189	189	95	95	95
1.1.1.1.2पुनर्निवेशित आय	12,343	2,113	2,113	1,056	1,056	1,056
1.1.1.1.3अन्य पूंजी	3,176	470	431	235	279	152
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	**18,005**	**3,902**	**2,621**	**1,951**	**1,311**	**1,311**
1.1.1.2.1ईक्विटी	17,318	3,856	2,579	1,928	1,290	1,290
1.1.1.2.2अन्य पूंजी	687	46	42	23	21	21
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	**6,603**	**1,594**	**2,192**	**53**	**1,544**	**648**
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	9,792	1,816	1,211	316	783	428
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	2,925	488	488	244	244	244
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4,450	907	776	302	658	117
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	10,564	1,617	282	808	141	141
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	**7,612**	**2,095**	**8,464**	**–1,334**	**3,218**	**5,246**
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	–	–	–	–	–	–
1.2.2 एफआईआई	7,766	1,520	7,333	–1,622	2,653	4,681
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	–	–	–	–	–	–
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	154	–575	–1,131	–288	–566	–566
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	**43,224**	**4,717**	**13,674**	**31**	**5,022**	**8,651**

सं. 35: निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2016-17	2016	2017		
		मई	मार्च	अप्रै.	मई
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	**8,170.7**	**628.3**	**872.3**	**761.3**	**847.1**
1.1 जमाराशियां	283.8	13.1	66.3	49.0	27.9
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	92.9	9.1	10.2	6.7	6.7
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	443.6	25.8	95.6	43.1	30.7
1.4 उपहार	749.5	62.4	87.1	105.3	95.9
1.5 दान	8.8	0.3	2.2	2.5	0.6
1.6 यात्रा	2,568.0	229.1	203.3	200.4	285.2
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,169.5	175.1	267.9	244.8	256.5
1.8 चिकित्सा उपचार	17.3	1.2	2.2	2.2	1.6
1.9 विदेश में शिक्षा	1,536.4	90.4	115.1	90.3	133.0
1.10 अन्य	300.8	21.7	22.3	17.0	9.0

सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)

मद	2015-16	2016-17	2016	2017	
			जून	मई	जून
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	74.76	74.66	73.26	78.30	77.85
1.2 रीर	112.07	114.50	112.91	118.79	118.10
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	76.45	76.39	75.02	80.12	79.76
2.2 रीर	114.44	116.45	115.07	120.65	120.09
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	67.52	67.17	65.70	70.44	69.85
1.2 रीर	122.71	125.99	123.36	132.51	131.41
2 आधार : 2015-16 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	100.00	99.47	97.29	104.31	103.45
2.2 रीर	100.00	102.67	100.53	107.98	107.09

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार पंजीकरण

(राशि अमरीकी मिलियन डालर में)

मद	2016-17	2016	2017	
		मई	अप्रै.	मई
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	729	50	55	44
1.2 राशि	16,247	473	1,660	1,049
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	37	6	1	1
2.2 राशि	5,738	845	39	1
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	766	56	56	45
3.2 राशि	21,985	1,318	1,699	1,050
4 भारित औसत परिपक्वता (वर्षों में)	5.30	5.20	6.20	5.20
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारित औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.62	1.63	2.53	1.56
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-14.75	1.00-14.00	0.00-12.00	0.00-11.00

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	जन.-मार्च 2016 (आं.सं)			जन.-मार्च 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**252,123**	**248,848**	**3,274**	**283,799**	**276,488**	**7,312**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**124,652**	**124,990**	**–338**	**138,288**	**141,741**	**–3,452**
1.1 पण्य	**65,831**	**90,586**	**–24,755**	**77,354**	**107,076**	**–29,722**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**58,821**	**34,404**	**24,417**	**60,934**	**34,665**	**26,270**
1.2.1 सेवाएं	39,413	23,336	16,077	40,717	23,081	17,636
1.2.1.1 यात्रा	5,904	3,580	2,324	6,720	3,630	3,090
1.2.1.2 परिवहन	3,550	3,666	–115	4,226	3,694	533
1.2.1.3 बीमा	520	249	271	591	439	153
1.2.1.4 जीएनआईई	133	230	–97	136	146	–10
1.2.1.5 विविध	29,306	15,611	13,695	29,043	15,173	13,871
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	18,064	736	17,328	17,813	974	16,839
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	7,291	8,664	–1,373	8,320	8,176	144
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	983	596	387	1,007	1,431	–424
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	601	344	257	666	204	462
1.2.2 अंतरण	15,729	768	14,961	15,735	1,549	14,186
1.2.2.1 आधिकारिक	41	225	–185	34	216	–183
1.2.2.2 निजी	15,689	542	15,146	15,701	1,333	14,368
1.2.3 आय	3,679	10,300	–6,621	4,482	10,034	–5,552
1.2.3.1 निवेश आय	2,839	9,749	–6,910	3,366	9,399	–6,033
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	839	551	288	1,116	635	481
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**127,313**	**123,858**	**3,455**	**145,139**	**134,747**	**10,392**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**66,942**	**59,683**	**7,259**	**85,079**	**69,283**	**15,796**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	16,114	7,318	8,797	13,999	9,001	4,997
2.1.1.1 भारत में	14,752	3,367	11,384	12,342	3,201	9,141
2.1.1.1.1 इक्विटी	10,895	3,343	7,553	7,968	2,818	5,149
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3,098	–	3,098	3,241	–	3,241
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	758	25	733	1,133	383	750
2.1.1.2 विदेश में	1,363	3,950	–2,588	1,657	5,800	–4,143
2.1.1.2.1 इक्विटी	1,363	2,367	–1,004	1,657	3,471	–1,814
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	834	–834	0	731	–731
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	749	–749	0	1,598	–1,598
2.1.2 संविभाग निवेश	50,828	52,366	–1,538	71,080	60,282	10,799
2.1.2.1 भारत में	50,540	51,327	–787	70,858	59,727	11,131
2.1.2.1.1 एफआईआई	50,540	51,327	–787	70,858	59,727	11,131
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	40,988	40,805	183	57,118	50,678	6,440
2.1.2.1.1.2 ऋण	9,552	10,522	–970	13,739	9,049	4,691
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	288	1,038	–751	223	554	–332
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**32,714**	**31,444**	**1,270**	**34,267**	**30,279**	**3,987**
2.2.1 बाह्य सहायता	2,134	1,147	987	2,020	1,154	866
2.2.1.1 भारत द्वारा	15	126	–111	14	58	–43
2.2.1.2 भारत को	2,119	1,021	1,098	2,005	1,096	909
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	7,025	9,381	–2,356	6,976	7,851	–875
2.2.2.1 भारत द्वारा	1,926	1,646	280	1,736	1,675	61
2.2.2.2 भारत को	5,099	7,735	–2,636	5,240	6,176	–936
2.2.3 भारत को अल्पावधि	23,556	20,917	2,639	25,270	21,274	3,996
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	22,505	20,917	1,588	24,645	21,274	3,371
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	1,051	0	1,051	625	0	625
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**18,939**	**27,941**	**–9,002**	**16,039**	**29,081**	**–13,042**
2.3.1 वाणिज्य बैंक	18,904	27,941	–9,036	16,034	29,081	–13,047
2.3.1.1 आस्तियां	3,001	12,954	–9,952	163	11,215	–11,053
2.3.1.2 देयताएं	15,903	14,987	916	15,872	17,866	–1,994
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	15,052	10,664	4,388	15,006	12,308	2,698
2.3.2 अन्य	34	0	34	5	0	5
2.4 रुपया ऋण चुकौती	–	22	–22	0	48	–48
2.5 अन्य पूंजी	8,718	4,767	3,951	9,755	6,056	3,698
3 भूल-चूक	**158**	–	**158**	**372**	–	**372**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**3,274**	**–3,274**	0	**7,312**	**–7,312**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	–	3,274	–3,274	0	7,312	–7,312

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(बिलियन ₹)

मद	जन.-मार्च 2016 (आं.सं)			जन.-मार्च 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**17,019**	**16,798**	**221**	**19,018**	**18,528**	**490**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**8,414**	**8,437**	**–23**	**9,267**	**9,498**	**–231**
1.1 पण्य	**4,444**	**6,115**	**–1,671**	**5,184**	**7,175**	**–1,992**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**3,971**	**2,322**	**1,648**	**4,083**	**2,323**	**1,760**
1.2.1 सेवाएं	2,661	1,575	1,085	2,728	1,547	1,182
1.2.1.1 यात्रा	399	242	157	450	243	207
1.2.1.2 परिवहन	240	247	–8	283	248	36
1.2.1.3 बीमा	35	17	18	40	29	10
1.2.1.4 जीएनआईई	9	16	–7	9	10	–1
1.2.1.5 विविध	1,978	1,054	924	1,946	1,017	929
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,219	50	1,170	1,194	65	1,128
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	492	585	–93	558	548	10
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	66	40	26	67	96	–28
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	41	23	17	45	14	31
1.2.2 अंतरण	1,062	52	1,010	1,054	104	951
1.2.2.1 आधिकारिक	3	15	–12	2	14	–12
1.2.2.2 निजी	1,059	37	1,022	1,052	89	963
1.2.3 आय	248	695	–447	300	672	–372
1.2.3.1 निवेश आय	192	658	–466	226	630	–404
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	57	37	19	75	43	32
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**8,594**	**8,361**	**233**	**9,726**	**9,030**	**696**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	4,519	4,029	490	5,701	4,643	1,059
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1,088	494	594	938	603	335
2.1.1.1 भारत में	996	227	768	827	214	613
2.1.1.1.1 इक्विटी	735	226	510	534	189	345
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	209	0	209	217	0	217
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	51	2	50	76	26	50
2.1.1.2 विदेश में	92	267	–175	111	389	–278
2.1.1.2.1 इक्विटी	92	160	–68	111	233	–122
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	56	–56	0	49	–49
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	51	–51	0	107	–107
2.1.2 संविभाग निवेश	3,431	3,535	–104	4,763	4,040	724
2.1.2.1 भारत में	3,412	3,465	–53	4,748	4,002	746
2.1.2.1.1 एफआईआई	3,412	3,465	–53	4,748	4,002	746
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	2,767	2,755	12	3,828	3,396	432
2.1.2.1.1.2 ऋण	645	710	–65	921	606	314
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	19	70	–51	15	37	–22
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**2,208**	**2,123**	**86**	**2,296**	**2,029**	**267**
2.2.1 बाह्य सहायता	144	77	67	135	77	58
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	8	–7	1	4	–3
2.2.1.2 भारत को	143	69	74	134	73	61
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	474	633	–159	467	526	–59
2.2.2.1 भारत द्वारा	130	111	19	116	112	4
2.2.2.2 भारत को	344	522	–178	351	414	–63
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,590	1,412	178	1,693	1,426	268
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,519	1,412	107	1,652	1,426	226
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	71	0	71	42	0	42
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**1,278**	**1,886**	**–608**	**1,075**	**1,949**	**–874**
2.3.1 वाणिज्य बैंक	1,276	1,886	–610	1,074	1,949	–874
2.3.1.1 आस्तियां	203	874	–672	11	752	–741
2.3.1.2 देयताएं	1,074	1,012	62	1,064	1,197	–134
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	1,016	720	296	1,006	825	181
2.3.2 अन्य	2	0	2	0	0	0
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	2	–2	0	3	–3
2.5 अन्य पूंजी	589	322	267	654	406	248
3 भूल-चूक	**11**	0	**11**	**25**	–	**25**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**221**	**–221**	0	**490**	**–490**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	221	–221	0	490	–490

सं. 40: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	जन.-मार्च 2016 (आं.सं)			जन.-मार्च 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**124,651**	**124,969**	**–318**	**138,288**	**141,721**	**–3,433**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**105,244**	**113,921**	**–8,678**	**118,071**	**130,157**	**–12,086**
1.अ.क.माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**65,831**	**90,586**	**–24,755**	**77,354**	**107,076**	**–29,722**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	68,053	85,295	–17,242	77,623	97,379	–19,756
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	–2,222	0	–2,222	–268	0	–268
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	–	5,291	–5,291	–	9,697	–9,697
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**39,413**	**23,336**	**16,077**	**40,717**	**23,081**	**17,636**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	40	26	14	23	11	12
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	31	83	–51	68	116	–48
1.अ.ख.3 परिवहन	3,550	3,666	–115	4,226	3,694	533
1.अ.ख.4 यात्रा	5,904	3,580	2,324	6,720	3,630	3,090
1.अ.ख.5 निर्माण	499	314	185	564	244	320
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	520	249	271	591	439	153
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	983	596	387	1,007	1,431	–424
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	97	1,088	–991	140	1,342	–1,203
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	18,750	1,192	17,558	18,551	1,278	17,274
1.अ.ख.10अन्य कारोबारी सेवाएं	7,291	8,664	–1,373	8,320	8,176	144
1.अ.ख.11वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	338	150	188	328	454	–126
1.अ.ख.12अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	133	230	–97	136	146	–10
1.अ.ख.13अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	1,277	3,499	–2,222	42	2,121	–2,079
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**3,679**	**10,300**	**–6,621**	**4,482**	**10,034**	**–5,552**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	839	551	288	1,116	635	481
1.आ.2 निवेश आय	2,419	9,589	–7,170	2,624	9,182	–6,558
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,406	4,525	–3,119	1,319	4,376	–3,057
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	26	1,886	–1,860	46	1,677	–1,630
1.आ.2.3 अन्य निवेश	160	3,177	–3,017	243	3,129	–2,886
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	826	1	825	1,015	0	1,015
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	421	160	261	742	217	525
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**15,729**	**747**	**14,982**	**15,734**	**1,529**	**14,205**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	15,689	542	15,146	15,701	1,333	14,368
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	15,155	463	14,692	15,155	1,075	14,080
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	534	80	454	546	259	288
1.इ.2 सामान्य सरकार	40	205	–165	33	196	–163
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**73**	**62**	**11**	**96**	**72**	**24**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	27	7	20	49	13	36
2.2 पूँजी अंतरण	46	55	–9	47	60	–13
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**127,240**	**127,091**	**149**	**145,044**	**142,006**	**3,038**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**16,114**	**7,318**	**8,797**	**13,999**	**9,001**	**4,997**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	14,752	3,367	11,384	12,342	3,201	9,141
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	13,994	3,343	10,651	11,209	2,818	8,390
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	10,895	3,343	7,553	7,968	2,818	5,149
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3,098	–	3,098	3,241	–	3,241
3.1.अ.2 ऋण लिखत	758	25	733	1,133	383	750
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	758	25	733	1,133	383	750
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	1,363	3,950	–2,588	1,657	5,800	–4,143
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,363	3,201	–1,838	1,657	4,202	–2,545
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	1,363	2,367	–1,004	1,657	3,471	–1,814
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	–	834	–834	–	731	–731
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	749	–749	0	1,598	–1,598
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	–	749	–749	–	1,598	–1,598
3.2 संविभाग निवेश	**50,828**	**52,366**	**–1,538**	**71,080**	**60,282**	**10,799**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	50,540	51,327	–787	70,858	59,727	11,131
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	40,988	40,805	183	57,118	50,678	6,440
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	9,552	10,522	–970	13,739	9,049	4,691
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	288	1,038	–751	223	554	–332
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**4,858**	**2,330**	**2,528**	**4,371**	**1,458**	**2,914**
3.4 अन्य निवेश	**55,441**	**61,803**	**–6,363**	**55,594**	**63,954**	**–8,360**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	15,086	10,664	4,422	15,011	12,308	2,702
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	34	0	34	5	0	5
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	15,052	10,664	4,388	15,006	12,308	2,698
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	13,011	27,804	–14,793	10,024	25,777	–15,753
3.4.3अ भारत को ऋण	11,070	26,033	–14,962	8,274	24,045	–15,771
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	1,941	1,771	169	1,750	1,733	18
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	28	709	–681	30	171	–142
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	23,556	20,917	2,639	25,270	21,274	3,996
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	3,760	1,709	2,051	5,259	4,423	837
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	–	–	–
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	**3,274**	**–3,274**	0	**7,312**	**–7,312**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	3,274	–3,274	0	7,312	–7,312
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**127,240**	**127,091**	**149**	**145,044**	**142,006**	**3,038**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	61,517	51,426	10,091	74,607	59,882	14,725
4.2 ऋण लिखत	61,963	70,681	–8,719	65,178	70,390	–5,212
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	3,760	4,984	–1,224	5,259	11,734	–6,475
5. निवल भूल-चूक	**158**	–	**158**	**372**	–	**372**

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	जन.-मार्च 2016 (आं.सं)			जन.-मार्च 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**8,414**	**8,436**	**–21**	**9,267**	**9,497**	**–230**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**7,104**	**7,690**	**–586**	**7,912**	**8,722**	**–810**
1.अ.क.माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**4,444**	**6,115**	**–1,671**	**5,184**	**7,175**	**–1,992**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	4,594	5,758	–1,164	5,202	6,525	–1,324
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	–150	0	–150	–18	0	–18
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	357	–357	–	650	–650
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**2,661**	**1,575**	**1,085**	**2,728**	**1,547**	**1,182**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	3	2	1	2	1	1
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	2	6	–3	5	8	–3
1.अ.ख.3 परिवहन	240	247	–8	283	248	36
1.अ.ख.4 यात्रा	399	242	157	450	243	207
1.अ.ख.5 निर्माण	34	21	12	38	16	21
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	35	17	18	40	29	10
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	66	40	26	67	96	–28
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	7	73	–67	9	90	–81
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,266	80	1,185	1,243	86	1,158
1.अ.ख.10अन्य कारोबारी सेवाएं	492	585	–93	558	548	10
1.अ.ख.11वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	23	10	13	22	30	–8
1.अ.ख.12अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	9	16	–7	9	10	–1
1.अ.ख.13अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	86	236	–150	3	142	–139
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**248**	**695**	**–447**	**300**	**672**	**–372**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	57	37	19	75	43	32
1.आ.2 निवेश आय	163	647	–484	176	615	–439
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	95	305	–211	88	293	–205
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	2	127	–126	3	112	–109
1.आ.2.3 अन्य निवेश	11	214	–204	16	210	–193
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	56	0	56	68	0	68
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	28	11	18	50	15	35
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**1,062**	**50**	**1,011**	**1,054**	**102**	**952**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,059	37	1,022	1,052	89	963
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	1,023	31	992	1,016	72	944
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	36	5	31	37	17	19
1.इ.2 सामान्य सरकार	3	14	–11	2	13	–11
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**5**	**4**	**1**	**6**	**5**	**2**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	2	0	1	3	1	2
2.2 पूँजी अंतरण	3	4	–1	3	4	–1
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**8,589**	**8,579**	**10**	**9,720**	**9,516**	**204**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**1,088**	**494**	**594**	**938**	**603**	**335**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	996	227	768	827	214	613
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	945	226	719	751	189	562
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	735	226	510	534	189	345
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	209	0	209	217	0	217
3.1.अ.2 ऋण लिखत	51	2	50	76	26	50
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	51	2	50	76	26	50
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	92	267	–175	111	389	–278
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	92	216	–124	111	282	–171
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	92	160	–68	111	233	–122
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	56	–56	0	49	–49
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	51	–51	0	107	–107
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	51	–51	0	107	–107
3.2 संविभाग निवेश	**3,431**	**3,535**	**–104**	**4,763**	**4,040**	**724**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	3,412	3,465	–53	4,748	4,002	746
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	2,767	2,755	12	3,828	3,396	432
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	645	710	–65	921	606	314
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	19	70	–51	15	37	–22
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**328**	**157**	**171**	**293**	**98**	**195**
3.4 अन्य निवेश	**3,742**	**4,172**	**–429**	**3,725**	**4,286**	**–560**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	1,018	720	299	1,006	825	181
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	2	0	2	0	0	0
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	1,016	720	296	1,006	825	181
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	878	1,877	–999	672	1,727	–1,056
3.4.3अ भारत को ऋण	747	1,757	–1,010	554	1,611	–1,057
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	131	120	11	117	116	1
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	2	48	–46	2	11	–10
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,590	1,412	178	1,693	1,426	268
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	254	115	138	352	296	56
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	–	–	–
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	**221**	**–221**	0	**490**	**–490**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	221	–221	0	490	–490
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**8,589**	**8,579**	**10**	**9,720**	**9,516**	**204**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	4,153	3,471	681	5,000	4,013	987
4.2 ऋण लिखत	4,183	4,771	–589	4,368	4,717	–349
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	254	336	–83	352	786	–434
5. निवल भूल-चूक	**11**	–	**11**	**25**	–	**25**

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष/समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2016-17		2016				2017	
			मार्च		दिसं.		मार्च	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	148,229	342,651	141,626	293,862	144,086	318,519	148,229	342,651
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	99,114	327,845	96,961	280,267	96,569	304,538	99,114	327,845
1.2 अन्य पूंजी	49,115	14,806	44,665	13,595	47,516	13,981	49,115	14,806
2 संविभाग निवेश	2,615	238,678	2,461	224,788	2,283	221,189	2,615	238,678
2.1 इक्विटी	1,593	153,978	1,541	141,864	2,280	140,567	1,593	153,978
2.2 ऋण	1,022	84,700	919	82,924	4	80,622	1,022	84,700
3 अन्य निवेश	45,032	377,339	47,460	392,523	37,734	365,341	45,032	377,339
3.1 व्यापार ऋण	3,429	88,821	4,548	82,283	3,585	84,779	3,429	88,821
3.2 ऋण	7,306	159,893	6,688	170,426	4,220	160,216	7,306	159,893
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,073	117,110	20,861	127,109	14,594	110,020	20,073	117,110
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	14,223	11,515	15,363	12,705	15,335	10,327	14,223	11,515
4 रिज़र्व्स	369,955	–	360,177	–	358,898	–	369,955	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	565,830	958,668	551,724	911,174	543,001	905,049	565,830	958,668
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		–392,838		–359,450		–362,048		–392,838

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2016-17	2017			2016-17	2017		
		मार्च	अप्रै.	मई		मार्च	अप्रै.	मई
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 आरटीजीएस	**107.86**	**12.54**	**9.54**	**10.43**	**1,253,652.08**	**154,094.85**	**111,743.70**	**113,312.69**
1.1 ग्राहक लेनदेन	103.66	12.14	9.23	10.09	849,950.51	111,825.01	73,603.70	80,716.62
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	4.17	0.39	0.31	0.35	131,953.25	11,550.82	14,908.49	9,453.90
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.018	0.002	0.002	0.002	271,748.31	30,719.02	23,231.51	23,142.16
2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली	**3.65**	**0.29**	**0.25**	**0.29**	**1,056,173.36**	**94,415.57**	**80,878.53**	**86,202.69**
2.1 सीबीएलओ	0.22	0.02	0.01	0.02	229,528.33	27,536.97	21,151.19	21,769.86
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.51	0.09	0.08	0.10	404,389.08	29,315.32	24,111.22	31,150.92
2.2.1 एकमुश्त	1.34	0.07	0.07	0.08	168,741.46	8,522.45	7,482.65	9,926.66
2.2.2 रिपो	0.168	0.015	0.014	0.016	235,647.62	20,792.87	16,628.57	21,224.26
2.3 विदेशी समाशोधन	1.93	0.19	0.16	0.17	422,255.95	37,563.28	35,616.13	33,281.91
3 पेपर समाशोधन	**1,206.69**	**127.98**	**99.97**	**101.63**	**80,958.15**	**8,654.94**	**7,351.49**	**7,100.00**
3.1 चेक ट्रंकेशन प्रणाली	1,111.86	119.21	95.26	97.08	74,035.22	8,062.77	6,990.65	6,745.89
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.2 अन्य केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	94.83	8.78	4.71	4.55	6,922.93	592.17	360.84	354.10
4 खुदरा इलेक्ट्रानिक समाशोधन	**4,204.96**	**446.28**	**431.10**	**427.36**	**132,250.12**	**17,769.89**	**13,700.63**	**13,768.40**
4.1 ईसीएस नामे	8.76	0.23	0.19	0.17	39.14	1.55	1.21	1.06
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	10.10	0.92	0.49	0.62	144.08	9.69	9.68	10.36
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	1,622.10	186.70	143.17	155.82	120,039.68	16,294.50	12,156.17	12,410.81
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	506.73	67.41	65.08	66.72	4,111.06	564.68	562.06	585.59
4.5 राष्ट्रीय स्वचलित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	2,057.27	191.01	222.17	204.03	7,916.17	899.47	971.50	760.58
5 कार्ड	**12,055.87**	**1,089.38**	**1,035.38**	**1,038.86**	**30,214.00**	**2,952.64**	**2,877.17**	**2,903.02**
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,093.51	108.10	107.06	115.88	3,312.21	336.20	333.76	364.02
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	6.37	0.49	0.48	0.55	28.39	2.29	2.33	2.61
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,087.13	107.61	106.58	115.33	3,283.82	333.90	331.43	361.41
5.2 डेबिट कार्ड	10,962.36	981.28	928.32	922.99	26,901.79	2,616.45	2,543.41	2,539.00
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	8,563.06	710.11	660.32	655.47	23,602.73	2,259.46	2,168.60	2,163.92
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	2,399.30	271.17	268.00	267.51	3,299.07	356.99	374.82	375.08
6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)	**1,963.66**	**342.09**	**352.23**	**278.08**	**838.01**	**106.77**	**103.71**	**106.69**
6.1 एम-वॉलेट	1,629.98	307.45	320.87	241.72	532.42	73.12	74.42	71.94
6.2 पीपीआई कार्ड	333.11	34.58	31.32	36.32	277.52	30.88	27.45	32.75
6.3 पेपर वाउचर	0.51	0.06	0.04	0.04	25.36	2.77	1.85	2.01
7 मोबाइल बैंकिंग	**976.85**	**113.65**	**106.18**	**114.10**	**13,104.76**	**1,730.88**	**1,612.17**	**2,133.07**
8 कार्ड बकाया	**884.72**	**884.72**	**897.38**	**910.88**	–	–	–	–
8.1 क्रेडिट कार्ड	29.84	29.84	30.37	30.86	–	–	–	–
8.2 डेबिट कार्ड	854.87	854.87	867.00	880.03	–	–	–	–
9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)	**222475**	**222475**	**221959**	**222813**	–	–	–	–
10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)	**2529141**	**2529141**	**2614584**	**2692986**	–	–	–	–
11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)	**19,542.66**	**2,018.57**	**1,928.48**	**1,856.65**	**2,282,337.40**	**247,275.65**	**193,423.72**	**200,251.32**

टिप्पणियाः पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।

3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।

4.1 से 4.4, 4.8.4.12 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।

4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।

4.9 से 4.11 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।

सारणी सं. 2

2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।

2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

http://nsdp.rbi.org.in के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वता वार बकाया फॉर्वर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्ज़िम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकडे सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।

2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं.7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं.8

एनएम2 और एनएम3 में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।

2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।

2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं.9

वित्तीय संस्थाओं में एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।

एल1 और एल2 मासिक आधार पर और एल3 तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।

जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनःदिए गए हैं।

सारणी सं.13

कालम सं (1),(2) और (3) के सामने दर्शाए गए आंकड़े अंतिम (आरआरबी सहित) हैं और कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम (आरआरबी को छोड़कर) हैं।

सारणी सं.15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों से संबंधित है (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 95 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि. 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका. प्लान.बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

चूँकि भारतीय स्टेट बैंक से समामेलन के उपरांत के समेकित आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं, अत: 28 अप्रैल 2017 के आंकड़ों के लिए इसकी चारों पूर्व अनुषंगियों यथा- स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर और स्टेट बैंक ऑफ पटियाला से प्राप्त 31 मार्च 2017 के आंकड़ों को ही दोहराया गया है।

सारणी सं.17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।
2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।
4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं.24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं.30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।
1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।
2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी-अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं.32

आईआईएफ सी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमरीकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर-यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमरीकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं.34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है। हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ो से मेल न खाएं।

सारणी सं.35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं.36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का संकेतक । 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2012-13 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

सारणी सं.37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं.38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं.43

1.3 : बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3 : 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

टेबल फार्मेट केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित शामिल है। इसके अतिरिक्त, पहली बार राज्य सरकारों की धारित प्रतिभूतियों को अलग श्रेणी में दर्शाया गया है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां, न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी की हैंडबुक)** में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2017	₹300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का अभिदान) ₹3150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3360 (एक वर्ष का अंशदान - डाक प्रभार सहित@) ₹2520 (एक वर्ष का रियायती दर@)	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का अभिदान) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय स्टेट 2015-16 पर सांख्यिकीय हैंड बुक	₹550 एक प्रति (सामान्य) ₹600 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	22 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय इकोनॉमी 2015-16 पर सांख्यिकीय हैंड बुक	₹500 एक प्रति (सामान्य) ₹550 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹375 एक प्रति (रियायती) ₹425 एक प्रति (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त : 2016-17 के बजटों का अध्ययन	₹ 500 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 550 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 23 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मिंट रोड माइलस्टोन्स : आरबीआई ऐट 75	₹ 1650 एक प्रति (कांउटर पर)	अमरीकी डॉलर 50 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकांउट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹ 140 एक प्रति (सामान्य) ₹ 170 (डाक द्वारा एक प्रति)	अमरीकी डॉलर 25 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकी विवरणियां, खंड 41 मार्च 2012	₹ 270 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 310 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 10 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
8. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹ 80 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (कांउटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
10. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयनः दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (कांउटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	

टिप्पणियाः

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलबध हैं।
2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (http://dbie.rbi.org.in)।
3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।

* भारत में छात्रों,अध्यापकों/ व्याख्याताओं,अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं,सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

@ इलेक्ट्रानिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते है, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है ।

सामान्य अनुदेशः

1. बिकी हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंज़िल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई- 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेलः spsdcs@rbi.org.in है।.
5. अभिदान मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रेषण पत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, दूसरी मंज़िल, मुख्य भवन, मुम्बई- 400 001 को संबोधित होना चाहिए।

   एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित हैः

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम ..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रातिशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर पहले आओ पहले पाओ आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. **कृपया अपना अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई मेल आईडी spsdcs@rbi.org.in को प्रेषित करें ताकि हम सुचारु रूप से आपके साथ संपर्क कर सकें।**